@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 23 मार्च 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 123 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सीएम केजरीवाल को छह दिन की ईडी रिमांड

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 22 मार्च। दिल्ली शराब घोटाला मामले में ईडी ने गुरुवार देर शाम दो घंटे की पूछताछ के बाद सीएम केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद %आप% ने आज विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, ईडी ने केजरीवाल को आज कोर्ट में पेश किया। बीआरएस एमएलसी के कविता का परिवार उनसे मिलने के लिए ईडी कार्यालय पहुंचा। 16 मार्च को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में के कविता की 23 मार्च तक ईडी को कस्टडी रिमांड दे दी थी। ईडी रिमांड पर भेजे जाने के बाद आप नेता और दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि भाजपा ईडी के पीछे से चुनाव लड़ना चाहती है। क्या ईडी भाजपा का हिस्सा है जो पार्टी अपनी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर रही है। आज तक, ईडी को अपराध की कोई आय नहीं मिली है। आज देश के लोकतंत्र के इतिहास में एक काला दिन है। आज जो लोकतंत्र की हत्या हुई है उसे देश की जनता देख रही है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल और टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन दिल्ली में भारतीय चुनाव आयोग पहुंचे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय गठबंधन के नेता आज चुनाव आयोग से मिलकर %जानबूझकर निशाना बनाने% और %विपक्षी

नेताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ आपत्ति जताएंगे। आम आदमी पार्टी के नेताओं और विधायकों ने केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हैशटैग अभियान आईस्टैंडविथकेजरीवाल और इंडियाविथकेजरीवाल शुरू किया। अरविंद केजरीवाल के वकील मदन लाल ने कहा कि ईडी 10 दिन की रिमांड मांग रही थी। उन्होंने कहा कि मनी ट्रेल का पता लगाने के लिए कस्टडी में जांच जरूरी है। सभी पहलुओं पर विचार करते हुए जज ने छह दिन की कस्टडी रिमांड दी। 28 मार्च को दोबारा यहां पेश किया गया। ईडी ने तर्क दिया कि गोवा चुनाव के लिए इस्तेमाल किया गया पैसा गलत तरीके से कमाया गया था। उन्होंने कहा कि उनके पास कुछ गवाहों के बयान हैं जो इस तथ्य को साबित करते हैं। केजरीवाल पर केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने कहा कि दस्तावेजों के जरिए सामने आता है। दो से चार करोड़ रुपये देने की बात सामने आई। आज कोर्ट में सीबीआई और आईपीसी की धारा पीएमएलए के तहत जिसने केस सामने आए और जो पेश हुए उनके खिलाफ भी केजरीवाल ने कुछ नहीं कहा। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को 28 मार्च तक के लिए ईडी की रिमांड पर भेज दिया है।

टीएमसी ने पीएम मोदी को बताया तानाशाहः ब्रायन

दिल्ली, 22 मार्च। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर हो गया है। तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओ ब्रायन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तानाशाह की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी हो रही हैं, उससे साफ लगता है कि भाजपा आगामी चुनावों में जीत हासिल करने की हताशा में यह सब कुछ कर रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद ओ ब्रायन ने कहा कि प्रधानमंत्री तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं। नियम बदले जा रहे हैं, चुनाव एजेंटों को गिरफ्तार किया जा रहा है, राज्य सरकार के अधिकारियों को स्थानांतरित किया जा रहा है। आखिर क्यों? उन्होंने यह भी सवाल किया कि पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक को 24 घंटे में तीन बार बदला गया तो ईडी निदेशक को क्यों नहीं बदला गया? उन्होंने आगे कहा कि आगामी चुनावों में सीट जीतने की हताशा में केंद्र सरकार यह सब कुछ कर रही है। कांग्रेस के साथ पश्चिम बंगाल में सीट बंटवारे की बातचीत विफल रहने के बाद टीएमसी पहली बार विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों के साथ नजर आई। टीएमसी नेता ने विश्वास जताया है कि उनकी पार्टी को पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा सीटें मिलेंगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा जितनी सीटें जीतेगी, टीएमसी उससे दोगुनी सीटों पर जीत हासिल करेगी।

कोलकाता के स्कूलों को संपत्ति कर से छूट मिलेगीः सीवी आनंद बोस

कौमी संवाददाता

कोलकाता, 22 मार्च। पश्चिम बंगाल के स्कूलों को टैक्स के भुगतान से छूट मिलेगी। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने शुक्रवार को कोलकाता नगर निगम (संशोधन) विधेयक 2023 को मंजूरी दे दी। विधेयक के कानून बनने पर स्कूलों को संपत्ति कर के भुगतान से छूट मिल जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोलकाता नगर निगम अधिनियम, 1980 (प. बंगाल अधिनियम 1980 का स्ख्ङ्ग) में संशोधन बेहद जरूरी था। इसका मकसद सरकार द्वारा प्रशासित या सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों वाली भूमि या भवनों को छूट देने का

प्रावधान बनाना है। यह विधेयक पश्चिम बंगाल विधानसभा में पिछले साल सितंबर महीने में ही पारित हुआ था। अब करीब छह महीने बाद इसे राज्यपाल ने मंजूरी दे दी है। इस कानून के अस्तित्व में आने के बाद राज्य सरकार को संपत्ति कर के भुगतान से छूट मिलेगी। विधेयक को मंजूरी दिए जाने के बाद नगरपालिका मामलों और शहरी विकास मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा, यह कानून केएमसी के खाते में स्पष्टता और पारदर्शिता लाएगा। उन्होंने कहा कि हर साल सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल 10 करोड़ रुपये से भी अधिक के अवास्तविक संपत्ति कर बिल प्रस्तुत करते हैं। कोलकाता में संपत्ति कर के दायरे में आने वाले स्कूलों के बारे में एक अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के क्षेत्राधिकार में 1329 प्राथमिक स्कूल हैं। 556 माध्यमिक विद्यालय और 78 कॉलेजों को मिलाकर केएमसी के दायरे में कुल 1963 कैंपस आते हैं। पश्चिम बंगाल सरकार के मुताबिक इन संस्थानों के कर्मचारियों का वेतन उसकी जम्मेदारी हैं। सरकार अन्य खर्चों को भी कवर करती है। हालांकि, वर्तमान में संपत्ति कर के भुगतान का कोई प्रावधान नहीं है। इस कारण बकाया टैक्स का बड़ा हिस्सा भी इससे ही जुड़ा है।

सत्ता के अहंकार में मोदी ने कराया गिरफ्तारः सुनीता केजरीवाल

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 22 मार्च। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद से दिल्ली में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। पक्ष और विपक्षा दोनों के बीच जुबानी जंग जारी है। इस बीच अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पत्नी सुनीता ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने दिल्ली वालों को समर्पित अपनी प्रतिक्रिया सोशल मीडिया एक्स के जरिए दी। उन्होंने लिखा, आपके तीन बार चुने हुए मुख्यमंत्री को मोदीजी ने सत्ता के अहंकार में गिरफ्तार करवाया। सबको क्रश करने में लगे हैं। यह दिल्ली के लोगो के साथ धोखा है। आपके मुख्यमंत्री हमेशा आपके साथ खड़े रहें हैं। अंदर रहें या बाहर, उनका जीवन देश को समर्पित है। जनता जनार्दन है सब जानती है। जय हिन्द दूसरी तरफ माना जा रहा है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी के सामने नेतृत्व का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। चर्चा आम हो गई कि मुख्यमंत्री जेल जाते है तो दिल्ली का मुख्यमंत्री कौन होगा। इतना ही नहीं कांग्रेस के साथ गठबंधन पर भी

संशय उठने लगा। कांग्रेस ने लोकसभा प्रत्याशियों की सूची भी आई लेकिन उसमें दिल्ली के तीन लोकसभा सीट के उम्मीदवारों के नाम नहीं आए। हालांकि आप ने एक हस्ताक्षर कैंपेन चलाया था, जिसमें 90 प्रतिशत लोगों ने यह कहा था कि जेल से ही मुख्यमंत्री दिल्ली का शासन संभालेंगे। आम आदमी पार्टी में यह भी चर्चा आम रही कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। सूत्रों की माने तो मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के जेल में होने की वजह से मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज ही कद्दावर नेता बनकर उभरे हैं। वहीं यह भी कयास लगाया जा रहा है कि अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल भी सत्ता संभाल सकती है। हालांकि इस स्थिति में आम आदमी पार्टी के कई नेताओं में इस स्थिति में नाराजगी नहीं हो और पार्टी एकजुट रहे इसे लेकर भी सहमति बनानी होगी।

पीएम मोदी की तुलना औरंगजेब से करने पर भड़के सीएम शिंदे

मुंबई, 22 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना औरंगजेब से करने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विपक्ष की आलोचना की है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम शिंदे ने कहा कि उनकी (संजय राउत) ये टिप्पणी राष्ट्र का अपमान है। एकनाथ शिंदे ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीएम मोदी, जिन्होंने बालासाहेब ठाकरे की राम मंदिर के सपने को पूरा किया, उनकी (पीएम मोदी) तुलना औरंगजेब से की जा रही है। यह राष्ट्र का अपमान है। जनता उन्हें चुनाव में इसका जवाब देगी। उन्होंने आगे कहा, पीएम मोदी ने अनुच्छेद 370 हटाकर बाला साहेब ठाकरे का सपना पूरा किया है। इसके बावजूद वे पीएम मोदी की तुलना औरंगजेब से कर रहे हैं। संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर हमला करने के लिए पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना के गुजरात लिंक का सहारा लिया। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र को 400 साल पहले औरंगजेब के रूप में संकट का सामना करना पड़ा था। औरंगजेब ने जो भी कुछ किया, वह अब दिल्ली में बैठे दो नेता कर रहे हैं। औरंगजेब का जन्म गुजरात में हुआ था और मोहम्मद अली जिन्ना का भी। संजय राउत ने आगे कहा, देश की स्थिति शर्मनाक है। औरंगजेब सभी से बहुत प्यार से बात करता था और इसी तरह से उसने साम्राज्य पर कब्जा कर लिया था। उसने फूट डालो और शासन करो की रणनीति अपनाई थी। गुजरात के दो लोग, जो दिल्ली गए हैं वे भी कुछ ऐसा ही कर रहे हैं। इतिहास अपने आप को दोहरा रहा है। शिवसेना नेता के इस बयान पर भाजपा प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने भी पलटवार किया था।

भाजपा घमंड में दे रही 400 पार का नारा, बड़े अंतर से जीतेंगे बघेलः सचिन पायलट

बिलासपुर (छत्तीसगढ़), 22 मार्च। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि प्रदेश में लोकसभा के शेष पांच नाम जल्द घोषित किए जाएंगे, कांग्रेस पार्टी छग में पूरी तैयारी से चुनाव लड़ेगी। साथ ही पायलट ने कहा कि विधानसभा में हम सरकार नहीं बना पाए लेकिन कांग्रेस सरकार ने बेहतर काम किया था और हमारी योजनाएं बेहतर थीं। उन्होंने कहा कि 11 सीटों के छग में अप्रत्याशित परिणाम आएंगे। अब तक जो सफलता नहीं मिली है वो अब मिलेगी। सचिन पायलट ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राज्य

सरकार दिल्ली से चल रही है और भाजपा घमंड में 400 पार का नारा दे रही है। अब भाजपा के गिरावट का समय आ चुका है, इसलिए अलग-अलग पार्टियों के नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के तमाम खातों को सीज करना अलोकतांत्रिक व असंवैधानिक है। निर्वाचन आयोग को इन सब का संज्ञान लेना पड़ेगा। यहां इलेक्शन कमिशन खुद संदेह के घेरे में है। पायलट ने भाजपा के क्रेटिबिलिटी पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि जिस पार्टी ने हजारों करोड़ रूपये के इलेक्टोरल बॉन्ड जमा कराए उनके खाते सीज नहीं हो रहे हैं। जिस तरह केंद्र सरकार लगातार कार्रवाई कर रही है मसलन झारखंड में सोरेन, दिल्ली में केजरीवाल को निशाना बनाया गया, ये इलेक्शन के समय नैतिकता की धज्जी उड़ा रहे हैं। पायलट ने कहा कि ऐसी दमनकारी कार्रवाई आज से पहले कभी नहीं देखी गई और छग में हर नेता के यहां रेड डाली जा रही है। 95 प्रतिशत कार्रवाई केवल विपक्ष के नेताओं पर हो रहे हैं।

राहुल गांधी ने केजरीवाल के परिवार से की बात

नई दिल्ली, 22 मार्च। दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ पूरा विपक्ष एक बार फिर एकजुट हो गया है। इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केजरीवाल के परिवार से फोन पर बात की। उन्होंने परिवार को आश्वस्त किया कि पूरी कांग्रेस पार्टी आपके साथ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, राहुल आज केजरीवाल से मुलाकात भी कर सकते हैं और कानूनी मदद की पेशकश कर सकते हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने भी केजरीवाल के समर्थन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ मोर्चा खोला है। उन्होंने गिरफ्तारी को गलत कदम करार दिया है। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर गुरुवार रात को प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि चुनाव के चलते दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस तरह टारगेट करना एकदम गलत और असंवैधानिक है। राजनीति का स्तर इस तरह से गिराना न प्रधानमंत्री को शोभा देता है न उनकी सरकार को। दरअसल, गुरुवार शाम करीब सात बजे ईडी की टीम मुख्यमंत्री केजरीवाल के घर समन देने पहुंची थी।

उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के स्कूलों की मान्यता रद्द

नई दिल्ली, 22 मार्च। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने देश के अलग-अलग राज्यों के 20 स्कूलों की मान्यता रद्द कर दी है। सीबीएसई सचिव हिमांशु गुप्ता ने बताया कि इन स्कूलों में नियम विरुद्ध आचरण करने के साथ-साथ कदाचार में लिप्त रहने के आरोप हैं। उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के अलावा केरल और उत्तराखंड के स्कूलों पर भी गाज गिरी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और असम के भी कई स्कूलों की मान्यता भी रद्द की गई है। दिल्ली, पंजाब और असम के तीन स्कूलों की मान्यता को डाउनग्रेड यानी घटा दिया है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के मुताबिक जिन स्कूलों की मान्यता रद्द की गई है, इनमें डमी छात्रों और अयोग्य उम्मीदवारों को दाखिला देने के प्रमाण मिले हैं। सचिव हिमांशु गुप्ता ने 22 मार्च को जारी बयान में कहा, क्या स्कूल संबद्धता और परीक्षा उपनियमों में निहित प्रावधानों और मानदंडों के अनुसार चल रहे हैं? यह जांचने के लिए देश भर के सीबीएसई मान्यता प्राप्त स्कूलों में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के बाद जारी सीबीएसई के बयान के मुताबिक 10 राज्यों के 20 स्कूलों में पाया गया कि कुछ स्कूल डमी और अयोग्य छात्रों का पंजीकरण कराने के अलावा विभिन्न कदाचारों में लिप्त पाए गए। स्कूलों में रिकॉर्ड भी ठीक से नहीं पाए गए। गहन जांच के बाद 20 स्कूलों की मान्यता रद्द करने, जबकि तीन स्कूलों को डाउनग्रेड करने का फैसला लिया गया। सीबीएसई ने अभिभावकों से इन स्कूलों से सतर्क रहने की अपील भी की है।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अन्ना हजारे ने दी प्रतिक्रिया

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 22 मार्च। शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया। उनकी गिरफ्तारी के बाद इंडी गठबंधन के नेताओं ने केंद्र सरकार को घेरा है, जबकि सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कहा कि उनके कर्मों के कारण ही उनकी गिरफ्तारी हुई है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए अन्ना हजारे ने कहा, मैं बहुत दुखी हूं कि अरविंद केजरीवाल जो कभी मेरे साथ काम करते थे, उन्होंने शराब के खिलाफ अपनी आवाज उठाई थी। अब वह खुद शराब नीतियां बना रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी उनके कर्मों के कारण ही हुई है। अन्ना हजारे ने मीडिया को बताया कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल को इस तरह की नीति लागू नहीं करने की चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा, मैंने बोला था कि हमारा काम शराब नीति बनाना नहीं है। एक छोटा बच्चा भी यह जानता है कि शराब बुरी चीज है। लेकिन उन्होंने नीति बनाई। उन्हें लगा कि वह इससे ज्यादा पैसे कमा लेंगे, इस वजह से उन्होंने इस नीति को लागू किया। मैंने उन्हें दो बार चिट्ठी भी लिखी। बता दें कि शराब घोटाला मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के अलावा विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, समीर महेंद्रू, पी सरथ चंद्रा,

बिनोय बाबू, अमित अरोड़ा, गौतम मल्होत्रा, राघव मंगुटा, राजेश जोशी, अमन ढाल, अरुण पिल्लई, मनीष सिसोदिया, दिनेश अरोड़ा, संजय सिंह, के. कविता को गिरफ्तार किया गया है। जनलोकपाल बिल आंदोलन के दौरान अन्ना हजारे की कोर टीम में शामिल अरविंद केजरीवाल का नाम जनता के सामने आया था। 2011 में शुरू हुई इस आंदोलन में केजरीवाल एक प्रमुख चेहरा थे, जिन्होंने अन्ना हजारे के साथ मिलकर जन लोकपाल विधेयक को लागू करने की मांग की थी। अन्ना हजारे ने नई दिल्ली में जंतर मंतर पर भूख हड़ताल शुरू की। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने किरण बेदी के साथ मिलकर विदेशों से काले धन को वापस लाने के लिए तत्कालीन सरकार को घेरा था। 17 नवंबर 2021 को दिल्ली सरकार ने राज्य में नई शराब नीति लागू की थी। इसके तहत राजधानी में 32 जोन बनाए गए थे और हर जोन में ज्यादा से ज्यादा 27 दुकानें खुलनी थीं। इस तरह से कुल मिलाकर 849 दुकानें खुलनी थीं। नई शराब नीति में दिल्ली की सभी शराब की दुकानों को प्राइवेट कर दिया गया। इसके पहले दिल्ली में शराब की 60 प्रतिशत दुकानें सरकारी और 40 प्रतिशत प्राइवेट थीं। नई नीति लागू होने के बाद 100 प्रतिशत प्राइवेट हो गईं। राज्य सरकार ने तर्क दिया था कि इससे 3,500 करोड़ रुपये का फायदा होगा। राज्य सरकार ने लाइसेंस की फीस भी कई गुना बढ़ा दी थी।

कांग्रेस के बैंक खाते फ्रीज करने पर सुक्खू-प्रतिभा ने खोला मोर्चा

नरेश मल्होत्रा

शिमला, 22 मार्च। कांग्रेस पार्टी के बैंक खाते फ्रीज करने पर सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संयुक्त प्रेस वार्ता में दोनों ने कहा कि लोकसभा चुनावों के समय भाजपा इस तरह के हथकंडे अपनाकर सता हथियाना चाहती है। केंद्र सरकार पर षड्यंत्र रचते हुए विपक्षी दलों को कमजोर करने का भी आरोप लगाया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव की घोषणा होते ही केंद्र सरकार का तानाशाही रवैया सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय पैसों का अभाव खड़ा करने के लिए ही पार्टी के बैंक खातों को आयकर विभाग के माध्यम से बंद किया गया है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि लोकसभा चुनाव आते ही भाजपा सत्ता के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाती है। कांग्रेस के बैंक खाते फ्रीज किए गए हैं। चुनाव के समय इस तरह की कार्रवाई सही नहीं है। भाजपा को यह लगता है कि वे इस तरह के हथकंडों को अपनाकर सत्ता हासिल कर लेगी। ये लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन है। कांग्रेस इसका पूरजोर विरोध करती है। विपक्ष को कमजोर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार पर चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी के खातों को सीज करने को षड्यंत्र बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी को आम जनता और संगठन के लोगो ने दान और चंदा देकर पैसा जमा करवाया था। इसका आयकर विभाग के पास पूरा रिकॉर्ड रहता है। इसके बावजूद चुनावों के समय खातों को सीज कर अलोकतांत्रिक कार्रवाई की गई है। इसका एकमात्र उददेश्य है कि पार्टी के प्रत्याशियों को चुनाव लड़ने के लिए फंड न दे सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास सीटे बेशक कम है लेकिन हम देश की बड़ी पार्टी हैं। पार्टी इन हथकंडों से घबराने वाली नहीं है। इसका विरोध किया जाएगा। भाजपा सरकार को इस तरह की कार्रवाई कर राजनीतिक रोटियां नहीं सेंकनी चाहिए। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पूरी तरह से एकजुट है। सभी एक साथ होकर जल्द चुनाव प्रचार में उतरेंगे। शुक्रवार को यहां मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभा सिंह हमारी प्रदेश अध्यक्ष हैं। उनके बोलने का तरीका स्पष्ट है। उनकी बातों को बढ़ा-चढ़ा कर करना गलत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनसे पार्टी के हित में चर्चा होती रहती है। उन्होंने मंडी संसदीय सीट

से चुनाव लड़ने को लेकर हाईकमान के समक्ष इन्कार किया है। उस बैठक में मैं भी मौजूद था। इसके पीछे कई बार पारिवारिक कारण होते हैं या कोई और कारण भी होते हैं। कई अड़चनें भी होती हैं। मंडी संसदीय क्षेत्र बहुत बड़ा है। वहां घूमना भी मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि मंडी से युवा, बुजुर्ग और महिला प्रत्याशी भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 15 माह में जो काम किया है, उसको लेकर चुनाव मैदान में जाएंगे। कांग्रेस सरकार ने हर मुद्दे को हल किया है। जेओए आईटी का लंबित परिणाम जारी किया है। कर्मचारियों को पुरानी पेंशन दी है। युवाओं के लिए स्वरोजगार को 680 करोड़ रुपये का स्टार्ट अप फंड योजना शुरू की है। विद्यार्थियों के लिए 20 लाख रुपये की शिक्षा ऋण चलाई गई है। 27 वर्ष की आयु तक वाली गरीब लड़कियों को शिक्षा और दिव्यांग व अनाथ बच्चों के लिए योजना शुरू की। उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस को वोट देगी। निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नोटों के दम पर कहीं ईमान को गिरवी तो नहीं रख दिया गया। उन्होंने कहा कि इस्तीफे के पीछे क्या है, यह देखा जाना चाहिए। वो तो आजाद विधायक थे, उन्हें कांग्रेस से चुनाव तो लड़ना नहीं था और मुख्यमंत्री से उनका कैसा संबंध था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें इस्तीफा नहीं देना चाहिए था, जनता की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए था। यह देखना चाहिए कि कहीं नोटों के दम पर ईमान तो नहीं बेच दिया। उन्होंने कहा कि आजाद विधायक पर सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता है, वह किस दबाव की बात कर रहे हैं। लोकतांत्रिक मूल्यों की भाजपा हत्या कर रही है, इसे जनता स्वीकार नहीं करेगी। निर्दलीय विधायकों ने कुछ गलत किया होगा, तभी इस्तीफा दिया है। भाजपा के विधायक इस्तीफा क्यों नहीं दे रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भाजपा देखती है कि सत्ता वोट के दम पर ना मिले तो कोशिश की जाती है कि सत्ता को नोट के दम पर हथियाया जाए। उन्होंने कहा कि निर्दलीय विधायक सीआरपीएफ की सुरक्षा में हेलिकाप्टर में आ रहे हैं और जा भी हेलिकॉप्टर में रहे हैं। प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कहा कि मैंने यह कभी नहीं कहा कि मुख्यमंत्री और सरकार काम नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि मैंनें जो बयान दिया है वो चुनाव न लड़ने को लेकर उनका निजी फैसला है। उधर, कई कांग्रेस विधायकों का कहना है कि उनकी ओर से प्रतिभा सिंह को अध्यक्ष पद से हटाने की मांग करती चिट्ठी नहीं भेजी गई है। विधायकों के इस बयान ने प्रतिभा सिंह को हटाने की चर्चाओं पर विराम लगा दिया है ताकि पार्टी को चुनावों के दौरान कोई नुकसान न हो।

नेपाल में मीडिया पर अंकुश लगाने के अपने निर्देश पर दो घंटे भी नहीं टिक पाई प्रचण्ड सरकार

काठमांडू । प्रचण्ड सरकार नेपाल में मीडिया पर अंकुश लगाने के अपने निर्देश पर दो घंटे भी नहीं टिक पाई। गृह मंत्रालय ने गुरुवार दोपहर देश के सभी 77 जिलों के जिलाधिकारी को मीडिया, पत्रकारों और सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी के लिए एक अलग डेस्क स्थापित करने का 15 पन्नों का निर्देश जारी किया था।

इसमें कहा गया था कि किसी भी अखबार, रेडियो, टीवी चैनल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर यदि नियम विरुद्ध कुछ भी प्रकाशित या प्रसारित होता है कि तत्काल गिरफ्तारी कर मुकदमा चलाया जाए।गृह मंत्रालय के इस निर्देश की कॉपी मीडिया में लीक होते ही आलोचना शुरू हो गई।

मीडिया ने प्रधानमंत्री प्रचण्ड और गृहमंत्री रवि लामिछाने की जमकर आलोचना की। नेपाल पत्रकार महासंघ सहित अनेक संस्थाओं ने इस कदम का विरोध किया गया। इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर हमला बताया। देशव्यापी विरोध होने के बाद गृह मंत्रालय ने अपने निर्दे को वापस ले लिया।

अमेरिका में राम मंदिर रथयात्रा 25 मार्च से, शिकागो से आगाज, हनुमान जयंती पर होगा समापन

वाशिंगटन। विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका (वीएचपीए) के नेतृत्व में शिकागो से 25 मार्च को राम मंदिर रथयात्रा शुरू होगी। यह यात्रा 60 दिन में 8,000 से भी अधिक मील की दूरी तय करते हुए 48 राज्यों के 851 मंदिरों तक जाएगी। वीएचपीए के महासचिव

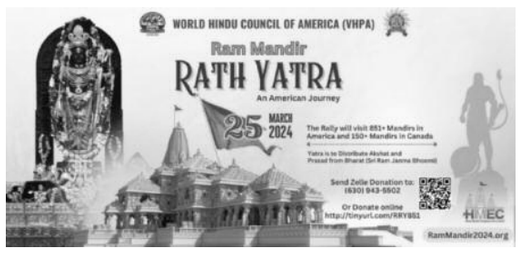

अमिताभ मित्तल ने बताया कि टोयोटा सिएना वैन के ऊपर बने रथ में भगवान राम, देवी सीता, लक्ष्मण और हनुमानजी की मूर्तियां होंगी। उनके साथ अयोध्या के राम मंदिर से विशेष प्रसाद और प्राण प्रतिष्ठा पूजित अक्षत का कलश ले जाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कनाडा में रथ यात्रा निकाली जाएगी। इसका आयोजन विश्व हिंदू परिषद ऑफ कनाडा ने किया है। हिंदू मंदिर सशक्तिकरण परिषद (एचएमईसी) की तेजल शाह का कहना है कि इसका प्रमुख उद्देश्य लोगों को हिंदू धर्म के बारे में जागरूक और शिक्षित करते हुए सशक्त बनाना है। विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका के महासचिव मित्तल ने बताया कि यात्रा का समापन 23 अप्रैल को हनुमान जयंती के अवसर पर होगा।

भारत की सहायता से नेपाल में 400 साल पुराने बौद्ध गुम्बा का पुनर्निर्माण शुरू

काठमांडू । सिन्धुपालचोक जिले में नेपाल-चीन सीमा पर स्थित 400 वर्ष पुराने जीर्ण-शीर्ण बौद्ध गुम्बा के पुर्ननिर्माण के लिए भारत सरकार ने 10 करोड़ रुपये मुहैया कराए हैं। साल 2015 में आए भूकम्प में यह ध्वस्त हो गया था। गुरुवार को काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारी की उपस्थिति में इसका शिलान्यास किया गया।

इस पर स्थानीय लोगों ने खुशी जताई है। भोटेकोशी गांव पालिका के अध्यक्ष पासांग नोर्बु शेरपा गांव के तरफ से भारत सरकार और भारतीय दूतावास के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इसके दो साल के भीतर बन जाने की उम्मीद है। इस गुम्बा के प्रमुख बौद्ध धर्मावलम्बियों के अगुवा दोर्जे लामा का कहना है कि 2013 में स्थानीय लोगों से एकत्र दो करोड़ चंदा से इसकी मरम्मत कराई गई थी। 2015 के विनाशकारी भूकम्प में यह ध्वस्त हो गया था। शिलान्यास कार्यक्रम भोटेकोशी गांव पालिका के लिस्ती में हुआ है। वार्ड अध्यक्ष राजू लामा का कहना है कि गांव में 90 प्रतिशत लोग बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं।

दुनिया में पहली बार सूअर की किडनी से हुआ ट्रांसप्लांट, चिकित्सकों को मरीज के जल्द ठीक होने की उम्मीद

वाशिंगटन। बोस्टन में डॉक्टरों ने सूअर की आनुवंशिक रूप से संशोधित किडनी 62 वर्षीय एक मरीज में प्रत्यारोपित की। डॉक्टरों ने कहा कि वेमाउथ (मैसाचुसेट्स) के रहने वाले मरीज रिचर्ड रिक स्लेमैन ठीक हो रहे हैं और उन्हें जल्द ही छुट्टी मिलने की उम्मीद है। मैसाचुसेट्स जनरल अस्पताल ने एक बयान में कहा कि यह पहली बार है।

प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे भूटान, पारो हवाई अड्डे पर जोरदार स्वागत

थिम्फू। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भूटान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर आज यहां पहुंच गए। पारो हवाई अड्डे पर भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने अपने भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी को गले लगाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी 22 से 23 मार्च तक पड़ोसी देश में रहेंगे। इससे पहले पारो हवाई अड्डे पर खराब मौसम के कारण भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की भूटान यात्रा 21 मार्च को स्थगित कर दी गई थी। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज सुबह करीब सात बजे नई दिल्ली से भूटान के लिए रवाना हुए। भूटान यात्रा के संबंध में आज सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा,' मैं भारत-भूटान साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लूंगा। मैं भूटान के महामहिम राजा, महामहिम चतुर्थ ड्रुक ग्यालपो और

प्रधानमंत्री के साथ बातचीत के लिए उत्सुक हूं।'

इससे पहले भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे पिछले सप्ताह गुरुवार से भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर थे। जनवरी में प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी।

फांस के राष्ट्रपति की मुक्केबाजी की तस्वीरें वायरल, यूजर्स बोले- यह रूस के खिलाफ मैक्रों का कड़ा रुख

थिम्फू। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मुक्केबाजी करते हुए तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। दरअसल, मैक्रों के फोटोग्राफर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनकी ये तस्वीर शेयर की थी। एक तस्वीर में फ्रांस के राष्ट्रपति को अपने दांत पीसते दिखे, जबकि, दूसरी तस्वीर में वह अपने दाहिने हाथ से पंचिंग बैग को मारते हुए दिखे।

सोशल मीडिया पर शेयर हुई मैक्रों की तस्वीरें

सोशल मीडिया पर तस्वीर के वायरल होते ही कुछ लोगों ने इसे मॉस्को के खिलाफ मैक्रों के बढ़ते कड़े रूख के साथ जोड़ा। जबकि, कुछ लोगों ने उनकी तुलना रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से की। बता दें कि पुतिन जूडो का अभ्यास करते हुए और घोड़े की सवारी करते हुए अपनी तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। मैक्रों के फोटोग्राफर ने दो दिन पहले इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की थी।

यूजर्स ने दी प्रतिक्रिया

पोस्ट किए जाने के बाद से ही इस तस्वीर को 12,000 से अधिक लाइक मिल चुका है। यूजर्स ने इन तस्वीरों पर प्रतिक्रिया भी दी है। एक यूजर ने कहा, 'शॉट्स, मैसेज और इम्पैक्ट के लिए ये दो तस्वीरें हमें बहुत पसंद आई। अद्भुत।' एक दूसरे यूजर ने कहा, 'मिस्टर प्रेसिडेंट क्लब में आपका

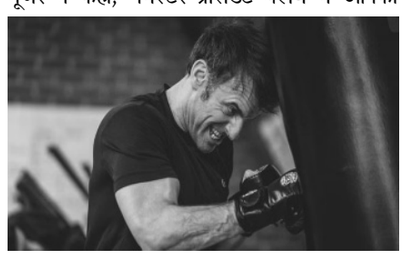

स्वागत है। यह सबसे अच्छा खेल है।' एक अन्य यूजर ने कहा, 'साहस और दृढ़ संकल्प, एक सच्चा योद्धा। खूबसूरत शॉट्स।' वहीं, दूसरे अन्य यूजर ने कहा, 'इन खूबसूरत तस्वीरों के लिए धन्यवाद, ये विरोधियों के साथ-साथ कुछ पत्रकारों और उन सभी नफरत करने वालों को नाराज करेगी, जिनमें जान नहीं है। मैं समझता हूं कि राष्ट्रपति को इन पंचिंग बैगों को उतारने की जरूरत है, क्योंकि जिम्मेदारियों का सारा भार भी उन्हीं पर है। आपकी ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें शानदार हैं।'

ब्रिटिश राजकुमारी केट मिडलटन के मेडिकल रिकॉर्ड लीक होने पर हंगामा, अस्पताल कर्मियों से पूछताछ शुरू

लंदन। ब्रिटेन में नागरिकों की निजता की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार इंफोर्मेशन कमिश्नर ऑफिस (आईसीओ) ने ब्रिटिश राजघराने की बहू केट मिडलटन के मेडिकल रिकॉर्ड के कथित लीक मामले में जांच शुरू कर दी है। इस बीच एक पुरानी जांच रिपोर्ट की ब्रिटेन में चर्चा चल रही है, जिसमें कहा गया कि मरीज के मेडिकल रिकॉर्ड मेडिकल स्टाफ को आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। यह रिपोर्ट केयर क्वालिटी कमीशन ने साल 2021 में जारी की थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुरानी रिपोर्ट में दावा किया गया कि बड़े अस्पतालों में मरीजों के रिकॉर्ड सुरक्षित रखे जाते हैं, लेकिन वे मेडिकल कर्मियों को आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। केट मिडलटन की बीती जनवरी

में सर्जरी हुई थी। यह सर्जरी लंदन के एक अस्पताल में हुई। दो हफ्ते अस्पताल में रहने के बाद केट अस्पताल से डिस्चार्ज हो गईं थी। हाल ही में आरोप लगे कि अस्पताल में केट के मेडिकल रिकॉर्ड लीक हुए। इस मामले में तीन कर्मचारियों से पूछताछ हो चुकी है। वहीं केट मिडलटन सर्जरी के बाद से ही सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखाई दी हैं। जिसके चलते उनकी सेहत को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाओं का दौर चल रहा है।

अस्पताल के सीईओ ने बयान जारी कर बताया कि हमारे अस्पताल में उन लोगों के लिए कोई जगह नहीं है, जो जानबूझकर मरीजों के विश्वास का उल्लंघन करते हैं। हमारे यहां मरीजों के दस्तावेजों की समीक्षा की बेहतर व्यवस्था है और अगर इसका उल्लंघन हुआ है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि ब्रिटेन में मरीजों के मेडिकल दस्तावेज बिना मरीज की मंजूरी के देखना अपराध है।

पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह प्राधिकरण परिसर में बलूच उग्रवादियों का हमला, सुरक्षा बलों ने सात हमलावरों ढेर किया

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत स्थित ग्वादर बंदरगाह प्राधिकरण परिसर में सुरक्षा बलों ने हथियारों से लैस बलूच उग्रवादियों के हमले को नाकाम करते हुए सात उग्रवादियों को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अलगावादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) बलूचिस्तान में चीन के निवेश का विरोध करता है, और चीन एवं पाकिस्तान पर संसाधन संपन्न प्रांत के शोषण का आरोप लगाता है। ग्वादर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोहैब मोहसिन ने मीडिया को बताया कि ''सात हमलावर मारे गए।''मकरान डिवीजन के आयुक्त सईद अहमद उमरानी ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि हमलावर ग्वादर बंदरगाह प्राधिकरण की इमारत में घुसने का प्रयास कर रहे थे। इससे पहले, स्थानीय मीडिया की खबरों में कहा गया कि सुरक्षा बलों के अभियान में आठ उग्रवादी मारे गये। अभी तक किसी सुरक्षाकर्मी या आम नागरिक के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा एवं संरक्षा विभाग ने एक बयान में कहा कि ग्वादर स्थित संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के सात कर्मी ''सुरक्षित'' हैं। प्रतिबंधित बीएलए के माजिद ब्रिगेड ने हमले की जिम्मेदारी ली है। यह बीएलए का आत्मघाती दस्ता है जो मुख्यतः सुरक्षा बलों और चीनी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाता है। ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से लगे बलूचिस्तान में लंबे समय से हिंसा छिड़ी है। पूर्व में बलूच विद्रोही समूहों ने 60 अरब अमेरिकी डॉलर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाओं को निशाना बनाते हुए कई हमले किए हैं।

डीपफेक वीडियो का शिकार हुईं इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी, एक लाख यूरो का मुआवजा मांगा

रोम। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी डीपफेक का शिकार हो गई हैं। उन्होंने डीपफेक अश्लील वीडियो बनाने और उसे ऑनलाइन डालने के आरोपी से एक लाख यूरो का हर्जाना मांगा है। भारतीय मुद्रा में यह करीब 90 लाख रुपए के बराबर है। दावा है कि दो लोगों ने मेलोनी का चेहरा वयस्क फिल्म स्टार के चेहरे पर लगाया और उसे अमेरिकी पोर्न वेबसाइट पर अपलोड कर दिया।

आरोपियों में पिता-पुत्र शामिल है। बेटे की उम्र 40 साल और उसके पिता की उम्र 73 साल है। दोनों ने मिलकर मेलोनी का अश्लील वीडियो बनाया। दोनों आरोपियों पर मेलोनी ने मानहानि का मुकदमा दायर किया है। दोनों गिरफ्तार कर लिए गए हैं। पुलिस ने कहा, उसने मोबाइल डिवाइस को ट्रैक करके आरोपी को ढूंढा। इसका इस्तेमाल उन्होंने वीडियो को ऑनलाइन पोस्ट करने के लिए किया था। डीपफेक वीडियो 2022 में उनके देश के पीएम बनने से पहले का है। इस वीडियो को तब से लाखों बार देखा जा चुका है। मेलोनी ससारी कोर्ट में 2 जुलाई को गवाही देंगी।

मुआवजे की राशि दान करेंगी मेलोनी

पीएम मेलोनी की कानूनी टीम ने कहा, हर्जाने की मांग करना एक प्रतीकात्मक कार्रवाई है। मेलोनी मुआवजे की पूरी राशि हिंसा की शिकार महिलाओं

की सहायता के लिए दान करेंगी। मेलोनी की वकील मारिया गिउलिया मारोंगिउ ने कहा कि मुआवजे की मांग उन महिलाओं के लिए एक संदेश है, जो इस तरह की हिंसा की शिकार हैं। मेलोनी का कहना है कि हिंसा की शिकार महिलाएं आवाज उठाने से न डरें।

एआई पर संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव पर मतदान, सुरक्षा के लिए अमेरिका ने मांगा सभी देशों का समर्थन

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र महासभा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर मतदान के लिए तैयार है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शक्तिशाली नई तकनीक सभी देशों को लाभान्वित करे, मानवाधिकारों का सम्मान करे और सुरक्षित, संरक्षित व भरोसेमंद साबित हो। इस प्रस्ताव का प्रायोजक अमेरिका है। उसने कहा, उम्मीद है कि विश्व निकाय इसे आम सहमति से अपनाएगा और यूएन के सभी 193 देश इसका समर्थन करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने कहा कि यदि प्रस्ताव अपनाया गया तो यह एआई के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगा। उन्होंने कहा, यह संकल्प एआई के विकास-इस्तेमाल में सिद्धांतों के आधारभूत सेट के लिए वैश्विक समर्थन का प्रतिनिधित्व करेगा। यह जोखिमों का प्रबंधन करते हुए एआई सिस्टम का लाभ उठाने का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। मसौदा प्रस्ताव का उद्देश्य अमीर विकसित देशों और गरीब विकासशील देशों के बीच डिजिटल विभाजन को खत्म करना है और यह सुनिश्चित करना है कि एआई पर चर्चा में वे सभी शामिल हों। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना भी है कि विकासशील देशों के पास एआई का लाभ उठाने के लिए तकनीक और क्षमताएं हों, ताकि बीमारियों का पता लगाना, बाढ़ की भविष्यवाणी करना, किसानों व श्रमिकों की मदद आसान हो सके।अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र में लाया जाने वाला प्रस्ताव एआई विकास व उपयोग में तेजी को मान्यता देता है। साथ ही सुरक्षित और भरोसेमंद एआई प्रणालियों पर वैश्विक सहमति की तात्कालिकता पर जोर देता है। यह मानता है कि एआई प्रणालियों का शासन एक उभरता हुआ क्षेत्र है जिसके लिए संभावित शासन दृष्टिकोण पर और चर्चा की आवश्यकता है। मसौदे में एआई को विनियमित करने की जरूरत का समर्थन किया है।

यूरोपीय संघ के सांसदों ने 13 मार्च को दुनिया के पहले व्यापक एआई नियमों को अंतिम मंजूरी दे दी है, जो कुछ अंतिम औपचारिकताओं के बाद मई या या जून तक प्रभावी हो जाएंगी।

'अमेरिका आते हुए बहुत सावधान रहें...', छात्रों को पेप्सिको की पूर्व सीईओ नूई की ये बात जरूर सुननी चाहिए

लंदन। पेप्सिको की पूर्व सीईओ इंदिरा नूई ने अमेरिका में रह रहे या अमेरिका जाने की तैयारी कर रहे भारतीय छात्रों को सलाह दी है कि वह अमेरिका में बहुत ध्यान से रहें और स्थानीय कानूनों का पालन करें। साथ ही नूई ने अपील की कि भारतीय युवा अमेरिका आकर ड्रग्स या किसी भी नशे से दूर रहें। हाल के समय में अमेरिका में भारतीय छात्रों के साथ अनहोनी की कई घटनाएं हुई हैं। यही वजह है कि इंदिरा नूई ने भारतीय छात्रों को अलर्ट रहने की सलाह दी है।

इंदिरा नूई ने जारी किया वीडियो

इंदिरा नूई को वैश्विक स्तर पर कॉरपोरेट जगत की ताकतवर और प्रभावशाली शख्सियत के तौर पर जाना जाता है। नूई ने एक 10 मिनट के वीडियो संदेश जारी किया है, जिसे न्यूयॉर्क में भारत के कॉन्सुलेट जनरल ने सोशल मीडिया पर साझा किया है। वीडियो संदेश में नूई ने कहा कि 'इस वीडियो को रिकॉर्ड करने का मकसद ये है कि मैं आप सभी युवाओं से, जो अमेरिका आना चाहते हैं या पहले से ही यहां रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, उनसे बात करना चाहती थी। आजकल भारतीय छात्रों के साथ अनहोनी होने की कई घटनाएं सामने आई हैं। लेकिन ये आपके हाथ में है कि आप खुद को सुरक्षित रख सकते हैं।'

छात्रों को नशे से दूर रहने की सलाह

नूई ने कहा कि 'कानून का पालन करें और रात में अकेले सुनसान जगहों पर न जाएं। ड्रग्स या किसी भी तरह के नशे के सेवन से बचें क्योंकि यही सब चीजें आपदा लेकर आती हैं।' पेप्सिको की पूर्व सीईओ ने भारतीय छात्रों को सलाह दी कि वह अमेरिका में अपनी

यूनिवर्सिटी और कोर्स को बहुत सावधानी से चुनें। जब अमेरिका आएं तो शुरुआती महीनों में बेहद सावधान रहें। दोस्त सावधानी से चुनें और नई आदतों को भी सोच-विचारकर अपनाएं। उन्होंने कहा कि 'जब सांस्कृतिक बदलाव होता है तो बहुत आशंका होती है कि छात्र इस आजादी में भटक जाते हैं और कई बार ड्रग्स के आदी हो जाते हैं। ये बेहद खतरनाक है।'

अमेरिका में हाल के समय में कई भारतीय छात्रों की जा चुकी है जान

नूई ने कहा कि 'भारतीय छात्र वीजा नियमों का भी पालन करें और किसी कानून का उल्लंघन न करें। साथ ही देर रात में अकेले सुनसान जगहों पर न जाएं।' नूई का यह वीडियो ऐसे समय आया है, जब इस साल अमेरिका में कई भारतीय छात्रों की असमय मौत की खबरें सामने आई हैं। इस हफ्ते एक भारतीय छात्र लापता है। वहीं एक भारतीय मूल का छात्र क्लीवलैंड में मृत पाया गया था। जनवरी में अकुल धवन नामक एक भारतीय छात्र यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस के परिसर में मृत पाया गया था। जांच में पता चला कि उसकी मौत ठंड के चलते हुई। दरअसल वह शराब के नशे में बाहर रहा, जिससे उसे ठंड लग गई और उसकी मौत हो गई। ऐसे ही कई मामले सामने आए हैं, जिनमें भारतीय छात्रों की जान चली गई।

नवलनी की मां को अदालत से झटका, जेल में बेटे की अनुचित देखभाल का आरोप वाला मुकदमा खारिज

थिम्फू। दिवंगत रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में संदिग्ध तरीके से हुई मौत को लेकर हंगामा जारी है। उनका परिवार लगातार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को जिम्मेदार ठहरा रहा है। इस बीच, नवलनी की मां ल्यूडमिला नवलनया को झटका लगा है। मॉस्को की एक अदालत ने नवलनया की उस मुकदमे को खारिज कर दिया है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि नेता को आर्कटिक दंड कॉलोनी में सही से चिकित्सा देखभाल नहीं मिली, जिसके कारण उनकी मौत हो गई।

नवलनी के 'फाउंडेशन फॉर फाइटिंग करप्शन' के पूर्व निदेशक इवान झदानोव ने गुरुवार को कहा कि लेबितनांगी की अदालत ने यह कहते हुए मुकदमा खारिज कर दिया कि केवल नवलनी ही इस बारे में शिकायत कर सकते थे। झदानोव ने कहा कि एलेक्सी नवलनी ने जेल में चिकित्सा

देखभाल के खिलाफ कई बार मामले दायर किए थे। अब जब वह मारे गए, तो उनके परिवार की भी नहीं सुनी जा रही है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर हत्या करने का आरोप

रिपोर्ट के अनुसार, नवलनी के परिवार और समर्थकों ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर उनकी हत्या करने का आरोप लगाया है, हालांकि क्रेमलिन ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। नवलनी की विधवा यूलिया नवलनया ने गुरुवार को कहा कि अदालत ने मुकदमा इसलिए खारिज कर दिया क्योंकि सुनवाई होती तो मौत की परिस्थितियों के बारे में वीडियो और अन्य जानकारी का खुलासा हो जाता।

ऋषि सुनक को झटका, हाउस ऑफ लॉर्ड्स से नहीं पास हो सका रवांडा विधेयक

लंदन। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का महत्वकांक्षी 'रवांडा विधेयक' फिर अटक गया। ब्रिटिश संसद के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स में बुधवार को इस विधेयक पर मतदान हुआ मगर वह पारित नहीं हो सका। हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्यों ने विधेयक में संशोधन की मांग की है। लंदन के प्रमुख समाचार पत्र 'द टाइम्स और द संडे टाइम्स' की एक्स हैंडल पोस्ट के अनुसार, इससे पहले भी हाउस ऑफ लॉर्ड्स में उड़ानों में देरी के मुद्दे पर सुनक की आलोचना हो चुकी है। अब रवांडा बिल पर उन्हें एक और झटका लगा है। उन्होंने सांसदों से इस विधेयक पर एकजुट होने का अनुरोध किया था। सरकार का कहना है कि रवांडा विधेयक का उद्देश्य ब्रिटेन में इंग्लिश चैनल से अवैध रूप से आने वाले शरणार्थियों को रोकना है। पिछले साल इंग्लिश चैनल से 29,437 लोग ब्रिटेन पहुंचे थे। इस बीच विपक्षी नेताओं के साथ सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी के कुछ नेताओं ने भी विधेयक में संशोधन करने का समर्थन किया है।

इसका मकसद

रवांडा विधेयक के तहत ब्रिटेन की सरकार शरण लेने वाले लोगों को रवांडा भेजेगी। वहां से वे ब्रिटेन में शरण पाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। शरणार्थियों के लिए ब्रिटेन की सरकार ने रवांडा को साल 2023 के अंत में 24 करोड़ पाउंड का भुगतान किया था।

दो साल से अधर में

रवांडा विधेयक का ऐलान अप्रैल 2022 में बोरिस जॉनसन की सरकार के दौरान किया गया था। पिछले साल नवंबर में ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट ने इस विधेयक पर कहा था कि ब्रिटेन में शरण मांगने वाले लोगों के लिए रवांडा सुरक्षित देश नहीं है। इसके बाद सुनक सरकार ने दिसंबर में 'सेफ्टी ऑफ रवांडा विधेयक' सदन में पेश किया। अगर यह विधेयक ब्रिटेन के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स से पास हो गया होता तो सुप्रीम कोर्ट का फैसला बायपास हो जाता।विपक्षी पार्टी लेबर पार्टी इस विधेयक के विरोध में है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

केजरीवाल का परिवार भी नजरंबद मुझे मिलने नहीं दिया; आप नेता गोपाल राय का दावा

नई दिल्ली. दिल्ली की मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी लगातार ईडी और बीजेपी पर गंभीर आरोप लगा रही है। इसी कड़ी में अब पार्टी ने केजरीवाल को परिवार को नजरबंद किए जाने का दावा किया है। दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय शुक्रवार को केजरीवाल से परिवार से मिलने उनके आवास पहुंचे थे लेकिन उन्हें बाहर ही रोक दिया गया। इसके बाद उन्होंने कहा कि हो सकता है उनके परिवार को नजरबंद कर दिया गया है। वो लोग किसी को उनसे मिलने की इजाजत नहीं दे रहे। गोपाल राय ने दावा किया है कि सीएम आवास की ओर जाने वाली 6 फ्लैगस्टाफ रोड पर तैनात पुलिस कर्मियों ने उन्हें केजरीवाल के परिवार से मिलने से रोक दिया।उन्होंने कहा, मैं यहां उनके परिवार के सदस्यों से मिलने आया हूं लेकिन ऐसा लगता है कि उन्हें घर में नजरबंद कर दिया गया है। मैं जानना चाहता हूं कि किस कानून के तहत मुझे सीएम के परिवार के सदस्यों से मिलने से रोका जा रहा है?

उधर आतिशी ने भी केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि उन्हें किस तरह की सुरक्षा दी जा रही है इस बारे में ईडी को देश के सामने जानकारी रखनी चाहिए। बता दें, दिल्ली के कथित शराब घोटाले में ईडी ने पूछताछ के लिए केजरीवाल को 9 समन भेजे थे लेकिन हर बार किसी ना किसी वजह से केजरवाल ने इस सभी समनों को दरकिनार कर दिया। आखिर कोर्ट की तरफ से गिरफ्तारपी से राहत ना मिलने के बाद ईडी 10वां समन लेकर केजरीवाल के घर पहुंची और 2 घंटे तक पूछताछ की और फिर केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया।

मैं दुखी इस बात से हूं कि...; केजरीवाल की गिरफ्तारी पर क्या बोले अन्ना हजारे

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर समाजसेवी अन्ना हजारे की पहली प्रतिक्रिया आ गई है। अन्ना हजारे ने कहा है कि उन्हें केजरीवाल को लेकर कोई दुख नहीं है और सलाह नहीं देंगे।

नई दिल्ली. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर समाजसेवी अन्ना हजारे की पहली प्रतिक्रिया आ गई है। अन्ना हजारे ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को उनके कर्मों का फल बताया है। अन्ना हजारे ने यह भी याद किया कि कभी केजरीवाल उनके साथ शराब के खिलाफ आवाज उठाते थे। अन्ना ने इस बात का दुख जाहिर किया कि जो कभी उनके साथ शराब के खिलाफ काम करते थे वह शराब नीति बनाने लगे।

महाराष्ट्र में अपने गांव रालेगण सिद्धि से एक बयान जारी करते हुए हजारे ने कहा, मुझे बहुत दुख हुआ कि अरविंद केजरीवाल जैसा आदमी जो मेरे साथ काम करता था। शराब के बारे में हम लोगों ने आवाज उठाई थी, वह आज शराब नीति बना रहा है। इसका मुझे दुख हुआ। लेकिन करेगा क्या, सत्ता के सामने कुछ नहीं चलता। आखिर उसको जो गिरफ्तार किया गया वह उनकी कृति से हुआ। हम यह बातें नहीं करते तो गिरफ्तारी का प्रश्न नहीं होता। जो हुआ है वह कानूनी के तौर पर जो होगा वह होगा, वह सरकार देखेगी। वह सोचेगी।

अन्ना हजारे के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ छेड़ी थी जंग

गौरतलब है कि साल 2011 में अन्ना हजारे ने भ्रष्टचार के खिलाफ जंग छेड़ी थी और केजरीवाल इस जंग में उनके साथ डट कर खड़े रहे। अन्ना हजारे ने अरविंद केजरीवाल के साथ मिलकर लोकपाल विधेयक को लागू करने की मांग करते हुए इंडिया अगेंस्ट करप्शन ग्रुप (ट्रष्ट) का गठन भी किया था। इस मांग को लेकर वह राम लीला मैदान में भूख हड़ताल पर बैठे थे। उस वक्त यह आंदोलन 28 अगस्त तक चला। उस समय अरविंद केजरीवाल के साथ किरण बेदी, संजय सिंह और मनीष सिसोदिया ने भी अन्ना हजारे के साथ इस आंदोलन में शामिल थे लेकिन अन्ना हजारे के बाद केजरीवाल आंदोलन का मुख्य चेहरा बनकर उभरे। इसके बाद केजरीवाल ने अपनी पार्टी का गठन किया और 24 नवंबर 2012 को आम आदमी पार्टी बनाई गई।

2 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार हुए केजरीवाल

बता दें, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केजरीवाल को दिल्ली के कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार किया है। उन पर शराब नीति को लेकर साजिश रचने और पार्टी पर 100 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने का आरोप है। ईडी ने इस मामले में पूछताछ के लिए केजरीवाल को 9 समन भेजे थे लेकिन उन्होंने हर इन्हें अवैध बताते हुए दरकिनार कर दिया।

सुनीता को मिलेगी AAP की कमान? केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली के सीएम की रेस में कौन-कौन से नाम

नई दिल्ली. दिल्ली के कथित शराब घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी ने आम आदमी पार्टी के साथ-साथ दिल्ली सरकार के सामने नेतृत्व संकट पैदा कर दिया है। 'आप' को पार्टी का नेतृत्व करने के लिए जल्द केजरीवाल का विकल्प ढूंढना होगा। अब केजरीवाल के संभावित रिप्लेसमेंट के रूप में उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल और कैबिनेट मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज के नामों के बारे में चर्चा चल रही है।

अब 'आप' के सामने एक योग्य नेता उतारने की चुनौती है जो केजरीवाल की गैरहाजिरी में दिल्ली में पार्टी और सरकार दोनों को संभाल सके। हालांकि, 'आप' नेतृत्व के लिए एक ऐसा नाम ढूंढ पाना वास्तव में एक बड़ा काम है जो 2012 में पार्टी की स्थापना के बाद से पार्टी के संयोजक और तीन बार दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे केजरीवाल के कद के करीब आता हो। पार्टी के लिए विकल्प काफी सीमित हैं। 'आप' के लिए केजरीवाल का रिप्लेसमेंट जल्द तलाशना और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि आम आदमी पार्टी दिल्ली, पंजाब, गुजरात, असम और हरियाणा में लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है, जहां केजरीवाल को पार्टी का स्टार प्रचारक होना था। पूर्व आईआरएस अधिकारी सुनीता केजरीवाल के अलावा 'आप' मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज के नाम भी इस शीर्ष पद के लिए चर्चा में हैं। दिल्ली सरकार में शिक्षा, वित्त, पीडब्ल्यूडी, राजस्व और सेवाओं सहित सबसे अधिक विभाग रखने वाली आतिशी को अरविंद केजरीवाल का करीबी सहयोगी माना जाता है। वह पार्टी प्रवक्ता भी हैं, जो 'आप' सरकार और अरविंद केजरीवाल का बचाव करती रही हैं। वह अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस और समाचार चैनलों पर भाजपा पर हमले करती रही हैं। सौरभ भारद्वाज भी दिल्ली सरकार के एक बड़े मंत्री हैं। उन पर स्वास्थ्य और शहरी विकास सहित कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी है।

वह पार्टी का एक जाना-माना चेहरा भी हैं, जो अक्सर पार्टी और उसके नेताओं का बचाव करने और शासन और राजनीति के मुद्दों पर केंद्र में भाजपा और उसकी सरकार पर जवाबी हमला करने में लगे रहते हैं। हालांकि, पिछले साल दिसंबर में 'आप' ने एक हस्ताक्षर अभियान मैं भी केजरीवाल चलाया था, जिसमें लोगों से पूछा गया था कि क्या उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए या गिरफ्तार होने पर जेल से सरकार चलानी चाहिए। इस अभियान के दौरान, 'आप' प्रमुख ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया के लिए पार्टी विधायकों और दिल्ली नगर निगम पार्षदों से मुलाकात की थी।

किसी ने बदला हुलिया, किसी ने घर तक बेचा; चुनाव से पहले 400 'लापता' हिस्ट्रीशीटर्स को पुलिस ने ढूंढ निकाला

हिस्ट्रीशीटर लोकसभा चुनाव में किसी तरह का खलल न डाल सकें इसलिए गाजियाबाद पुलिस ने 400 को ढूंढ निकाला है। अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था मजबूत करने के लिए अभियान चलाया गया था।

गाजियाबाद. पिछले कई सालों से लापता चल रहे 650 हिस्ट्रीशीटरों में से 400 को पुलिस ने खोज निकाला है। ढाई महीने पहले तक लापता चल रहे हिस्ट्रीशीटर लोकसभा चुनाव में विघ्न न डाल सकें, इसके लिए पुलिस ने अभियान चलाया था, जिसमें बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों पर लगाम कसने की दिशा में अभियान चलाया गया था। लापता चल रहे बाकी हिस्ट्रीशीटरों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

आगामी लोकसभा चुनाव कमिश्नरेट पुलिस का पहला लोकसभा चुनाव है। चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष संपन्न कराने की दिशा में पुलिस तमाम कार्रवाई कर रही है। संदिग्ध प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की जा रही है तो वहीं, असामाजिक तत्वों की हर गतिविधि पर निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में पुलिस ने कमिश्नरेट के हिस्ट्रीशीटरों का रिकॉर्ड खंगाला तो चौंकाने वाली बात सामने आई। ढाई महीने पहले तक गाजियाबाद के साढ़े छह सौ हिस्ट्रीशीटर लापता चल रहे थे। वह कहां हैं और क्या कर रहे हैं, इसकी पुलिस को कोई जानकारी नहीं थी।

लापता हिस्ट्रीशीटर लोकसभा चुनाव में किसी तरह की परेशानी या व्यवधान पैदा न कर दें, लिहाजा उनकी खोजबीन के लिए अभियान शुरू किया गया। लापता हिस्ट्रीशीटरों की खोजबीन थानास्तर से शुरू की गई और राजपत्रित अधिकारियों द्वारा अभियान की मॉनिटरिंग की गई। नतीजा यह निकला कि दो महीने के भीतर पुलिस ने 400 लापता हिस्ट्रीशीटरों को खोज निकाला।

बचने के लिए घर तक बेच डाला

किसी भी बदमाश की निगरानी करने के लिए उसकी हिस्ट्रीशीट खोजी जाती है। ऐसे में हिस्ट्रीशीटरों ने पुलिस की निगरानी से बचने के लिए अपना घर बेच दिया तो किसी ने ठिकाना बदल दिया। इतना ही नहीं, किसी ने तो अपने रिश्तेदारों तक से संपर्क खत्म कर दिया। ऐसे हिस्ट्रीशीटरों को खोजने में पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। मुखबिर तंत्र, सर्विलांस तथा पड़ोसी जिलों और राज्यों की पुलिस की मदद से पुलिस ने 400 लापता हिस्ट्रीशीटर खोज निकाले। ट्रेस किए गए हिस्ट्रीशीटरों ने बताया कि वह पुलिस से बचने के लिए फरार हो गए थे।

2G घोटाला: 6 साल पहले बरी हो गए सभी आरोपी, अब फिर सुनवाई करेगा दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली.दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन घोटाला मामले में पूर्व दूरसंचार मंत्री ए राजा, कंपनियों और अन्य को बरी करने के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की अपील शुक्रवार को स्वीकार कर ली है। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने कहा कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री और पक्षों के वकीलों द्वारा दी गई दलीलों के आधार पर सीबीआई द्वारा प्रथम दृष्टया मामला बनाया गया है, जिसकी गहन जांच की आवश्यकता है। अपील पर विस्तार से सुनवाई की जरूरत है। न्यायमूर्ति ने कहा कि अपील पर सुनवाई की इजाजत दी जाती है।

अपील को मई में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। उच्च न्यायालय ने सीबीआई की अपील की अनुमति पर फैसला सुनाया, जिससे निचली अदालत के फैसले के खिलाफ गुण-दोष के आधार पर अपील से निपटने का रास्ता खुल गया है। अपील वर्ष 2018 में सीबीआई द्वारा दायर की गई थी। अपील करने की अनुमति एक अदालत द्वारा किसी पक्ष को उच्च न्यायालय में फैसले को चुनौती देने के लिए दी गई एक औपचारिक अनुमति है। न्यायाधीश ने 14 मार्च को इस पहलू पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। विशेष अदालत ने 21 दिसंबर, 2017 को 2जी घोटाले से संबंधित सीबीआई और ईडी मामलों में राजा, डीएमके सांसद कनिमोझी और अन्य को बरी कर दिया था। बता दें कि दिल्ली की पटियाला कोर्ट ने 2जी घोटाले मामले में फैसला सुनाते हुए 2017 में सभी आरोपियों को बरी कर दिया। इसमें पूर्व दूरसंचार मंत्रती ए राजा, डीएमके सांसद कनिमोझी भी आरोपी थीं। आरोप था कि 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन में 1 लाख 76 हजार करोड़ का घोटाला किया गया।

होली पर यात्रियों को नहीं होगी कोई परेशानी, रेलवे ने किए खास इंतजाम; क्या-क्या मिलेगी सुविधा

होली के मौके पर यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए रेलवे ने खास बंदोबस्त किए हैं। नई दिल्ली एवं आनंद विहार स्टेशन पर यात्रियों के रुकने से लेकर उनके लिए पानी, शौचालय की व्यवस्था की है।

नई दिल्ली. होली के अवसर पर यात्रियों को स्टेशन पर किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए रेलवे ने विशेष व्यवस्था की है। नई दिल्ली एवं आनंद विहार स्टेशन पर यात्रियों के रुकने से लेकर उनके लिए पानी, शौचालय, अतिरिक्त काउंटर आदि के बंदोबस्त किए गए हैं। इन स्टेशनों से सर्वाधिक होली विशेष गाड़ियां चलनी हैं।रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इन दोनों स्टेशनों से यात्री सबसे ज्यादा राजगीर, पटना, ओखा, आरा, गया, वाराणसी, छपरा, मुजफ्फरपुर, मुंबई सेंट्रल, जयनगर, श्री माता वैष्णो देवी कटरा, पुरी आदि जगहों के लिए सफर करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए 17 मार्च से लेकर दो अप्रैल तक

विशेष रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं। 15 दिनों के भीतर यह गाड़ियां दोनों तरफ से कुल 100 फेरे लगाएंगी।

स्टेशन के भीतर भीड़ को कम रखने के लिए अजमेरी गेट नई दिल्ली (4500 वर्ग फीट) और आनंद विहार टर्मिनल (2500 वर्ग फीट) रेलवे स्टेशनों पर पंडाल बनाया है। प्रस्थान प्रतीक्षा क्षेत्र में कवर टेंट, लाइट, पंखे, वॉटर बूथ, पोर्टेबल टॉयलेट ब्लॉक, फूड स्टॉल, पीए सिस्टम, बुकिंग काउंटर आदि का बंदोबस्त किया गया है। इसके साथ ही वहां पर रेलवे के अधिकारी भी तैनात किए गए हैं।

होली के मद्देनजर यात्रियों के लिए अतिरिक्त काउंटर

- अजमेरी गेट और नई दिल्ली स्टेशन पर पंडाल बनाया गया
- महिला और पुरुष यात्रियों के लिए मोबाइल शौचालय की सुविधा
- यात्रियों के पीने के लिए पानी के टैंकर लगाए गए
- दोनों स्टेशनों पर अतिरिक्त पूछताछ एवं टिकट काउंटर बनाए
- जनता खाना सभी स्टालों पर
- टेंट में एलईडी स्क्रीन लगाई गई
- एंबुलेंस और डॉक्टर तैनात किए
- मिनी कंट्रोल रूम बनाया गया
- बुजुर्ग यात्रियों के लिए व्हील चेयर का बंदोबस्त किया गया

बाइक ने पैर को छुआ, नाबालिगों की युवक से हुई लड़ाई; हाथापाई के बाद चाकू से गोदकर मारा

नई दिल्ली. दिल्ली में रोजाना नाबालिग क्राइम को अंजाम दे रहे हैं। रोहिणी में दो दिन पहले एक युवक की केवल इसलिए हत्या कर दी गई क्योंकि उसकी बाइक से एक नाबालिग को हल्की टक्कर लग गई थी। इसे लेकर उनमें तीखी बहस हुई जिसके बाद मर्डर कर दिया गया। दरअसल, एक भीड़भाड़ वाले बाजार में युवक की बाइक ने किशोर के पैर को छू दिया। बहस के बाद उनमें हाथापाई हुई। इसी बीच एक किशोर ने चाकू निकालकर

बाइक सवार के पेट में घोंप दिया। पुलिस जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड से किशोरों पर वयस्कों के की तरह केस चलाने और हत्या के आरोपों का सामना करने की अनुमति देने की मांग कर सकता है। मृतक की पहचान 25 साल के राहुल के तौर पर हुई है। वह बिहार का रहने वाला था और रोहिणी में रहता था। एक अधिकारी ने बताया कि पिछले साल अपने पिता की हत्या के आरोप में जेल जाने के बाद राहुल कुछ महीने पहले ही जमानत पर जेल से बाहर आया था। पुलिस पूछताछ में पता चला कि युवक कुछ हफ्ते पहले रोजगार की तलाश में बिहार से दिल्ली आया था और मजदूरी कर रहा था।

पुलिस ने बताया कि यह घटना 18 मार्च को रात के 10.30 बजे घटित हुई जब राहुल अपनी बाइक पर दो दोस्तों के बीच में बैठा हुआ था। तीनों उस बाजार गए। दोनों किशोर बाजार में घूम रहे थे तभी बाइक उनमें से एक के पैर को छू गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जब उन्होंने इसे लेकर विरोध किया तो राहुल बाइक से उतर गया और उनसे बहस करने लगा। इससे किशोर भड़क गए। तीखी बहस के बाद उनमें हाथापाई होने लगी, इसी दौरान एक किशोर ने चाकू निकाला और राहुल के पेट में कम से कम दो बार वार किया।

राहुल को खून से लथपथ हालत में छोड़कर दोनों किशोर मौके से भाग गए। युवक की चीख-पुकार सुनकर लोग मौके पर पहुंचे और उनमें से एक ने पुलिस को सूचित किया। चाकू के घाव से पीड़ित ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस ने घटना का पता लगाने के लिए मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ की। डीसीपी (रोहिणी) गुरइकबाल सिंह सिद्धू ने मामले की जांच के लिए टीमों का गठन किया। डीसीपी ने कहा, हमने इलाके के सीसीटीवी फुटेज को एनालाइज किया है और दोनों हमलावरों को पकड़ लिया गया।

NAME CHANGE

I, LAKSHMI NARAIN S/O PIYAR CHAND residing at C 14 SOUTH EXTNENSION PART 1 DELHI-110049 have changed my name to LAKSHMI NARAIN KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE

It is for general information that I, MEENU W/o DEV VART, R/o PLOT NO-114, S/F, KH NO-39/2/2, GALI NO-5, POLE NO-MDR-1191, NEAR NANGLOI METRO STATION, RAJINDRA PARK, NANGLOI, WEST DELHI, DELHI-110041, declare that name of my husband has been wrongly written as DEV VART YADAV in my minor daughter LAKSHIKA aged 14 years in her birth certificate-MCDOLR10009087. The actual name of my husband is DEV VART, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, SHUBHAM S/O RAJPAL SINGH, R/0 HOUSE NO.68, ????-1, POLICE LINE, VIKAS PURI, WEST DELHI, DELHI- 110018, HAVE CHANGED MY NAME FROM SHUBHAM TO SHUBHAM SHEORAN FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, PARVEEN KUMARI wife of NO-16015372L Rank-HAV Name-RUDRAPAL SINGH CHAUHAN R/O VPO-BICHAULI, DIST-JALAUN, UTTAR PRADESH-285130 have changed my name from PARVEEN KUMARI to PRAVEEN KUMARI for all future purposes vide affidavit dated 22/03/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरे मुवक्किल श्री जोर सिंह ञजय सिंह पुत्र राजाराम और उनकी पत्नी श्रीमती सरोज देवी निवासी ए 564, पहली मॉंजल, मेन सर्कुलर रोड, पॉकेट 5, निकट नवजीवन आदर्श पब्लिक स्कूल सोनिया विहार दिल्ली 110094, ने अपने मझले पुत्र चिंटू और उसकी पत्नी श्रीमती मोहिनी निवासी ए 564, मेन सर्कुलर रोड, निकट नवजीवन आदर्श पब्लिक स्कूल पार्ट 5, सोनिया विहार दिल्ली 110094 और सबसे छोटे पुत्र सोनू निवासी ए 564, मेन सर्कुलर रोड,पॉकेट 5, निकट नवजीवन आदर्श पब्लिक स्कूल सोनिया विहार दिल्ली 110094 को उन लोगों के गलत आचरण से तंग आकर अपने सभी चल अचल सम्पत्ति से वंचित करके संबंध विच्छेद कर लिया है। जो कोई उन लोगो से किसी प्रकार से लेन देन आदि का व्यहार करता है उसके लिऐ मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगे।

जी एस शर्मा (ऐडवोकेट)
78 गजानंद ब्लॉक, तीस हजारी कोर्ट
दिल्ली 110054

NAME CHANGE

I, VIJAYAN PILLAI father of NO-15733241Y Rank- L/NK Name- VISHNU V S R/O VPO-CHADAYAMANGALAM, TEH-KOTTARAKKARA, DIST-KOLLAM, KERALA-691534 have changed my name from VIJAYAN PILLAI G to VIJAYAN PILLAI G for all future purposes vide affidavit dated 22/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, CHHINDER KAUR Mother of JASMAIL SINGH presently residing at HOUSE NO-45, PATTI RAIHAN, JAGRAON, HATHUR, LUDHIANA, PUNJAB-142031 have changed my name from CHHINDER KAUR to JASWINDER KAUR for all future purposes vide affidavit dated 22/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SHEELA KUMARI S mother of NO-15733241Y Rank- L/NK Name-VISHNU V S R/O VPO-CHADAYAMANGALAM, TEH-KOTTARAKKARA, DIST-KOLLAM, KERALA-691534 have changed my name from SHEELA KUMARI S to SHEELAKUMARI for all future purposes, in my son□s service record my date of birth wrongly mentioned as 17/04/1969 instead of my correct date of birth as 01/01/1972 vide affidavit dated 22/03/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, Ravi Chaudhary s/o Saheb Singh R/o M-167C, Ground Floor, Blossom-2, Sector-51, Gurgaon, Haryana-122018, have changed my name to Ravi Choudhary permanently

NAME CHANGE

I, RAJINDER KUMAR SHARMA S/O SURIYA PARKASH SHARMA residing at 1/11078C GALI NO-8 BEHIND KIRTI MANDIR SUBHASH PARK DELHI-110032 have changed my name to RAJENDER KUMAR SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, KRISHNA W/O DARSHAN KHUNGER residing at HOUSE NO-103L, MODEL TOWN, PANIPAT, HARYANA-132103 have changed my name to KRISHNA KHUNGER for all future purpose.

NAME CHANGE

I, PURAN CHANDRA S/O CHANDER DUTT R/O 72-B,POCKET-I, DILSHAD GARDEN, SHAHDARA, DELHI - 110095 have changed my name to PURAN CHANDRA JOSHI for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री कृष्ण लाल भाटिया और श्रीमती शुभ भाटिया नगरपालिका संख्या बी-486, अहाता संख्या 40 का हिस्सा, खसरा संख्या 630 में से 30+30 = 60 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली फ्रीहोल्ड आवासीय निर्मित संपत्ति के मालिक हैं, जो क्षेत्र में स्थित है। गांव बसई दारापुर कॉलोनी को सुदर्शन पार्क एक्सटेंशन के नाम से जाना जाता है। नई दिल्ली-15. सद्गुण द्वारा, विक्रय विलेख दिनांक 28.11.2022 को एसआर- II, नई दिल्ली में दस्तावेज संख्या 14741, पुस्तक संख्या ड्ड, खंड संख्या 26791, पृष्ठ संख्या 85 से 95, दिनांक 28.11.2022 के रूप में विधिवत पंजीकृत है और आज तक खो गया है/गुम हो गया है। उनका मूल जीपीए दिनांक 12.12.1991 को श्रीमती वीरन देवी द्वारा श्रीमती परवीन बाला चोपड़ा के पक्ष में निष्पादित किया गया, मूल बिक्री विलेख दिनांक 11.07.2008 को श्रीमती परवीन बाला चोपड़ा पत्नी श्री राज पाल चोपड़ा द्वारा सुश्री नेहा चोपड़ा पुत्री श्री के पक्ष में निष्पादित किया गया। राज पाल चोपड़ा और मूल बिक्री विलेख दिनांक 09.09.2008 को श्रीमती परवीन बाला चोपड़ा पत्नी श्री राज पाल चोपड़ा द्वारा सुश्री नेहा चोपड़ा पुत्री श्री राज पाल चोपड़ा के पक्ष में निष्पादित किया गया, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि कोई अन्य व्यक्ति ऐसा नहीं करता है उक्त संपत्ति पर उनका कोई अधिकार है, और बेची गई संपत्ति भी श्री विमलेश कुमार की है और इसे सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, शाखा-ग्रीन पार्क नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010,
Contact at-09958871432

कांग्रेस डिप्रेशन की स्थिति में, उम्मीदवार हट रहे पीछे : रणजीत

चंडीगढ. लोकसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा प्रत्याशियों के नामों के ऐलान में देरी को लेकर कैबिनेट मंत्री चौ. रणजीत सिंह ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस डिप्रेशन की स्थिति में आ गई है। 1977 में एक बार ऐसा समय आया था, जब लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा में कोई भी कांग्रेस की टिकट नहीं लेना चाहता था। अब फिर वही दौर आ चुका है, जब कोई भी कांग्रेस की टिकट नहीं लेना चाह रहा है।

कांग्रेस प्रत्याशियों के नामों पर मंथन करने का जरूर दिखावा कर रही है, लेकिन कोई भी प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतरने के लिए तैयार नहीं है। बृहस्पतिवार को यहां मीडिया से बातचीत में कैबिनेट मंत्री ने कहा कि रायबरेली से कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रिटायरमेंट ले ली है। राहुल गांधी रायबरेली छोड़कर वायनाड से चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस की आज देश में ऐसी हालत हो चुकी है, जो पहले उसकी कभी नहीं हुई थी।

लोकसभा की सीटों के हिसाब से उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा प्रदेश है, जिसमें 80 सीटें हैं। लेकिन कांग्रेस के बड़े नेता पार्टी छोड़कर जा रहे हैं, उससे स्थिति का आकलन किया जा सकता है। रणजीत सिंह ने कहा कि जब चुनावी रण में पार्टी का नेता आगे चलता है तभी सेना यानी कार्यकर्ताओं में जोश आता है, लेकिन कांग्रेस हालात बहुत खराब चल रहे हैं। कांग्रेस लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पाएगी, पिछले चुनाव के मुकाबले वोट का ग्राफ भी गिरेगा।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भाजपा प्रदेश की सभी 10 लोकसभा सीटें जीतेगी और फिर से तीसरी बार सत्ता में आएगी। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 और 2019 में गुजरात की सभी सीटों पर जीत दर्ज की थी और प्रधानमंत्री ने खुद उत्तर प्रदेश के वाराणसी से चुनाव लड़ा था। रणजीत चौटाला ने विपक्ष को दो टूक जवाब दिया कि सरकार के बदलाव से विपक्ष को कोई फायदा नहीं होने वाला है।

551 निजी स्कूलों में पढ़ सकेंगे गरीब परिवारों के बच्चे

चंडीगढ़. मुख्यमंत्री समान शिक्षा, राहत, सहायता एवं अनुदान (चिराग) योजना के तहत प्रदेशभर में 551 निजी स्कूलों में गरीब परिवारों के बच्चों का दाखिला होगा। शिक्षा विभाग की ओर से चिराग योजना को लेकर शेड्यूल जारी कर दिया गया है। 1.80 लाख रुपये सालाना आय वाले परिवार बच्चों को निजी स्कूल में पढ़ाने के लिए 31 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं।

चिराग योजना के तहत दाखिला देने की सहमति देने वाले निजी स्कूलों की सूची को शिक्षा विभाग ने सार्वजनिक कर दिया है। दाखिले के लिए सहमति देने वाले 551 स्कूलों में दाखिले के लिए आवेदन वर्तमान खंड, जिसमें वह पहले से पढ़ रहे हैं, उसे ही तरजीह दी जाएगी। 31 मार्च तक आवेदन प्रक्रिया जारी रहेगी, पहली अप्रैल से लेकर 5 अप्रैल तक दाखिला ड्रा निकाले जाएंगे। ड्रा को लेकर अभिभावकों को सूचित किया जाएगा और अभिभावकों की उपस्थिति में ही ड्रा प्रक्रिया पूरी होगी। 10 अप्रैल तक दाखिला प्रक्रिया पूरी होगी। साथ ही 15 अप्रैल तक शिक्षा विभाग के पोर्टल पर भी बच्चों का दाखिले का डेटा दर्शाना अनिवार्य होगा। भिवानी जिला में 56, जींद में 48, हिसार में 45, सिरसा में 43, कुरुक्षेत्र में 42, सोनीपत में 35, कैथल व फतेहाबाद में 31-31, करनाल में 30, पानीपत में 29, अंबाला में 27, चरखी दादरी में 19, झज्जर में 23, नूंह में 14, पलवल में 13, रोहतक व यमुनानगर में 12-12, रेवाड़ी में 11, गुरुग्राम में 10, महेंद्रगढ़ में 9, पंचकूला में 7 तथा फरीदाबाद जिला में 4 स्कूलों में गरीब परिवारों के बच्चों के मुफ्त एडमिशन हो सकेंगे।

गृह अपने पास रखेंगे सीएम, गुर्जर को मिलेंगे बड़े विभाग

चंडीगढ. हरियाणा में नयी सरकार के गठन और मंत्रिमंडल विस्तार के बाद अभी तक विभागों का आवंटन नहीं हो पाया है। नये मंत्रियों में विभागों को लेकर पेच फंसा हुआ है। इस बीच, बृहस्पतिवार को सीएम नायब सिंह सैनी दिल्ली पहुंचे। वहां उन्होंने कई केंद्रीय नेताओं के साथ मुलाकात की। माना जा रहा है कि सैनी का यह दौरा मंत्रियों के विभाग आवंटन को लेकर ही था। शुक्रवार को सुबह सैनी नयी दिल्ली से चंडीगढ़ के लिए रवाना होंगे।

बताते हैं कि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय भी बाहर थे। इस वजह से भी मंत्रियों के विभागों की अलॉटमेंट में देरी हुई। विभागों का आवंटन अब अधिक नहीं लटकेगा। जल्द ही सभी मंत्रियों को विभाग सौंपे जा सकते हैं। नायब कैबिनेट में छह उन मंत्रियों को शामिल किया है, जो मनोहर कैबिनेट में भी थे। वहीं सात नये चेहरे मंत्रिमंडल में शामिल हुए हैं। इस बार राज्य मंत्रियों की संख्या भी अधिक है। प्रदेश में 6 कैबिनेट और

सात राज्य मंत्री बनाए हैं। राज्य मंत्रियों को स्वतंत्र प्रभार दिया है।

माना जा रहा है कि गृह विभाग मुख्यमंत्री अपने पास ही रखेंगे। इसी तरह वित्त विभाग भी वे खुद ही रख सकते हैं। मनोहर पार्ट-।। में भी वित्त विभाग पूर्व सीएम मनोहर लाल ने अपने पास ही रखा हुआ था। ऐसा इसलिए भी संभव है, क्योंकि मौजूदा सरकार अपना पांचवां और आखिरी बजट फरवरी में ही पेश कर चुकी है। नायब सरकार के मंत्रियों की नजरें अब पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला को प्राप्त रहे विभागों पर है। सूत्रों का कहना है कि मंत्रियों में विभागों को लेकर मारामारी बची है। दिल्ली तक लॉबिंग हो रही है।

गठबंधन में जजपा के बाद आबकारी एवं कराधान, खाद्य एवं आपूर्ति, उद्योग एवं वाणिज्य, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, विकास एवं पंचायत, श्रम, पीडब्ल्यूडी (भवन एवं सड़कें), नागरिक उड्डयन व अग्निशमन सेवाएं जैसे बड़े विभाग थे। सूत्रों का कहना है कि मनोहर कैबिनेट में शामिल जिन मंत्रियों को नायब मंत्रिमंडल में जगह मिली है, उनके पहले वाले विभाग बने रह सकते हैं। बदलाव अगर हुआ तो कमल गुप्ता के विभाग में हो सकता है। उन्हें स्वास्थ्य विभाग दिया जा सकता है।

कैबिनेट मंत्री कंवर पाल गुर्जर के पास कुछ पुराने विभाग बने रहेंगे। संसदीय कार्य मामले मंत्री भी गुर्जर ही रहेंगे। उन्हें पीडब्ल्यूडी (भवन एवं सड़कें) तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन भी दिया जा सकता है।

राज्य मंत्री सीमा त्रिखा को महिला एवं बाल विकास विभाग के अलावा एक-दो और विभाग दिए जा सकते हैं। इसी तरह स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री महिपाल ढांडा को विकास एवं पंचायत मंत्री बनाया जा सकता है।

निकाय विभाग को लेकर रस्साकसी

मनोहर सरकार में शहरी स्थानीय निकाय विभाग डॉ. कमल गुप्ता के पास था। इस विभाग को लेकर नये मंत्रियों में जबरदस्त टकराव चल रहा है। बताते हैं कि कई मंत्री यह विभाग लेने के लिए भाग-दौड़ कर रहे हैं। इनमें थानेसर विधायक व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, असीम गोयल भी शामिल हैं। ऐसे में विभाग कमल गुप्ता के पास भी बना रह सकता है। बताते हैं कि खाद्य एवं आपूर्ति विभाग पर भी कई मंत्रियों की नजरें हैं। माना जा रहा है कि असीम गोयल को उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री बनाया जा सकता है।

कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है...

चंडीगढ़. पूर्व गृह व स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने सोशल मीडिया एक्स पर शायराना पोस्ट डाली है। 9 साल और करीब साढ़े चार महीने तक हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे विज अब सरकार में हुए बदलाव के बाद कैबिनेट का हिस्सा नहीं हैं। बृहस्पतिवार को पोस्ट में विज ने लिख ड्ड कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दुश्मन, दौर-ए-जमां हमारा। माना जा रहा है कि इस शेर के जरिये विज ने भाजपा में अपने विरोधियों पर कटाक्ष किया है।

इस पोस्ट पर एक्टिव लोगों ने टिप्पणी भी शुरू कर दी है। बड़ी संख्या में विज के समर्थकों व अन्य ने पोस्ट पर रिएक्ट किया है। कई जहां विज को ही सलाह देते नज़र आए तो किसी ने कहा कि विज के साथ गहरी साजिश हुई है। कुछ ऐसे भी लोग हैं, जिन्होंने विज को अपने एक्स अकाउंट से 'मोदी का परिवार' हटाने की सलाह दे डाली है। बोल्ड स्टैंड के नेचर वाले विज प्रदेश में हुए नेतृत्व परिवर्तन के बाद से ही नाराज़ चल रहे हैं। हालांकि पब्लिक प्लेटफार्म पर वे कह चुके हैं कि उनकी किसी से नाराजगी नहीं है।

12 मार्च को अपने मंत्रिमंडल सहित मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद नायब सिंह सैनी को प्रदेश का नया मुख्यमंत्री बनाया गया। इसी दिन शाम को

राजभवन में हुए शपथ ग्रहण समारोह में सैनी के साथ मंत्री पद की ओथ लेने वाले विधायकों में अनिल विज का भी नाम शामिल था। विज विधायक दल की बैठक को ही बीच में छोड़कर अंबाला कैंट चले गए थे। इसके बाद वे राजभवन भी नहीं पहुंचे। बताते हैं कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने भी विज को मनाने की कोशिश की लेकिन वे माने नहीं।

डरे हुए हैं विपक्षी राजनीतिक दल : विज

मीडिया से बातचीत में विज ने कहा कि हरियाणा में लोकसभा की सभी दस सीटों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव लड़ रहे हैं। उम्मीदवार चाहे जो भी हो, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। सभी जगह मोदी लड़ रहे हैं। हरियाणा में किसी सीट पर प्रत्याशी को लेकर कोई पेच नहीं फंसा है। हमने अपना प्रचार शुरू कर दिया है। मोदी ही हमारा उम्मीदवार है। दूसरी पार्टियां तय नहीं कर पा रही हैं कि किसे चुनाव लड़वाया जाए। विरोधी दल डरे हुए हैं, इसलिए प्रत्याशियों की घोषणा नहीं हो रही।

बृजेंद्र सिंह का इस्तीफा मंजूर, खाली हुई हिसार लोकसभा सीट

चंडीगढ़. हिसार लोकसभा क्षेत्र की सीट भी अब रिक्त हो गई है। यहां से भाजपा सांसद रहे बृजेंद्र सिंह का इस्तीफा लोकसभा स्पीकर ने स्वीकार कर लिया है। उनके इस्तीफे को 12 मार्च से ही मंजूर किया गया है। लोकसभा सचिवालय की ओर से इसका नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। बृजेंद्र सिंह भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। हालांकि उनके पिता और पूर्व केंद्रीय मंत्री चौ. बीरेंद्र सिंह अभी भाजपा में ही हैं।

भाजपा की ओर से लोकसभा चुनावों के लिए प्रदेश की 10 सीटों में से छह पर प्रत्याशी घोषित किए जा चुके हैं। जिन चार संसदीय सीटों पर अभी उम्मीदवार नहीं आए है, उनमें रोहतक, सोनीपत व कुरुक्षेत्र के अलावा हिसार भी शामिल है। हिसार सीट को लेकर भाजपा में पेच फंसा हुआ है। हिसार से सांसद बृजेंद्र सिंह ने 10 मार्च को भाजपा छोड़कर नई दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मौजूदगी में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की थी।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद 12 मार्च को उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से अपना इस्तीफा लोकसभा अध्यक्ष को भेज दिया था। बृजेंद्र सिंह हरियाणा कैडर के आईएएस अधिकारी थे। 2019 के लोकसभा चुनावों से ठीक पहले उन्होंने आईएएस की नौकरी से वीआरएस लेकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। उस समय उनके पिता चौ. बीरेंद्र सिंह राज्यसभा सांसद थे और उनकी माता प्रेमलता उचाना कलां से भाजपा विधायक थीं।

सरसों खरीद 26 से, गेहूं खरीद होगी पहली अप्रैल से शुरू

चंडीगढ़. हरियाणा में सरसों की खरीद 26 मार्च से और गेहूं की खरीद पहली अप्रैल से शुरू होगी।

रबी सीजन-2024-25 को लेकर तैयारियां पूरी है। इस सीजन में सरसों के लिए 5650 रुपये, गेहूं के लिए 2275 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) निर्धारित किया गया है। इस बार भी फसल खरीद का भुगतान डीबीटी के माध्यम से सीधे किसानों के खातों में किया जाएगा। आंकड़ों के अनुसार पिछले 7 फसल सीजन में फसल खरीद के लगभग 90 हजार करोड़ रुपये किसानों के खातों में डाले गए।

सरसों की सरकारी खरीद हैफेड व हरियाणा भंडारण निगम द्वारा की जाएगी। सरसों के लिए 106 मंडिया/खरीद केंद्र बनाए हैं। इस बार मंडियों में 14.28 लाख मीट्रिक टन आवक होने की संभावना हैं। 2022-23 में 3.17 लाख मीट्रिक टन तथा वर्ष 2023-24 में 6.83 लाख मीट्रिक टन आवक हुई।

गेहूं की खरीद के लिए 417 मंडियां/खरीद केंद्र बनाए हैं। इस बार 112.14 लाख मीट्रिक टन गेहूं के उत्पादन होने की संभावना हैं।

किसानों को गेहूं की खरीद के भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी का सामना न करना पड़े, इसके लिए 7300 करोड़ रुपये की कैश क्रेडिट लिमिट की मंजूरी पहले ही दी जा चुकी है। गेहूं की खरीद के लिए बेल की भी समुचित व्यवस्था की गई है।

पोर्टल पर दर्ज ब्योरे अनुसार होगी खरीद

फसल खरीद मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर दर्ज डाटा के आधार पर की

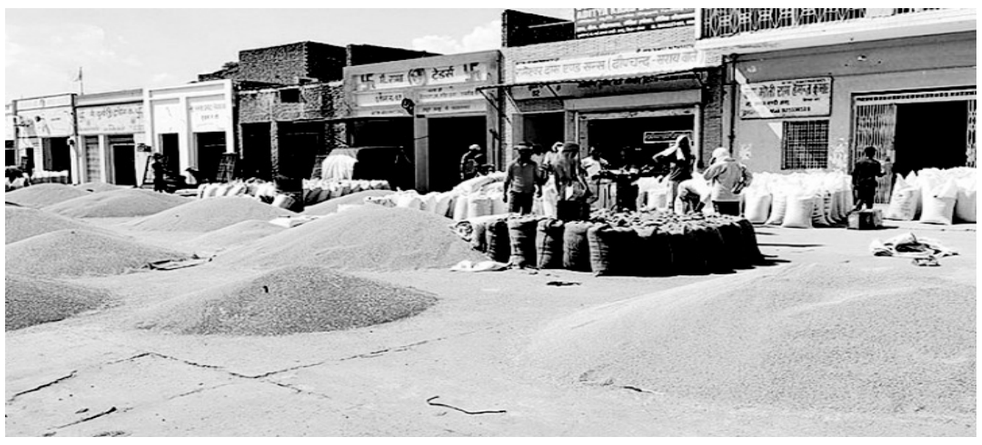

जाएगी। इस पोर्टल पर सरसों के लिए 4 लाख 74 हजार 768 किसानों ने 18 लाख 6 हजार 326 एकड़ भूमि का पंजीकरण करवाया है। साथ ही, गेहूं के लिए 7 लाख 82 हजार 921 किसानों ने 41 लाख 64 हजार 324 एकड़ भूमि का पंजीकरण करवाया है। रबी सीजन-2024-25 में चना व जौ की भी खरीद पहली अप्रैल से की जाएगी।

सरकार सरसों की खरीद शुरू करे और बकाया मुआवजा दे : हुड्डा

चंडीगढ़. पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सरकार से जल्द सरसों की खरीद शुरू करने और किसानों को बकाया मुआवजा देने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि मंडियों में फसल की आवक शुरू हो चुकी है। लेकिन सरकार 26 मार्च से खरीद शुरू करने की बात कह रही है। तैयारियों को देखकर यह भी होता संभव नजर नहीं आ रहा। चूंकि एक बार फिर सरकार किसानों को पोर्टल के जंजाल में फंसाना चाहती है।

पूर्व सीएम ने कहा कि 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा' पार्टल पर 9.25 लाख किसानों ने 61.45 लाख एकड़ का पंजीकरण करवाया है। इसमें से 10.40 लाख एकड़ रकबे का रिकॉर्ड मिसमैच है। जब तक यह खामी दूर नहीं होती, तब तक सरकार किसानों की फसल नहीं खरीदेगी। यानी सरकार की गलती का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ेगा। सरकार को चाहिए कि बिना देरी के सरसों की खरीद शुरू करे। साथ ही, गेहूं की आवक के लिए पहले से ही तमाम तैयारियां को पूरा किया जाए। पूर्व सीएम ने सरकार से किसानों को बकाया मुआवजा देने की मांग भी दोहराई है। अब तक सरकार ने न बाढ़ पीड़ित किसानों को मुआवजा दिया और न ही पिछले दिनों हुई ओलावृष्टि के नुकसान की भरपाई की है। कई साल से किसान इंतजार में बैठे हैं। जैसे-तैसे भाजपा ने 2022 के खराबे का नाममात्र मुआवजा रिलीज किया है।

रजत कल्सन समेत अनेक लोगों ने ज्वाइन की कांग्रेस

दलित अधिकार कार्यकर्ता अधिवक्ता रजत कल्सन समेत दर्जनभर सामाजिक कार्यकर्ता बृहस्पतिवार को अपने सैकड़ों साथियों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। नयी दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष चौ. उदयभान के नेतृत्व में सभी ने कांग्रेस में शामिल होने का ऐलान किया। इस मौके पर हुड्डा ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ताओं के पार्टी में आने से कांग्रेस और मजबूती के साथ दलित व पिछड़ों की आवाज उठा पाएगी। उन्हें उम्मीद है कि सभी पुरजोर तरीके से वंचित वर्गों की लड़ाई लड़ेंगे। कल्सन के साथ फतेहाबाद के भीम आर्मी के 6 साल तक अध्यक्ष रहे भूषण नुनिया, अशोक रत्ताखेड़ा व बलविंदर सिंह तथा भाटला संघर्ष समिति के मुख्य सदस्य अजय भाटला, विकास भाटला, राजेश भाटला, रोहतास कुमार ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

नामांकन प्रक्रिया शुरू होने तक बनेंगे वोट

अम्बाला .भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू की गई सी विजल एप के माध्यम से आदर्श आचार संहिता की उल्लंघना की शिकायत अब आम नागरिक भी इस पर दर्ज करवा सकते हैं। कोई भी पात्र नागरिक नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से पहले अपनी वोट बनवा सकता है। इस दौरान किसी की वोट काटने का काम नहीं किया जायेगा। जिले में अतिरिक्त उपायुक्त को नोडल अधिकारी लगाया गया है। यह जानकारी आज जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. शालीन ने अपने कार्यालय में लोकसभा आम चुनाव 2024 के तहत नोडल अधिकारियों के साथ एक बैठक लेते हुए दी। उन्होंने बताया कि सी विजल एप पर शिकायत आने के बाद जिला प्रशासन द्वारा नियुक्त की गई टीम मौके पर जाकर कार्रवाई करेगी और समस्या का निदान करेगी। सी विजल ऐप पर जो शिकायत प्राप्त होगी, 100 मिनट के अंदर उसका समाधान किया जायेगा। साथ ही ईवीएम मशीन व वीवी पैट से सम्बन्धित विषय पर भी जानकारी दी गई।

चुनाव के दौरान वे पुलिस कर्मचारी या अधिकारी जो यमुनानगर, पंचकूला, अम्बाला से संबध रखते हैं और उनकी तैनाती अम्बाला में है, ईडीएस प्राप्त कर सकते हैं ताकि मतदान के दिन जहां उनकी डयूटी हो, वे भी अपने मत का प्रयोग कर सकें। उन्होंने सभी अधिकारियों को चुनाव आयोग की हिदायतों की अनुपालना के तहत अपनी डयूटी का निर्वहन करने बारे निर्देश दिए। उन्होंने अतिरिक्त उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को शैडयूल बनाकर प्रशिक्षण दिलवाने को कहा। उन्होंने कहा कि एआरओ व ईएआरओ इस कार्य में लीड करें। ईवीएम व वीवीपैट से सम्बन्धित प्रक्रिया की जानकारी दें। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त अपराजिता, एसडीएम दर्शन कुमार, एसडीएम बिजेंद्र सिंह, एसडीएम यश जालुका, एसडीएम सतिंद्र सिवाच, आरटीए सुशील कुमार, चुनाव तहसीलदार संदीप कुमार, डीएसपी रमेश कुमार, डीडीपीओ दिनेश शर्मा के साथ-साथ नोडल अधिकारी आदि मौजूद रहे।

कंट्रोल रूम भी बनाया गया

चुनाव कार्यालय अम्बाला शहर में कंट्रोल रूम कमरा नंबर 101, 102 स्थापित किया गया है। 1950 भी सैटअप किया गया है जिस पर चुनाव प्रक्रिया की जानकारी ली व दी जा सकती है। इसके अलावा मतदाता अपने मत व बूथ से सम्बन्धित कोई भी जानकारी वोटर हेल्पलाइन नंबर, एप पर अपने पंजीकृत मोबाइल के माध्यम से ले सकता है।

अर्धसैनिक बलों व पुलिस की रहेगी ड्यूटी

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. शालीन ने यह भी कहा कि चुनाव को निष्पक्ष व शांतिपूर्वक तरीके से करवाने बारे भी तैयारियां की जा रही हैं। पुलिस द्वारा अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियों के साथ-साथ गृहरक्षी-होमगार्ड के जवानों की तैनाती की जायेगी।

संवेदनशील व अति संवेदनशील बूथों की वास्तविकता को जानते हुए वहां पर अलग से पुलिस की तैनाती की जायेगी। रोड शो के दौरान यदि कोई गाड़ी, वाहन बिना परमिशन के पाया गया तो उसे इम्पाउंड भी किया जायेगा।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में लगातार दूसरे दिन रौनक, बिटकॉइन 66 हजार डॉलर के पार पहुंचा

नई दिल्ली। क्रिप्टो करेंसी मार्केट में लगातार दूसरे दिन रौनक नजर आ रही है। बाजार में आज खरीदारी का माहौल बना रहा, जिसके कारण मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से कोई भी रेड जोन में नहीं है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन समेत टॉप- 10 में शामिल हर क्रिप्टो करेंसी आज ग्रीन जोन में कारोबार करती नजर आ रही है। आज की तेजी के कारण बिटकॉइन आज एक बार फिर 66 हजार डॉलर के स्तर को पार कर गया है।

भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से आज शाम 6 बजे तक बिटकॉइन 5.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ 66,873.59 डॉलर यानी 55.59 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी एथेरियम की कीमत भी आज 8.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ उछल कर 3,531.45 डॉलर के स्तर पर आ गई थी। बिटकॉइन और एथेरियम के अलावा टेथर 0.07 प्रतिशत, बीएनबी 5.94 प्रतिशत, सोलाना 11.12 प्रतिशत, एक्सआरपी 3.26 प्रतिशत, यूएसडी कॉइन 0.03 प्रतिशत, कार्डानो 4.77 प्रतिशत, डोजेकॉइन 13.42 प्रतिशत और एवलांचे 3.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में 6.78 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गई है। फिलहाल क्रिप्टो करेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप बढ़ कर 2.54 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 211.13 लाख करोड़ रुपये हो गया है। ग्लोबल मार्केट कैप में उछाल आने के बावजूद पिछले 24 घंटे के दौरान क्रिप्टो करेंसीज के लेन-देन में गिरावट दर्ज की गई है। इस अवधि में कुल 15,221 करोड़ डॉलर यानी 12.65 लाख करोड़ रुपये की क्रिप्टो करेंसी की लेन-देन हुई, जो 1 दिन पहले की तुलना में 5.73 प्रतिशत कम है। अगर दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की बात करें कीमत में तेजी आने के बावजूद पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी मार्केट में इस आभासी मुद्रा की स्थिति 0.22 प्रतिशत कमजोर हुई है, जिसके कारण इसकी मार्केट हिस्सेदारी घट कर 51.89 प्रतिशत रह गई है।

ईडी ने मल्टीलेवल मार्केटिंग मामले में 84.24 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मल्टीलेवल मार्केटिंग स्कीम मामले में 84.24 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति जब्त की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने यह कार्रवाई धन शोधन निवारण कानून (पीएमएलए), 2002 के तहत की है। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि मल्टीलेवल मार्केटिंग स्कीम मामले में 19 मार्च को जांच एजेंसी ने प्रमोटरों भाऊसाहेब छब्बू चव्हाण, आरती भाऊसाहेब चव्हाण और अन्य द्वारा अर्जित की गई 84.24 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्तियों सहित चल-अचल संपत्तियां जब्त की है। ईडी ने कहा कि जब्त की गई यह संपत्तियां महाराष्ट्र और राजस्थान के अन्य क्षेत्रों के अलावा नासिक, ठाणे, सिंधुरगढ़ और पाली जिलों में स्थित हैं।

ईडी ने कहा कि इन प्रमोटरों भाऊसाहेब छब्बू चव्हाण और आरती भाऊसाहेब चव्हाण की संपत्तियों को धन शोधन निवारण कानून, 2002 के तहत अटैच किया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि जिन संपत्तियों को अटैच किया गया है, उसमें बेनामी संपत्तियां, डीमैट खाते, डाकघर के बचत खातों में जमा पैसे, चांदी और हीरे के आभूषणों और बैंक अकाउंट में जमा पैसा भी शामिल है।

कच्चा तेल 87 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव लगातार जारी है। ब्रेंट क्रूड 87 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंड क्रूड 0.50 डॉलर यानी 0.58 फीसदी की उछाल के साथ 86.45 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.70 डॉलर यानी 1.14 फीसदी की गिरावट के साथ 81.68 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

'ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए मजबूत ढांचों की जरूरत', डिजिटलीकरण पर बोले डिप्टी गवर्नर

मुंबई । आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने कहा, कोविड महामारी ने वित्तीय सेवाओं में डिजिटलीकरण को तेज कर दिया है। इससे सेवाप्रदाताओं और ग्राहकों द्वारा ऑनलाइन लेनदेन में तेजी से बदलाव आया है। बैंकिंग ग्राहकों को दुरुपयोग और धोखाधड़ी से बचाने के लिए मजबूत नियामकीय ढांचे की जरूरत है। वित्तीय सेवाओं के डिजिटल होने और फिनटेक प्लेटफॉर्मों का प्रसार होने से खतरे की आशंका है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने कहा, कोविड महामारी ने वित्तीय सेवाओं में डिजिटलीकरण को तेज कर दिया है। इससे सेवाप्रदाताओं और ग्राहकों द्वारा ऑनलाइन लेनदेन में तेजी से बदलाव आया है। पेरिस में आयोजित एक कार्यक्रम में स्वामीनाथन ने कहा, डिजिटलीकरण में तेजी से बहुत सारे फिनटेक प्लेटफॉर्म आ गए हैं। यह प्लेटफॉर्म परंपरागत प्रणालियों की तरह काम नहीं करते हैं। साथ ही इसमें कुछ नियामकीय दायरे से बाहर होते हैं। हालांकि, उनसे पहुंच जैसे बड़े लाभ मिलते हैं, लेकिन वे दुरुपयोग और धोखाधड़ी के जोखिम को भी बढ़ाते हैं। वे ग्राहकों को साइबर हमलों, डाटा उल्लंघन और अक्सर कुछ वित्तीय नुकसान के जोखिम में डाल सकते हैं। ग्राहकों को ऐसी कंपनियों की ओर से पारदर्शिता में कमी दिखाने के कारण विवादों को सुलझाने या मुआवजा प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है।

बैंकों में साइबर खतरे से निपटने की पूरी तैयारी

मुंबई । तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के बीच साइबर सुरक्षा बड़ा सवाल बनकर सामने आया है। ताजा घटनाक्रम में बैंकों में साइबर सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। बैंकों में साइबर खतरों के खिलाफ सुरक्षा बढ़ाने के लिए अधिक पैसे खर्च किए जा रहे हैं। बैंकों के खर्चों पर अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी- मूडीज की तरफ से जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्तीय संस्थानों में साइबर सुरक्षा की अहमियत पर ध्यान दिया जा रहा है। इस सर्वेक्षण के दौरान 240 बैंकों में होने वाले खर्चों का आकलन किया गया।

इंटरनेशनल मार्केट में नई ऊंचाई पर सोना, भारत में भी आ सकती है तेजी

नई दिल्ली। वर्ल्ड गोल्ड मार्केट में सोना ऊंचाई के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत आज पहली बार 2,200 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर गई। वर्ल्ड गोल्ड मार्केट में ये उछाल अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दर में कटौती करने का संकेत दिए जाने की वजह से माना जा रहा है। भारतीय सर्राफा बाजार में भी सोना के नई ऊंचाई पर पहुंचने की संभावना जताई गई है।

इस साल फरवरी के मध्य से ही सोने की कीमत में लगातार तेजी बनी हुई है। भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण दुनिया के कई देशों के केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार को मजबूत करने के लिए लगातार खरीदारी कर रहे हैं, जिसकी वजह से इस चमकीली धातु की कीमत में उछाल आया हुआ है। इसके साथ ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से आए उत्साहजनक संकेत की वजह से आज वर्ल्ड गोल्ड मार्केट में

हाजिर सोना 0.70 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,201.94 डॉलर प्रति औंस के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया।

पिछले सप्ताह भी इंटरनेशनल मार्केट में ट्रेडर्स ने गोल्ड में अपनी लॉन्ग पोजिशन बनाई थी, जिसके कारण ये चमकीली धातु 2019 के बाद अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी। ऐसे में बुधवार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने ब्याज दरों में कटौती करने का एक बार फिर संकेत देकर गोल्ड मार्केट में उत्साह का माहौल बना दिया। माना जा रहा है कि अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व अपने संकेतों के मुताबिक ब्याज दरों में कटौती करता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में और उछाल आ सकता है।

गोल्ड मार्केट के एक्सपर्ट मयंक मोहन के मुताबिक जियो पोलिटिकल रिस्क के कारण कई देशों में आर्थिक मंदी के कयास लगाए जा रहे हैं। इसकी वजह से चीन जैसी बड़ी आर्थिक शक्ति के केंद्रीय बैंक ने भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की खरीदारी तेज कर दी है। इसके साथ ही प्रॉपर्टी मार्केट में गिरावट आने की वजह से चीन के अलावा यूरोप के कई देशों में भी लोगों का सोने के ऊपर भरोसा बढ़ा है। ऐसी स्थिति में सोने की खरीदारी लगातार तेज होती जा रही है, जिसके कारण इस चमकीली धातु की कीमत में उछाल आया है। माना जा रहा है कि अगर वर्ल्ड गोल्ड मार्केट में सोना इसी तरह मजबूत होता रहा, तो भारतीय सर्राफा बाजार में भी सोना नई ऊंचाई पर पहुंच सकता है।

निसान मोटर इंडिया ने सौरभ वत्स को प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी निसान मोटर इंडिया ने सौरभ वत्स को कंपनी का प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है। वत्स 15 जनवरी, 2024 को कंपनी के उप प्रबंध निदेशक के तौर पर नियुक्त किए गए थे। उनका कार्यकाल एक अप्रैल, 2024 से प्रभावी होगा।

कंपनी ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि सौरभ वत्स को कंपनी का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। वे राकेश श्रीवास्तव का स्थान लेंगे, जो 31 मार्च, 2024 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इससे पहले वत्स 15 जनवरी को कंपनी के उप प्रबंध निदेशक नियुक्त किए गए थे। उनका कार्यकाल एक अप्रैल, 2024 से प्रभावी होगा। कंपनी ने कहा कि वत्स निसान इंडिया परिचालन के अध्यक्ष और 'बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन' के क्षेत्रीय प्रभाग के उपाध्यक्ष फ्रैंक टोरेस को रिपोर्ट करेंगे। उल्लेखनीय है कि निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) निसान मोटर कंपनी लिमिटेड जापान की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। इसकी स्थापना 2005 में हुई थी, जो भारत में हैचबैक, एमयूवी, एसयूवी और सेडान मॉडल पेश करती है। भारतीय बाजार में निसान इंडिया के पास दो ब्रांड, निसान और डैटसन का पोर्टफोलियो है।

बंगाल सरकार के मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, अर्द्धसैनिक बल के जवान तैनात

नई दिल्ली। ईडी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री और टीएमसी नेता चंद्रनाथ सिन्हा के ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की टीम ने बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर में यह कार्रवाई की। ईडी के अधिकारी अर्द्धसैनिक बल के जवानों के साथ छापेमारी करने पहुंचे। जवानों ने चंद्रनाथ सिन्हा के ठिकानों की घेराबंदी की और ईडी के अधिकारी अंदर जांच कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईडी की छापेमारी बंगाल के करोड़ों रुपये के स्कूल भर्ती घोटाला मामले में हुई है। ईडी ने इस मामले में बंगाल में पांच जगहों पर छापेमारी की, जिनमें चंद्रनाथ सिन्हा का घर भी शामिल है। चंद्रनाथ सिन्हा, बंगाल की टीएमसी सरकार में एमएसएमई और कपड़ा मंत्री हैं। टीएमसी के शीर्ष नेता अनुब्रत मंडल भी बोलपुर के निवासी हैं और वे गौ तस्करी के मामले में जेल में बंद हैं। अनुब्रत मंडल बीते करीब दो वर्षों से तिहाड़ जेल में बंद हैं। साथ ही अनुब्रत मंडल की बेटी सुकन्या मंडल, सहयोगी सहगल हुसैन और सीए मनीष कोठारी भी जेल में बंद हैं।

देश का खनिज उत्पादन जनवरी महीने में 5.9 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश के खनिज उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। खनन और उत्खनन क्षेत्र का खनिज उत्पादन सूचकांक जनवरी, 2023 की तुलना में जनवरी, 2024 में 5.9 फीसदी बढ़ गया। अप्रैल-जनवरी 2023-24 की अवधि के दौरान संचयी वृद्धि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 8.3 फीसदी है। खान मंत्रालय ने भारतीय खान ब्यूरो के आंकड़ों के हवाले से बताया कि देश का खनन और उत्खनन क्षेत्र का खनिज उत्पादन सूचकांक जनवरी 2023 के स्तर की तुलना में जनवरी में 5.9 फीसदी बढ़ गया। वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जनवरी अवधि के लिए पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में संचयी वृद्धि 8.3 फीसदी रहा है।

भारतीय खान ब्यूरो के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार जनवरी, 2024 में महत्वपूर्ण

खान मंत्रालय
MINISTRY OF MINES
सत्यमेव जयते

खनिजों का उत्पादन- कोयला 998 लाख टन, लिग्नाइट 41 लाख टन, प्राकृतिक गैस (प्रयुक्त) 3073 मिलियन घन मीटर, पेट्रोलियम (कच्चा) 25 लाख टन, बॉक्साइट 2426 हजार टन, क्रोमाइट 251 हजार टन, तांबा सांद्र 12.6 हजार टन, सोना 134 किलो, लौह अयस्क 252 लाख टन, सीसा सांद्र 34 हजार टन, मैंगनीज अयस्क 304 हजार टन, जस्ता सांद्र 152 हजार टन, चूना पत्थर 394 लाख टन, फॉस्फोराइट 109 हजार टन और मैग्नेसाइट 13 हजार टन। इसके अलावा जनवरी, 2023 की तुलना में जनवरी, 2024 में सकारात्मक वृद्धि दर्शाने वाले महत्वपूर्ण खनिजों में मैग्नेसाइट 90.1 फीसदी, तांबा सांद्र 34.2 फीसदी, कोयला 10.3 फीसदी, चूना पत्थर 10 फीसदी, बॉक्साइट 9.8 फीसदी, मैंगनीज अयस्क 7.8 फीसदी, प्राकृतिक गैस (यू) 5.5 फीसदी, सीसा सांद्र 5.2 फीसदी, लौह अयस्क 4.3 फीसदी, लिग्नाइट 3.6 फीसदी, जस्ता सांद्र 1.3 फीसदी, और पेट्रोलियम (कच्चा) 0.7 फीसदी है, जबकि नकारात्मक वृद्धि दर्शाने वाले अन्य महत्वपूर्ण खनिजों में सोना -23.4 फीसदी, क्रोमाइट -35.2 फीसदी और फॉस्फोराइट -44.4 फीसदी शामिल हैं। जनवरी, 2024 माह के लिए खनन एवं उत्खनन क्षेत्र का खनिज उत्पादन सूचकांक 144.1 पर है, जो जनवरी, 2023 के स्तर की तुलना में 5.9 प्रतिशत अधिक है। भारतीय खान ब्यूरो के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-जनवरी, 2023-24 की अवधि के लिए संचयी वृद्धि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 8.3 प्रतिशत है।

महत्वपूर्ण खनिजों के लिए भारत की अफ्रीकी देशों पर नजर : Mines Secretary

नई दिल्ली। केंद्रीय खान सचिव वी एल कांता राव ने शुक्रवार को कहा कि कोबाल्ट और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों के लिए भारत की अफ्रीका पर नजरें टिकी हुई हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश लिथियम ब्लॉक के लिए अभी भी ऑस्ट्रेलिया के साथ बातचीत कर रहा है। राव ने यहां एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा, हम लिथियम और कोबाल्ट सहित महत्वपूर्ण खनिजों के लिए अफ्रीका के जाम्बिया, नामीबिया, कांगो, घाना और मोजाम्बिक देशों में संभावनाएं तलाश रहे हैं।

प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और अन्य उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की काफी अहम

उपयोगिता है। राव ने कहा कि अपतटीय खनिज ब्लॉकों की नीलामी से जुड़े नियमों को तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 10 अपतटीय ब्लॉकों को बिक्री के लिए रखा जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि अपतटीय ब्लॉकों की नीलामी आम चुनाव के बाद होगी। खान सचिव ने कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी के पहले दौर का नतीजा 10 दिनों में आ जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर में लिथियम ब्लॉक की नीलामी अब तीसरी किस्त में की जाएगी क्योंकि इसके लिए केवल दो बोलियां ही आई थीं। इसे पहले दौर में बिक्री के लिए रखा गया था। सरकार ने इस महीने महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों की नीलामी का तीसरा चरण शुरू किया है। इस दौर में कुल सात महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी की जा रही है।

सरकारी बैंकों का एनपीए छह माह में 3.5 फीसदी तक रहने की उम्मीद, फिक्की-आईबीए ने जारी की रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश के सरकारी बैंकों के बुरे फंसे कर्ज यानी एनपीए में पिछले छह माह में गिरावट आई है। अगले छह माह में इनके और घटकर 3 से 3.5 फीसदी तक आने की उम्मीद है। फिक्की और इंडियन बैंक एसोसिएशन की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस अवधि में निजी क्षेत्र के 67 फीसदी बैंकों के भी एनपीए में गिरावट आई है।

सर्वेक्षण में शामिल 77 प्रतिशत बैंकों के एनपीए में पिछले छह माह में गिरावट आई है। निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में सरकारी बैंकों की संपत्ति गुणवत्ता में अधिक सुधार हुआ है। जुलाई से दिसंबर, 2023 के बीच यह सर्वे किया गया था। इसमें निजी, सरकारी और विदेशी बैंकों सहित कुल 23 बैंकों ने भाग लिया। इन सभी की बाजार हिस्सेदारी 77 फीसदी है। सभी सरकारी बैंकों के एनपीए में कमी आई है। किसी भी सरकारी और विदेशी बैंक के एनपीए में छह माह में वृद्धि नहीं हुई है। 22 प्रतिशत निजी बैंकों का एनपीए बढ़ा है।

खाद्य प्रसंस्करण और कपड़ा क्षेत्र में ज्यादा एनपीए

खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्र में ज्यादा एनपीए हैं। अगले छह महीनों में 41 प्रतिशत बैंकों को गैर-खाद्य उद्योग कर्ज वृद्धि 12 प्रतिशत से ऊपर रहने की उम्मीद है। 18 प्रतिशत को लगता है कि गैर-खाद्य उद्योग कर्ज वृद्धि 12 प्रतिशत से अधिक होगी।

Gensol Engineering को महाराष्ट्र में 520 करोड़ रुपये की सौर परियोजना मिली

नई दिल्ली। जेनसोल इंजीनियरिंग को महाराष्ट्र में सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के लिए 520 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। जेनसोल ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह ऑर्डर राज्य की एक अग्रणी बिजली उत्पादन इकाई से प्राप्त किया गया है। इसमें कहा गया, इस परियोजना में महाराष्ट्र में 500 एकड़ में 100 मेगावाट एसी/135 मेगावाटपी ग्राउंड-माउंट सौर पीवी बिजली परियोजना का विकास शामिल है, जिसका कुल ऑर्डर मूल्य 520 करोड़ रुपये है। जेनसोल ने कहा कि इसके तहत सिविल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कार्य, जरूरी मंजूरियां हासिल करना, संयंत्र की स्थापना और शुरुआत, और संयंत्र के स्विचयार्ड और ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे के रखरखाव सहित तीन साल का परिचालन प्रबंधन शामिल है। कंपनी ने कहा कि उसका लक्ष्य 450 दिनों के भीतर ऑर्डर पूरा करने का है।

'अगले पांच सालों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत', जी 20 के शेरपा ने किया दावा

नई दिल्ली। भारत अगले पांच सालों में अर्थव्यवस्था के मामले में जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ देगा। ये बातें जी 20 के शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने बताई हैं। दरअसल भातीय उद्योग संघ द्वारा एक सम्मेलन का आयोजन कराया गया था। इस सम्मेलन में अमिताभ कांत ने कहा कि अगले पांच सालों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ तीसरा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछली तीन तिमाहियों में भारत बड़ी ताकत के रूप में उभरा है और 8.3 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ रहा है। अमिताभ कांत ने कहा है कि अगले दशक में भारत दुनिया के आर्थिक विस्तार में लगभग 20 प्रतिशत का योगदान देगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि भारत 2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा। इसमें दक्षिण भारत का विकास सबसे अहम योगदान निभाएगा। अमिताभ कांत ने इस बात पर जोर दिया कि स्मार्ट शहरीकरण, और कृषि के क्षेत्र में भारत को विनिर्माण के दम पर आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि एमएसएमई और एसएमई को आगे बढ़ाने के लिए भारत में बड़ी संख्या में बड़ी कंपनियों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके अलावा भारत को अपने विकास के खर्च को 0.7 प्रतिशत से बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 2.5-3 प्रतिशत करना चाहिए। अमिताभ कांत ने कहा कि भारत में विकास की गति को तेज करने के लिए हम वस्तु और सेवा कर लेकर आए, जिससे हमें अच्छा फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया भी भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। इस अभियान को शुरु करते समय भारत के पास केवल 150 स्टार्टअप थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 1,25,000 हो चुकी है।

भारत की सबसे पुरानी मिठाई है Malpua, ऐसे हुई इसे होली पर खाने की शुरुआत

हर कोई बेसब्री से होली का इंतजार कर रहा है। रंगों का यह त्योहार हर साल फाल्गुन माह की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस साल 25 मार्च को होली खेली जाएगी। होली के मौके पर ढेर सारे पकवान खाए जाते हैं। गुजिया और मालपुए के अलावा इस त्योहार में मालपुआ खाने का भी चलन है। आइए जानते हैं क्यों होली पर खाया जाता है मालपुआ।

होली (क्षद्यद्व 2024) एक ऐसा त्योहार है, जिसका इंतजार सभी को बेसब्री से रहता है। यह हिंदू धर्म के सबसे अहम और बड़े त्योहारों में से एक है, जिसे देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। रंगों का यह त्योहार अपने खानपान की वजह से भी काफी मशहूर है। होली का नाम आते ही लोगों के मन में सबसे पहले गुजिया और ठंडाई का ख्याल आता है। यह दोनों होली में बनाए जाने वाले अहम पकवानों में से एक है।

हालांकि, इन दोनों पकवानों के अलावा होली में एक और व्यंजन का स्वाद चखने को मिलता है। मालपुआ एक और ऐसा व्यंजन है, जिसे होली के बनाने का अपना अलग महत्व है। इसका नाम सुनते ही अक्सर लोगों के मुंह में पानी आ जाता है। यह काफी हद तक पैपकेक की तरह होता है, जिसकी वजह से इसे पैनकेक का इंडियन वर्जन कहा जाता है। अगर आपको भी इसका स्वाद पसंद है, तो आज हम आपको बताएंगे इसका इतिहास और होली के साथ इसका कनेक्शन-

सबसे पुरानी भारतीय मिठाई

बात करें इसके इतिहास की, तो मालपुआ भारत की सबसे पुरानी मिठाई मानी जाती है। इसके जिक्र करीब 3000 साल पुराने वैदिक युग में मिलता है। 1500 ईसा पूर्व के वैदिक साहित्य (ऋग्वेद) में इसका लगातार उल्लेख मिलता है। उस समय, इसे अपुपा के नाम से जाना जाता था, जिसे जौ के आटे से बनाया जाता था।इसे बनाने के लिए सबसे पहले इसे पानी में उबाला जाता था, फिर देसी घी में डीप फ्राई किया जाता था और आखिर में शहद में डुबोया जाता था। उस समय इस व्यंजन को केवल %प्रबुद्ध% आत्माओं को ही दिया जाता था।

राजपूत और मालपुआ का कनेक्शन

यह बात तो हर कोई जानता है कि हम भारतीयों को मीठा खाना बहुत पसंद है। राजपूत भी इससे अछूते नहीं थे। ऐसे में उन्होंने मीठा खाने के अपने इस शौक के चलते मालपुए के साथ प्रयोग करना शुरू कर दिया। इसके लिए उन्होंने जौ की जगह पर गेहूं और शहद की बजाय गन्ने के रस का इस्तेमाल किया, लेकिन इसके स्वाद में कोई बदलाव महसूस नहीं हुआ। ऐसे में उन्होंने मालपुए में गुड़, इलायची, काली मिर्च, अदरक मिलाकर इसे छोटे फ्लैट केक का आकार दिया।साथ ही उन्होंने चीनी के दानों और घी से भरी एक टॉपिंग का भी इस्तेमाल किया। अपने इस प्रयोग के साथ ही राजपूतों ने स्टफ्ड मालपुआ या प्यूपालिक का आविष्कार किया और राजपूतों द्वारा खोजा गया मालपुए का यह स्वरूप होली का एक विशेष पकवान बन गया।

मालपुआ में बंगाली ट्विस्ट

राजपूतों की तरह बंगाली भी अपने प्रयोगों के लिए जाने जाते हैं। अपनी इसी खासियत के चलते उन्होंने आटे में दूध मिलाया और फिर इस मिश्रण को डीप फ्राई किया। वास्तव में, वह बंगाली लोग ही थे, जिन्होंने इस व्यंजन में चाशनी का इस्तेमाल किया। वहीं, सिर्फ होली के दौरान इसे खाने के बजाय, बंगालियों ने इसे सर्दियों के दौरान ही खाना शुरू कर दिया था। दिलचस्प बात यह है कि मालपुआ नाम की उत्पत्ति बंगाल से हुई है और अब इसे राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल गई है।

ओडिशा में मालपुआ बना अमालु

ओडिशा के पुरी स्थित विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में हर सुबह तरह-तरह के मालपुए परोसे जाते हैं। यहां पर इसे अमालू कहा जाता है और इसे देवता के लिए दिन का पहला पवित्र प्रसाद माना जाता है।

दो परिवारों की कहानी

कभी एल्विश यादव जैसे त्वरित और क्षणिक सफलता प्राप्त करने वाले लोग युवाओं को लुभा रहे हैं या फिर कभी उन्हें कांवड़ यात्रा या अन्य शोभा यात्राओं में उलझाया जा रहा है। उनकी शिक्षा के बेहतर इंतजाम और नौकरी या व्यवसायों के लिए संसाधन और सुविधाएं जुटाने की जगह उन्हें रील्स और मीम्स का दर्शक बनाकर छोड़ दिया गया है, वहीं सत्ता और संपत्ति से संपन्न लोगों के बच्चे बाहर पढ़ रहे हैं, ऊंची नौकरियां कर रहे हैं।

यूट्यूबर और बिग बॉस का विजेता एल्विश यादव अब जेल की सलाखों के पीछे है। नोएडा की एक रेव पार्टी में सांपों का जहर उपलब्ध कराने के लिए एल्विश को गिरफ्तार किया गया है। रेव पार्टियों यानी गुपचुप तरीके से आयोजित ऐसा जश्न, जिसमें मौज-मस्ती के नाम पर मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री और सेवन से लेकर तमाम अनैतिक और अवैध काम किए जाते हैं। साधारण लोग फिल्मों या धारावाहिकों में इस तरह की पार्टियों के दृश्य देखते हैं, लेकिन रेव पार्टियां भारतीय समाज का एक कड़वा सच बन चुकी हैं। कई शहरों के आलीशान रिहायशी इलाकों, फार्म हाउसों में अतिसंपन्न घरों के लोग ऐसी पार्टियां आयोजित करते हैं, इनमें बड़ी भागीदारी युवाओं की होती है। सोशल मीडिया के जरिए गुपचुप तरीके से उन्हें बुलाया जाता है, क्योंकि ऐसी पार्टियां अवैध होती हैं। कुछ घंटों की पार्टी के लिए लाखों रूपए खर्च कर दिए जाते हैं। रेव पार्टी के इस विस्तार में जाने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि कुछ वक्त पहले तक राजनेताओं से लेकर कई पत्रकार जिस एल्विश यादव को युवाओं के आदर्श के तौर पर पेश कर रहे थे, वो ऐसी ही एक रेव पार्टी का हिस्सा बनने के लिए अब कानून के शिकंजे में है।

पिछले साल अगस्त में एल्विश यादव बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में वाइल्ड कार्ड से एंट्री लेकर पहुंचा था। बिग बॉस जैसे शो इसीलिए सुर्खियों में रहते हैं, क्योंकि यहां खास तौर पर ऐसी हस्तियों को शामिल किया जाता है, जो किसी न किसी किस्म के विवाद में जुड़े रहते हैं या फिर विवाद पैदा करने की क्षमता रखते हैं। एल्विश यादव ने बिग बॉस में शामिल होने से पहले बतौर यूट्यूबर सफलता हासिल कर ली थी। यहां सफलता से तात्पर्य है कि यूट्यूब पर एल्विश को लाखों लोग देखते रहे हैं। इसलिए बिग बॉस ने अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए एल्विश को प्रतिभागी बनाया। यहां एल्विश का सिस्टम बोलने का तरीका युवाओं के बीच खासा लोकप्रिय हो गया। सोशल मीडिया पर उसकी खूब चर्चा रही। इंस्टाग्राम पर मीम्स और रील्स सिस्टम को लेकर बनने लगे। सोशल मीडिया में ऐसे ही लोग इंफ्लूएंसर कहलाते हैं, मतलब जो समाज को इंफ्लूएंस अर्थात प्रभावित कर सकें। सोशल मीडिया से पहले के दौर में खिलाड़ी, कलाकार, पत्रकार, नेता, उद्यमी ऐसे लोग समाज को प्रभावित करते थे, जो अपने संघर्षों से आगे बढ़े और समाज में अपना मुकाम बनाया। अब सोशल मीडिया पर जिसकी जितनी पहुंच है वो उतना बड़ा इंफ्लूएंसर हो जाता है। विडंबना यह है कि यह इंफ्लूएंस केवल सोशल मीडिया पर नहीं रहता, बल्कि इसे समाज में स्वीकृति दिलाने का काम अब राजनेता और पत्रकार करने लगे हैं। कम से कम एल्विश यादव के प्रकरण से ऐसा ही लगता है।बिग बॉस में रहने के दौरान ही मीडिया ने एल्विश यादव की तारीफ के कशीदे काढ़ने शुरु कर दिए थे कि कैसे उसने साधारण परिवार से उठकर आलीशान जीवन तक का सफर तय किया। एल्विश के करोड़ों के घर और गाड़ियों की चर्चा होने लगी। इसी तरह बिग बॉस जीतने के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गणपति महोत्सव में एल्विश यादव को आमंत्रित किया। हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने तो एक कार्यक्रम में यहां तक कह दिया था कि एल्विश यादव आगे बढ़ेगा तो देश आगे बढ़ेगा। लेकिन अब एल्विश यादव पर कानूनी शिकंजा कसा हुआ है तो श्री खट्टर सफाई दे रहे हैं कि मेरा उससे पुराना परिचय नहीं था, मुझे लगा वो नशामुक्ति अभियान में जुड़ रहा है, तो मैंने उसकी तारीफ कर दी थी।अब सवाल ये है कि अगर श्री खट्टर एल्विश को पहले से जानते नहीं थे, तो फिर उन्होंने उसके आगे बढ़ने पर देश के आगे बढ़ने का दावा क्यों किया। क्या श्री खट्टर इस बात से वाकिफ नहीं थे कि जिस पद पर वे बैठे थे, वहां से उनकी कही बात को देश के लोग गंभीरता से लेते हैं या एल्विश यादव की लोकप्रियता को अपने सियासी फायदे के लिए मनोहर लाल खट्टर और एकनाथ शिंदे जैसे लोग भुनाना चाह रहे थे। मीडिया ने भी एल्विश के जिस आलीशान जीवन का खाका खींचा था, उसकी सारी पोल एल्विश के पिता ने ही खोल दी है। एक न्यूज़ चैनल में चर्चा में उन्होंने बताया कि एल्विश के पास जो कार है, वो किश्तों में है, सोशल मीडिया पर प्रभाव बनाए रखने के लिए वो कभी दोस्तों की या किराए की कार अपनी बनाकर दिखाता है। एल्विश एक किराए के घर में अपना स्टूडियो चलाता है और उसके पिता अपनी जमा-पूंजी से अपना घर बना रहे हैं।एल्विश के जेल जाने के बाद से उसके माता-पिता का कुछ चैनलों ने इंटरव्यू लिया है, जिसमें वे पर्दे के पीछे की सच्चाई बता रहे हैं। एक चैनल में चर्चा के दौरान तो वे अपने बेटे के जेल जाने का जिक्र करते हुए रो भी पड़े। उन्हें लगता है कि उनके बेटे को फंसाया जा रहा है। अब इस मामले की सच्चाई पूरी पड़ताल के बाद ही सामने आएगी, लेकिन इससे पहले आर्यन खान, अर्जुन बिजलानी, स्वरा भास्कर आदि पर विवादास्पद टिप्पणियां एल्विश ने की हैं। एक जिम में मारपीट करने का वीडियो भी पिछले दिनों सामने आया था। इन तमाम घटनाओं को देखें तो एक बात साफ समझ आती है कि एल्विश यादव ने भले ही यू ट्यूब पर हल्के किस्म के वीडियो बनाकर सस्ती लोकप्रियता हासिल कर ली हो, लेकिन ऐसे व्यक्ति को युवाओं का आदर्श न बताया जा सकता है, न बताना चाहिए। आज एल्विश के मां-बाप एक चैनल से दूसरे चैनल अपने बेटे की सफाई देते फिर रहे हैं, रो रहे हैं।

ये एक बहुत बड़ा सबक उन तमाम अभिभावकों के लिए है, जिनके बच्चों को नौकरी या रोजगार की सहूलियतें न देकर सरकारी नीतियों ने ऐसी ही सफलता और लोकप्रियता की मृगमरीचिका में भटकने के लिए छोड़ दिया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया के इसी नशे की ओर इशारा किया था और उन्होंने कहा था कि आज के युवा सात-आठ घंटे सोशल मीडिया पर बिता रहे हैं, जबकि चंद प्रभावशाली लोगों के बच्चे इसी दौरान अपनी पूंजी में इजाफा कर रहे हैं। राहुल गांधी के इस बयान में देश के भविष्य को लेकर एक वाजिब चिंता थी, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने शाब्दिक जाल में फंसाने की कोशिश की। वाराणसी में श्री मोदी ने राहुल गांधी के बयान को गलत तरीके से पेश किया था कि वे वाराणसी के युवाओं को नशे का आदी बता रहे हैं, ये उनका अपमान है। जबकि सच क्या है, इसे नरेन्द्र मोदी भी समझते हैं, लेकिन सियासी फायदा उन्हें इस सच को स्वीकार करने से शायद रोकता है।

कार्ल मार्क्स ने जब धर्म को अफीम की तरह कहा था, तब उन पर धर्मविरोधी होने के आरोप लगे थे, हालांकि उनका आशय था कि धर्म कुछ देर के लिए आपको दर्द में वैसी ही राहत दे सकता है, जैसे अफीम, लेकिन ये दर्द का स्थायी इलाज नहीं है। यही बात आज सोशल मीडिया के नशे के संबंध में कही जा सकती है, जो युवाओं को कुछ देर के लिए आभासी दुनिया में उलझा सकता है, लेकिन इससे उनके वास्तविक जीवन के मसले हल नहीं हो सकते।

देश इस समय एल्विश यादव के मां-बाप को रोते और परेशान होते देख रहा है। कुछ दिनों पहले एक और युवा अनंत अंबानी के मां-बाप मुकेश और नीता अंबानी को फिल्मी गीतों पर औसत से भी निम्न दर्जे की प्रस्तुति करते हुए देश ने देखा था। अपने बेटे की शादी में की जाने वाली ऐसी प्रस्तुति परिवार के बीच पेश न कर पूरी दुनिया में प्रचारित करने की मंशा क्या है, यह समझना कठिन नहीं है। मीडिया और सोशल मीडिया पर प्रभाव रखने वाले ये लोग दरअसल महंगाई, बेरोजगारी, नफरत और हिंसा के कारणों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए ऐसे प्रपंच रचते हैं और देश उनमें फंसता है।कभी एल्विश यादव जैसे त्वरित और क्षणिक सफलता प्राप्त करने वाले लोग युवाओं को लुभा रहे हैं या फिर कभी उन्हें कांवड़ यात्रा या अन्य शोभा यात्राओं में उलझाया जा रहा है। उनकी शिक्षा के बेहतर इंतजाम और नौकरी या व्यवसायों के लिए संसाधन और सुविधाएं जुटाने की जगह उन्हें रील्स और मीम्स का दर्शक बनाकर छोड़ दिया गया है, वहीं सत्ता और संपत्ति से संपन्न लोगों के बच्चे बाहर पढ़ रहे हैं, ऊंची नौकरियां कर रहे हैं। लेकिन यादव परिवार और अंबानी परिवार इन दो परिवारों की कहानी और उनके सच को देखकर समझा जा सकता है कि देश के युवाओं के साथ कितना बड़ा छल किया जा रहा है।

संपादकीय

संकीर्णता का कड़वापन

भोजन की घर पहुंच सेवा यानी ऑनलाइन फूड डिलीवर करने वाली कंपनी जोमैटो के हाल में लिए फैसले से देश में शाकाहार और मांसाहार को लेकर नयी बहस छिड़ गई है। दरअसल मंगलवार को ज़ोमैटो के सह-संस्थापक और सीईओ दीपेन्द्र गोयल ने ऐलान किया कि 100 फ़ीसदी शाकाहारी खाना पसंद करने वाले अपने ग्राहकों के लिए जोमैटो शुद्ध शाकाहारी' डिलिवरी की सुविधा लॉन्च कर रही है। इसे उन्होंने शुद्ध शाकाहारी मोड' बताते हुए कहा था कि इसमें वेजिटेरियन खाना ऑर्डर करने वालों को ऐप पर केवल शुद्ध शाकाहारी रेस्त्रां दिखेंगे और उन्हें नॉन-वेज खाना देने वाले रेस्त्रां नहीं दिखेंगे।

दीपेन्द्र गोयल ने कहा था कि हमारे शुद्ध शाकाहारी राइडरों की टोली शुद्ध शाकाहारी रेस्त्रां से खाना लेकर ग्राहकों तक पहुंचाएगी। इसके लिए हरे रंग के डिब्बे होंगे। शुद्ध वेजिटेरियन खाना और नॉन-वेजिटेरियन खाना कभी एक ही बक्से में नहीं पहुंचाया जाएगा। इतना ही नहीं खाना पहुंचाने वाले कर्मी यानी जोमैटो के डिलिवरी पार्टनर को हरे रंग की पोशाक देने का फैसला भी लिया गया था, लेकिन सोशल मीडिया पर शुरु हुए विरोध को देखते हुए यह फैसला रद्द कर दिया गया। दीपेन्द्र गोयल ने कहा कि वेजिटेरियन खाने की डिलिवरी करने वाले अपने राइडरों की टोली को हम बरक़रार रखेंगे लेकिन उन्हें दूसरों से अलग करने वाले हरे रंग की ड्रेस का इस्तेमाल नहीं करेंगे। हमारे नियमित राइडर और शाकाहारी डिलिवरी वाले राइडर लाल रंग के ही कपड़े पहनेंगे।जोमैटो अपने कर्मियों को किस रंग की पोशाक देता है या अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए कौन से फैसला लेता है, यह उसके अधिकार क्षेत्र का मामला है। लेकिन जब इन फैसलों से भारत की गंगा-जमुनी तहजीब पर सवाल उठने लगते हैं, तो फिर ऐसे मुद्दों पर व्यापक विमर्श की दरकार होती है। जोमैटो ने आम बोलचाल में प्रचलित शुद्ध शाकाहारी शब्द का ही इस्तेमाल अपनी नयी पहल में किया है। लेकिन इस पर कंपनी को ध्यान देना चाहिए था कि शुद्धता पर केवल शाकाहार का ही अधिकार नहीं है। बल्कि इंसानियत की गरिमा इसी में है कि हर किस्म का भोजन शुद्ध रहे और अशुद्धता किसी के हिस्से में नहीं आए। इसी तरह शाकाहार और मांसाहार की सूचना देने के लिए भोजन के पैकेट पर लाल और हरे बिंदु का होना तो ठीक है, लेकिन यह पृथक्करण कर्मियों की पोशाकों में कतई नहीं होना चाहिए। क्योंकि इससे उन कर्मियों के साथ भेदभाव बढ़ने की गुंजाइश रहेगी। जोमैटो ने पोशाक न बदलने का फैसला लेकर ठीक ही किया है।गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में देश में भोजन ने जोड़ने की जगह धार्मिक विभेद को बढ़ाने का काम किया है। घर के फ्रिज में गौ मांस रखे होने के संदेह में अखलाक नामक शख्स की भीड़ ने जिस तरह पीट-पीट कर हत्या कर दी थी, वह समाज में बढ़ते भेदभाव की बड़ी चेतावनी थी। लेकिन उस घटना से कोई सबक नहीं लिया गया और धीरे-धीरे मांसाहार और शाकाहार को लेकर झगड़े बढ़ते गए। कभी हिंदुओं के त्योहारों के वक्त मांस की बिक्री रोकी गई, कभी मंदिरों के आसपास मांस की दुकानें हटाई गईं और कभी सड़क पर मांसाहार बेचने वाले ठेलों को निशाने पर लिया गया। भोजन में धर्मांधता तब भी नजर आई, जब भोजन पहुंचाने वाला विजातीय निकला तो उसकी शिकायत की गई। जोमैटो के साथ भी ऐसा प्रकरण हो चुका है। कुछ वक्त पहले ज़ोमैटो से किसी ने ख़ास धर्म के ही डिलिवरी पार्टनर को भेजने का अनुरोध किया था तब दीपेन्द्र गोयल ने कहा था कि भोजन का मज़हब नहीं होता है। लेकिन अब वही जोमैटो शुद्ध शाकाहारी भोजन पहुंचाने की अलग से व्यवस्था कर रहा है।देश में जिस तरह हिंदुओं को जगाने का आह्वान लगातार किया जा रहा है और शाकाहार को भोजन की शुद्धता का नया पैमाना बना दिया गया है, उसमें जोमैटो कीइस पहल का स्वागत होना स्वाभाविक है। हालांकि लोगों को यह भी याद रखना चाहिए कि भारत में विशुद्ध शाकाहारी भोजन जैसी कोई परंपरा, संस्कृति या इतिहास नहीं रहा है। बल्कि मांसाहार का चलन हिंदू धर्म में भी खासा प्रचलित है। सवर्ण तबकों से लेकर निचली कही जाने वाली जातियों तक मांसाहार की परंपरा कायम है। मिथिलांचल, कश्मीर, बंगाल, ओडिशा, झारखंड, उत्तराखंड, असम, महाराष्ट्र, गोवा से लेकर समुद्र तटीय इलाकों के लगभग सारे ब्राह्मण मांसाहारी हैं।

भाजपा की वित्तीय शक्ति का एक छोटा सा हिस्सा है चुनावी बांड दान

केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी को लेकर भारतीय कॉरपोरेट जगत में इतना डर है कि औद्योगिक घरानों के युवा वंशज जो दूरदर्शी हैं और भाजपा को पसंद नहीं करते, वे भी चुप रहते हैं क्योंकि वे सिर्फ कुछ उदार व्यक्तिगत सोच की खातिर अपनी कंपनियों के भविष्य को जोखिम में डालने के लिए तैयार नहीं हैं। कुल मिलाकर नतीजा यह है कि चुनावों में बराबरी का कोई मौका नहीं है।चुनावी बांड योजना 2017 के तहत दानदाताओं और सत्ताधारी दल के बीच लेन-देन भावना को देखते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले सर्वोच्च न्यायालय का देर से ही सही जागना स्वागत योग्य है। सीजेआई 21 मार्च तक भारतीय स्टेट बैंक से सभी विवरण प्राप्त करने के लिए दृढ़ हैं क्योंकि एसबीआई बांड के कोड नंबरों की निहित महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत करने में देरी कर रहा है। एक बार जब यह बिना किसी विवरण को छिपाये एसबीआई द्वारा प्रस्तुत किया जाता है, तो बांड खरीदार और राजनीतिक दल के लाभार्थी की पहचान हो जायेगी।अब तक उपलब्ध बांड विवरण से पता चलता है कि 12 अप्रैल, 2019 से 15 फरवरी, 2024 (जिस दिन सुप्रीम कोर्ट ने इस योजना को असंवैधानिक घोषित किया था) के बीच कुल 16492 करोड़ रुपये के बांडों की खरीदारी की गयी थी जिनमें से भाजपा को 8250 करोड़ रुपये मिले - यानी कुल राशि का अधिकांश। इसके अलावा, 2018 की शुरुआत से 12 अप्रैल, 2019 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश जारी होने तक लगभग 4,000 करोड़ रुपये के बांड खरीदे गये। निस्संदेह उसकी भी अधिकांश राशि भाजपा को मिली होगी।

18वीं लोकसभा के लिए चुनाव सात चरणों में घोषित किए गये हैं, जो 19 अप्रैल से शुरू होकर इस साल 1 जून को समाप्त होंगे। परिणाम 4 जून को घोषित किये जायेंगे। भाजपा 2024 के चुनावों के लिए भारी राशि खर्च करेगी। चुनावी बांड योजना से एकत्र की गई राशि इसका केवल एक छोटा सा हिस्सा है, शायद उसके राजनीतिक युद्ध कोष का 10 प्रतिशत भी नहीं। इसके अन्य स्रोतों में मुख्य रूप से वह धन शामिल है जो विदेशों से भाजपा वॉरचेस्ट को आता है, मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और एंटवर्प में हीरा बाजार से, जहां गुजराती भारतीयों का वर्चस्व है। अधिकांश दलालों के भाजपा से घनिष्ठ संबंध हैं और वे बहुत अमीर हैं। इसके अलावा, पारंपरिक व्यापारी और व्यापारिक घराने भी हैं जो दशकों से भाजपा के प्रति मित्रवत रहे हैं।

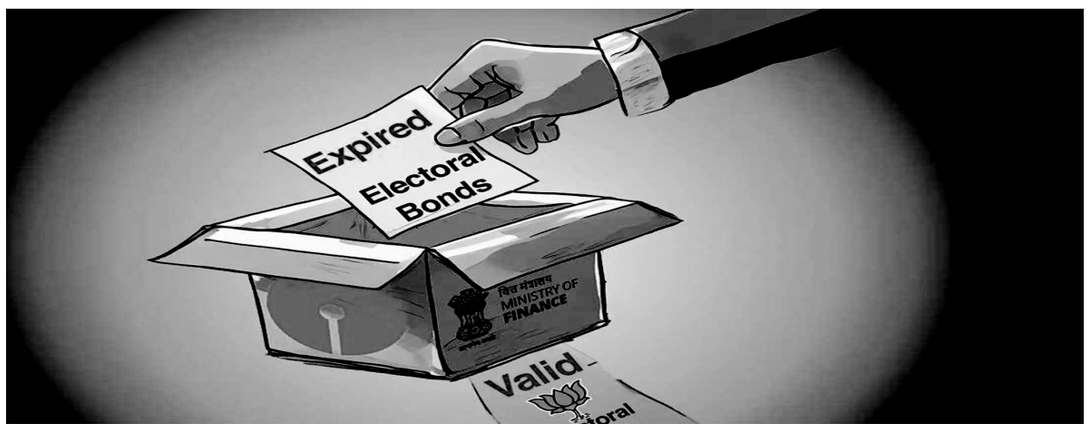

जमीनी हकीकत यह है कि भाजपा और संघ परिवार के संगठन विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) का भारतीय प्रवासियों में बहुत बड़ा समर्थन आधार है। भाजपा जो खुद को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करती है और उसकी सदस्यता 10 करोड़ से अधिक है, उसे अलग-अलग रास्तों से इन फंडों की सुविधा हमेशा मिल सकती है। चूंकि केंद्र में भाजपा का शासन है, इसलिए किसी कानूनी उल्लंघन होने पर भी केन्द्रीय जांच एजेंसियों से पार्टी को कोई खतरा नहीं है। विदेशों से धन की इस दौड़ में कांग्रेस कहीं भी भाजपा के सामने टिकती नहीं है।

पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान, भाजपा नेतृत्व ने तत्कालीन सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति के कुछ विधायकों को रुपये की पेशकश की थी। भाजपा को क्रॉसओवर करने के लिए प्रत्येक को 100 करोड़ रुपये का लालच देने की रपटें प्रकाशित हुई थीं। इससे राज्य की राजधानी हैदराबाद में हंगामा मच गया और हमेशा की तरह भाजपा नेताओं ने इसका खंडन किया। लेकिन, भाजपा का इस तरह का कदम कोई नयी बात नहीं थी। वास्तव में, जब से 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में आई है, तब से भाजपा की चुनावी किटी को मजबूत करने के लिए देश के शीर्ष उद्योगपतियों से धन मांगने की एक जानबूझ कर नीति का पालन किया गया है और इस प्रक्रिया में, शीर्ष उद्योग के लोगों को रियायतें मिलीं और ठेके दिये गये। साझेदारी में भारत में सामूहिक पूंजीवाद का निर्माण करना दोनों के लिए लाभप्रद स्थिति रही है।

2019 के लोकसभा चुनावों के बाद से पिछले पांच वर्षों में, भाजपा ने कर्नाटक तथा मध्य प्रदेश में राज्य सरकारों को अस्थिर करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किये हैं और गोवा और मणिपुर में राज्य सरकारें बनाने के लिए विधायक खरीदे हैं। नवीनतम महाराष्ट्र में था जहां यह स्पष्ट था दिन के उजाले की तरह कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना से एकनाथ शिंदे समूह के दलबदल को सुनिश्चित करने के लिए 200 करोड़ रुपये जुटाये गये थे, जैसा कि कुछ स्रोतों का आकलन है। आखरि़कार महाराष्ट्र में शिंदे-भाजपा की सरकार बनी।

केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी को लेकर भारतीय कॉरपोरेट जगत में इतना डर है कि औद्योगिक घरानों के युवा वंशज जो दूरदर्शी हैं और भाजपा को पसंद नहीं करते, वे भी चुप रहते हैं क्योंकि वे सिर्फ कुछ उदार व्यक्तिगत सोच की खातिर अपनी कंपनियों के भविष्य को जोखिम में डालने के लिए तैयार नहीं हैं। कुल मिलाकर नतीजा यह है कि चुनावों में बराबरी का कोई मौका नहीं है। भाजपा अपने विपक्षी प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में दस गुना से अधिक खर्च करने की स्थिति में है और पार्टी के पास जरूरत पड़ने पर बड़े पैमाने पर धन की पेशकश के माध्यम से दल-बदल कराने के लिए एक बड़ी राशि का खजाना है।

मोदी शासन के पिछले दस वर्षों में, भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र में धन का असामान्य संकेंद्रण हुआ है। एक हालिया अध्ययन से पता चलता है कि भारत की बीस सबसे अधिक लाभदायक कंपनियों ने 1990 में कुल कॉर्पोरेट मुनाफे का 14 प्रतिशत, 2010 में 30 प्रतिशत और 2019 में 70 प्रतिशत कमाया। इसका मतलब है कि केवल पांच वर्षों के दौरान कुछ व्यावसायिक घरानों में मुनाफे की एकाग्रता में भारी उछाल आया है। नरेंद्र मोदी शासन के पिछले पांच वर्षों में यह प्रक्रिया और भी तेज हुई। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ भाजपा और प्रमुख औद्योगिक घरानों के बीच सांठगांठ और गहरी हो गई है।

पिछले दस वर्षों में कॉर्पोरेट एकाग्रता के बारे में महत्वपूर्ण बात यह है कि मोदी की एक राष्ट्र एक बाजार अवधारणा ने क्षेत्रीय कंपनियों के मुकाबले बड़ी कंपनियों का पक्ष लिया है। मोदी सरकार की नीतियों ने बाजार में प्रतिस्पर्धा को कम करने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाया है और परिणामस्वरूप, दस साल के मोदी शासन के बाद, दूरसंचार, एयरलाइंस, स्टील, सीमेंट, एल्यूमीनियम जैसे प्रमुख क्षेत्रों में केवल दो से तीन बड़े खिलाड़ी हैं जो बाजार के 59 फीसदी से भी ज्यादा पर नियंत्रण रखते हैं।भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रकृति पर इस मोदी सरकार तथा मित्र पूंजीपतियों के मेलजोल का कुल परिणाम क्या है? जैसा कि डॉ. प्रणब बर्धन देखते हैं, घनिष्ठ कुलीन वर्ग मुख्य रूप से उच्च विनियमित क्षेत्रों में गैर-व्यापारिक वस्तुओं में काम करते हैं जहां सरकारी अनुग्रह प्राप्त करना विदेशी बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने की आवश्यकता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। भाजपा की नयी संरक्षणवादी व्यवस्था जिसे आत्मनिर्भरता के नाम से जाना जाता है, आयातित इनपुट को अधिक महंगा बना देती है और निर्यात को कम प्रतिस्पर्धी बना देती है। इसका परिणाम कम उत्पादकता, कुलीनतंत्रीय-निरंकुश अर्थव्यवस्था है। यह द इकोनॉमिस्ट में दिये गये आंकड़ों से स्पष्ट है, जो दर्शाता है कि 2016 से 2021 के बीच भारतीय अरबपतियों की सम्पत्ति 29 से बढ़कर 43 प्रतिशत हो गई है, और उनकी कमाई रेन्ट-थिक सेक्टर से आई अर्थात रॉयल्टी और निवेश से आने वाली आय से न कि विनिर्माण या रिटेल आदि क्षेत्रों में सीधी बिक्री से।मोदी शासन के दौरान आम जनता की वास्तविक आय में गिरावट के मुकाबले पूंजीपतियों की संपत्ति में तेजी से वृद्धि हुई है। विपक्षी दलों को भारतीय घनिष्ठ पूंजीपतियों और मोदी शासन के बीच इस पारस्परिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित करना होगा और उनके बीच संबंधों की जांच की मांग करनी होगी, जिससे समान स्तर के खेल के मैदान खत्म हो रहे हैं। ब्लूमबर्ग ने 2019 के लोकसभा चुनाव में राजनीतिक दलों का खर्च लगभग 8.6 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान लगाया है। 2024 का लोकसभा चुनाव सबसे महंगा होगा। यह आंकड़ा 11अरब अमेरिकी डॉलर से भी अधिक छू सकता है। इस बड़ी रकम का 70 फीसदी हिस्सा भाजपा खर्च कर रही होगी। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को इस बार अपने चुनाव अभियान के वित्तपोषण के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। समान अवसर कहां है? लोकतंत्र कहां है?

कैंडी ने दी पानी बचाने की सीख

कैंडी कौवी बहुत नटखट थी। वह अपनी दादी रीवा की लाडली थी। उसे दादी से कहानी सुनना बहुत पसंद था। एक दिन दादी उसे अपने पुरखों की कहानी सुनाते हुए बोलीं, 'बेटी, बहुत पहले की बात है। एक कौवा प्यासा होने पर पानी की तलाश में घूम रहा था। तभी उसे एक घड़ा नजर आया। उसने झांककर देखा, तो उसमें पानी था, लेकिन काफी कम था। यह देखकर उसने पानी में कुछ कंकड़-पत्थर डाले जिससे पानी ऊपर आ गया और उसने अपनी प्यास बुझाई।' कहानी सुनकर कैंडी बोली, 'दादी, इतने सारे पत्थर डालते-डालते तो वह कौवा बहुत थक गया होगा।' दादी बोलीं, 'बेटी, लेकिन उसने अपनी प्यास तो बुझा ली न! हमारे सामने कभी ऐसी समस्या आती है, तो हम भी इसी तरीके से अपनी प्यास तो बुझा सकते हैं।'

कैंडी बोली, 'दादी, आप तो अब भी पुराने जमाने की ही बातें करती हैं। हम आखिर कब तक पानी में कंकड़-पत्थर डाल कर अपनी प्यास बुझाते रहेंगे? अब समय आ गया है कि कोई नया तरीका सोचा जाए, जिसमें ज्यादा समय और मेहनत भी न लगे और हम पानी भी पी लें।' उसकी बातें सुनकर दादी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई। वह बोलीं, 'चलो, देखती हूं कि क्या तुम कभी ऐसा कोई नायाब तरीका सोच पाओगी? खैर, अभी तो हमें पानी की कोई परेशानी नहीं है। नंदनवन में चारों ओर हरियाली है। यहां के तालाब साफ-स्वच्छ पानी से हमेशा भरे रहते हैं।'

कैंडी बोली, 'दादी, नंदनवन में तो सब ठीक है, पर पता है, आजकल इनसानों की बस्ती में पानी की बहुत कमी हो गई है। हमारी साइंस की मैडम पिंटी कौवी हमें कल बता रही थीं कि गर्मी के मौसम में इंसानों को पीने का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। बहुत सारे इंसान तो पानी के लिए आपस में लड़ाई भी कर रहे हैं।' कैंडी की बातें सुनकर दादी परेशान हो गईं। वह बोलीं, 'हां कैंडी, मैंने कल टीवी में भी ऐसा ही कुछ देखा था। इंसानों की बस्ती में तो बहुत बुरा हाल होगा।'

दादी की बात सुनकर कैंडी उत्सुकता से बोली, 'दादी, नंदनवन से इंसानों की बस्ती कितनी दूर होगी?' दादी बोलीं, 'ज्यादा दूर नहीं है। पर तुम यह क्यों पूछ रही हो?' कैंडी बोली, 'मेरी प्यारी दादी, कल संडे है। कल तुम मुझे घुमाने के लिए इनसानों की बस्ती की ओर ले चलो न!' दादी बोलीं, 'कैंडी, तुम समझदार और होशियार हो। लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं है कि तुम कृष या डोरेमॉन की तरह लोगों की समस्याएं सुलझा सकती हो।'

दादी की बातें सुनकर कैंडी मुंह बनाते हुए बोली, 'दादी, प्लीज चलो न। अगर आप मेरे साथ चलोगी तो मम्मी-पापा भी कुछ नहीं कहेंगे। अकेले मुझे वो जाने नहीं देंगे।' दादी बोलीं, 'बेटी, मैं बूढ़ी हो गई हूं, अब इतनी दूर मुझसे नहीं उड़ा जाता।' कैंडी बोली, 'अरे दादी,ज़ब कैंडी है तो सुंदर एंडी है यानी कि हर चीज का सुंदर एंड होगा। अब आप मेरे साथ चल रही हो, बस।'

अगले दिन खाना खाने और पानी पीने के बाद दादी कैंडी के साथ इनसानों की बस्ती की ओर चल पड़ीं। दोनों उड़ते-उड़ते दिल्ली पहुंचीं। दादी बहुत थक गई थीं। वे जिस बस्ती में उतरीं, वहां पानी की बहुत किल्लत थी। बस्ती में सफाई न होने के कारण बदबू आ रही थी। यह देखकर कैंडी बोली, 'उफ दादी, यहां से जल्दी चलो। बदबू के कारण दम घुट रहा है।' वे दोनों वहां से उड़ते हुए एक स्वच्छ बस्ती की ओर गईं।

वहां उन्होंने देखा कि एक बच्चा सार्वजनिक नल पर हाथ धोने आया और नल खुला छोड़ गया। यह देखकर कैंडी तुरंत नल के पास गई और अपनी चोंच से उसे बंद करने लगी। यह देखकर वहां मौजूद लोगों ने कैंडी के नल बंद करते हुए सीन का वीडियो बना लिया। एक इंसान बोला, 'यार, हम लोग आए दिन पानी बरबाद करते हैं। हमसे बेहतर तो ये पक्षी हैं, जो पानी की कीमत समझते हैं।' यह सुनकर सब कैंडी को प्रशंसा की नजरों से देखने लगे।

नल बंद करके कैंडी दादी के पास पहुंची। दादी को कहीं से एक ब्रेड का पीस मिल गया था। दोनों ने उसे खाया। कैंडी बोली, 'दादी, यहां तो लोग सचमुच पानी की कीमत नहीं समझते। जिन्हें पानी आराम से मिल रहा है, वे उसे बरबाद कर रहे हैं।' दादी बोलीं, 'कैंडी, तुम सही कह रही हो। पता है, जब तुम नल बंद कर रही थीं, तो कई लोग तुम्हारी फोटो खींच रहे थे।' कैंडी बोली, 'हां दादी, मैंने देखा था। शायद उन्होंने मेरा वीडियो भी बनाया था।' दादी बोलीं, 'अब बोलो, अभी और कहीं चलना है?' कैंडी बोली, 'दादी, अब हम वापस अपने नंदनवन चलते हैं।' इसके बाद वे दोनों नंदनवन की ओर उड़ चलीं। गर्मी तेज थी, इसलिए कैंडी की दादी उड़ते-उड़ते थक गईं। वह बोलीं, 'बेटी, चलो कहीं चलकर पानी पिएं। मुझे बहुत प्यास लग रही है।' कैंडी दादी के लिए पानी ढूंढ़ने लगी। लेकिन वहां तो कहीं दूर-दूर तक पानी नजर नहीं आ रहा था। ऐसे में कैंडी ने दादी को एक ओर बैठाया और पानी तलाश करने लगी।

काफी ढूंढ़ने के बाद उसे एक घड़ा नजर आया। उसने घड़े में झांककर देखा तो उसे अपने पूर्वजों की याद आ गई। घड़े में पानी बहुत कम था। कैंडी ने पानी तक पहुंचने की बहुत कोशिश की, लेकिन असफल रही। तभी उसकी नजर कुछ दूरी पर पड़े एक प्लास्टिक के स्ट्रॉ पर पड़ी जिसे देखकर उसके दिमाग में एक आइडिया आया। उसने फटाफट वह स्ट्रॉ उठाया और घड़े के पास रख दिया। इसके बाद वह अपनी दादी को अपने साथ वहीं ले आई। फिर उसने उस स्ट्रॉ के एक सिरे को घड़े के अंदर डाला और दूसरे सिरे को अपने पंजों से पकड़ लिया। दादी ने उस पतले स्ट्रॉ से उसी तरह पानी पी लिया जैसे इंसानों के बच्चे स्ट्रॉ से कोल्ड ड्रिंक पीते हैं। फिर कैंडी ने भी इसी तरह पानी पिया। दोनों खुशी-खुशी घर की ओर लौट चलीं। दादी बोलीं, 'कैंडी, आखिर तूने नए जमाने के हिसाब से पानी पीने का नया जुगाड़ कर ही दिया।'

घर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि नंदनवन के सारे पशु-पक्षी कैंडी और दादी के स्वागत के लिए खड़े हैं। कैंडी ने हैरानी से अपनी मां से इसका कारण पूछा तो वह बोलीं, 'आज टीवी पर सुबह से बस एक ही न्यूज आ रही है कि कौवे ने इनसानों को पानी बचाने की सीख दी। उसमें दिखाए जा रहे वीडियो में तुम नल बंद करती हुई नजर आ रही हो।' यह सुनकर दादी कैंडी को गले लगाते हुए बोलीं, 'वाह कैंडी, तुम तो हमारे पुरखों से दस कदम आगे निकल गईं। तुमने इनसानों को पानी बचाने की सीख तो दी ही है, साथ ही घड़े से पानी पीने की नई तरकीब भी ढूंढ़ी है।' दादी की बातें सुनकर सभी ने कैंडी को कंधों पर उठा लिया और नंदनवन में जश्न की तैयारियां होने लगीं।

टी बैग पर कलाकारी

न्यूयॉर्क में रहने वाली चित्रकार रूबी सिल्वियस ने बेकार टी बैग का फिर से इस्तेमाल करने का एक निराला तरीका तब निकाला, जब उन्होंने इस्तेमाल की गई गीली टी बैग को चित्रकारी करने के लिए एक कैनवास के रूप में देखा। उन्हें दूसरे लोगों से कुछ हटकर करना था, जिससे उन्हें अलग पहचान मिले। इसलिए बेकार टी बैग्स को अलग तरीके से अपनी चित्रकारी में ढालने के लिए उन्होंने यह अनूठा तरीका निकाला।

2015 में हुई इस अनूठी कला की शुरुआत

बेकार टी बैग को दोबारा इस्तेमाल करने का कमाल का विचार उन्हे वर्ष 2015 में आया था। उसी साल रूबी ने मात्र दो दिन की छुट्टी ले कर बाकि 363 दिन बिना रूके इस चित्रकारी को पूरा किया। इस कला को रूबी ने '363 दिन टी बैग'का नाम दिया है। इस कला को आगे जाकर रूबी ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचाया, जिसे देख हर कोई हैरान रह गया।

दाग लगे टी बैग्स ही उनकी पहचान बने

जब रूबी की इस अनोखी कला के बारे में उनके परिजनों और दोस्तों ने जाना तो उन्होंने अपने इस्तेमाल हुए टी बैग को रूबी को देना शुरू किया। उन्होंने इन टी बैग्स के साथ कई प्रेरणात्मक संदेश भी लिख भेजे, ताकि रूबी अपने मुकाम को पा सकें। इन टी बैग्स का इस्तेमाल करते वक्त रूबी ने उन पर लगे दाग और फटे टुकड़ों को ही अपनी कला का बेस बना लिया, जिससे टी बैग्स पर की गई उनकी चित्रकारी को अलग पहचान मिली।

कई शहरों में लगी प्रदर्शनी

आज रूबी की इस कला को तीन साल हो गए हैं। उनकी इस अनोखी कलाकारी की कई अन्य शहरों में प्रदर्शनी भी लगी हैं। उनकी सबसे बड़ी प्रदर्शनी 26 दिन की थी, जो जापान में लगी थी, जिसका नाम '26 दिन टी बैग' रखा गया। यह प्रदर्शनी साल 2016 में लगाई गई थी। इसमें रूबी ने वॉटर कलर, दवात, गौचे और कटे हुए ऑर्गेमी पेपर का इस्तेमाल किया था।

इसके साथ ही रूबी ने अपना ज्यादा से ज्यादा समय दूसरे कलाकारों के बीच गुजारा, ताकि अपनी आर्ट के लिए उन्हें और भी अलग-अलग विचार मिल सकें। वहीं उन्होंने चित्रकारी करने के लिए किसी प्राकृतिक जगह का चुनाव भी किया। फ्रांस में भी '26 दिन टी बैग' प्रदर्शनी 2017 में लगाई गई थी, जिसे देखने दुनिया के कई अलग-अलग शहरों से लोग पहुंचे थे।

रूबी को नवाजे गए कई अवॉर्ड्स

रूबी अपनी कला में माहिर हैं। इसका अंदाजा तुम इसी बात से लगा सकते हो कि वह रोजमर्रा की चीजें, जैसे टी पॉट, शर्ट, छतरी, मग, पालतू जानवरों और गलियों व सड़कों को टी बैग पर कला के रूप में उतारती रहती हैं। उनकी इस कला के लिए उन्हें कई अवॉर्ड्स से भी नवाजा गया है।

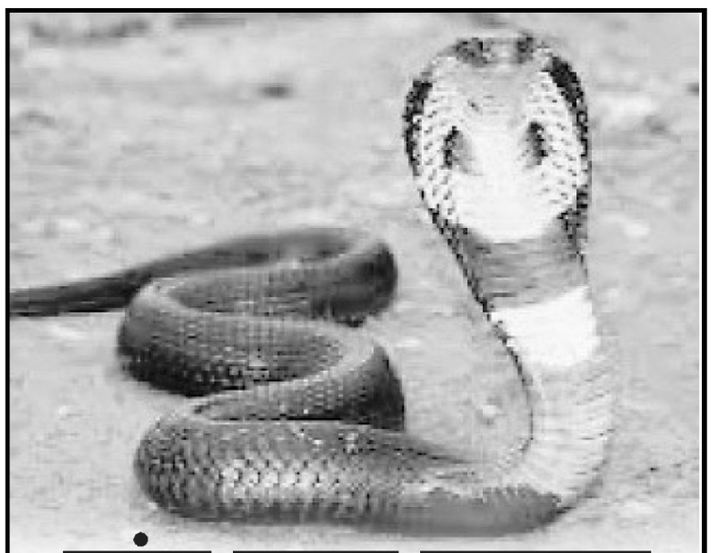

सांप उतार सकता है केंचुली

हर जीव की त्वचा मृत होकर अपने आप किसी-किसी स्थान से उतरती रहती है। मगर सांप अपनी त्वचा के खराब होने पर इसे साल में तीन से चार बार उतारता है, जिसे केंचुली उतारना कहते हैं। अजगर साल में एक बार ही केंचुली बदलता है। केंचुली उतारने के बाद सांप की त्वचा की सफाई हो जाती है। किसी प्रकार का संक्रमण हो, तो वह भी ठीक हो जाता है। नई त्वचा काफी चिकनी और चमकदार आती है। केंचुली बदल जाने के बाद सांप काफी चुस्त और आकर्षक दिखता है। त्वचा में कुछ भी खराबी होने पर सांप एकांत स्थान पर चला जाता है। खाना भी छोड़ देता है। फिर वह बहुत कष्टकारी प्रक्रिया से गुजरता है। उसके मुंह के पास की त्वचा कुछ ढीली होती है। जबड़े के पास किसी पत्थर आदि से रगड़कर चीरा लगाता है। फिर पेड़, पत्थर, कांटों आदि से शरीर रगड़-रगड़कर पूरे शरीर की केंचुली उतार देता है। यह जादू केवल वही कर सकता है, हम नहीं।

सबसे छोटा राज्य

क्षेत्रफल के हिसाब से भारत का सबसे छोटा राज्य है गोवा। इसका कुल क्षेत्रफल केवल 3,702 वर्ग किलोमीटर है। भारत जब आजाद हुआ था, तब गोवा पर पुर्तगाल का कब्जा था। सन 1961 में भारत ने पुर्तगाल को खदेड़कर गोवा को अपना हिस्सा बनाया। तब गोवा एक केंद्र शासित प्रदेश बना था। 30 मई, 1987 को गोवा भारत का 25वां राज्य बना। गोवा अपने खूबसूरत समुद्री किनारों के लिए प्रसिद्ध है। पूरी दुनिया से पर्यटक यहां छुट्टी मनाने आते हैं।

स्क्रबिंग से पाएँ रेशमी त्वचा

सुंदर दिखने की पहली शर्त है स्वस्थ-सुंदर त्वचा। चाहे आप कामकाजी हों या घरेलू, आप की त्वचा को वातावरण के प्रदूषण, धूल-मिट्टी इत्यादि का सामना करना ही पड़ता है। उनके कारण त्वचा मुरझाई-सी दिखने लगती है। ऐसी त्वचा को निखारने के लिए स्क्रबिंग बहुत जरूरी है। स्क्रब त्वचा की मृत कोशिकाओं, धूल इत्यादि को हटाकर रोमछिद्रों को बंद होने से रोकता है। इससे त्वचा हेल्दी एवं ग्लोइंग नजर आती है।

फेस स्क्रब का इस्तेमाल 25 साल की उम्र के बाद जरूर करना चाहिए। संवेदनशील त्वचा या पिंपलयुक्त स्किन पर स्क्रबिंग न करना ही ठीक होगा। यूँ तो बाजार में कई तरह के फेस स्क्रब मिलते हैं लेकिन आप घर पर भी बढ़िया स्क्रब तैयार कर सकती हैं। आइए जानें कैसे-

राइस स्क्रब :

इसे बनाने के लिए 1/2 कप दही में 2 टेबलस्पून चावल का आटा मिलाएँ। नहाने के पहले इसे शरीर पर लगाएँ फिर धो दें। आप तरोताजा महसूस करने लगेंगी।

बादाम का स्क्रब :

1 टेबलस्पून पिसे बादाम में दूध मिलाकर पेस्ट बनाएँ। इससे चेहरा स्क्रब करें। कुछ देर बाद ठंडे पानी से धोएँ। आप की त्वचा मुलायम हो जाएगी चाहे तो इसमें वॉलनट पाउडर भी मिले लें।

लेंटिल स्क्रब :

1/4 कप लाल मसूर दाल को पीसकर पावडर बना लें। इसमें 1 टेबलस्पून चंदन का चूरा और संतरे का रस मिलाकर स्क्रब तैयार करें।

सी सॉल्ट स्क्रब :

समुद्री नमक को दरदरा पीस लें व इसमें थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बनाएँ। इससे शरीर की, विशेषकर घुटने, कुहनियों की स्क्रबिंग करें। आपकी त्वचा साफ, मुलायम हो जाएगी।

ऑरेंज पील स्क्रब :

ऑरेंज पील पावडर में कुछ बूँदें एसेंशियल ऑइल एवं दूध मिलाकर तैयार पेस्ट से चेहरे की स्क्रबिंग करें। इससे त्वचा साफ-सुंदर हो जाएगी।

ऑरेंज पैन केक

सामग्री पैन केक के लिए : 1 कप मैदा, 2 बड़े चम्मच बटर, 1/2 कप दूध, छोटा चम्मच ऑरेंज रिंड और 1/4 छोटा चम्मच सोडा बाइकार्बोनेट।

सामग्री ऑरेंज सॉस के लिए : 1 कप ऑरेंज जूस, 1 छोटा चम्मच कॉर्नफ्लोर, 1 छोटा चम्मच चीनी, 1 छोटा चम्मच शहद, थोड़े से ऑरेंज स्लाइस, थोड़ी-सी चेरी और 1/2 छोटा चम्मच ऑरेंज रिंड (संतरे के छिलके का सफेद भाग खुरच कर निकाल दें व छिलका बारीक काटें)।

विधि : सॉस की सभी सामग्री मिलाएं और गाढ़ा होने तक पकाएं। पैन केक की सामग्री मिलाएं। पैन में बटर गर्म करें, एक कलछी से पैन केक का मिश्रण डाल कर फैलाएं। दोनों ओर से सेंकें और ताजा ऑरेंज सॉस के साथ परोसें।

शादी लगे खूबसूरत जब दोनों बढ़ें साथ

सफल शादियाँ वे होती हैं, जिनमें व्यक्तिगत रूप से दोनों को संतुष्टि हो, जिसमें दोनों की हर स्तर पर तरक्की हो, लेकिन यहाँ एक विरोधाभास है। हम यह भी तो कहते हैं कि विवाह की कामयाबी के लिए अपनी खुशी के ऊपर वैवाहिक रिश्ते को प्रमुखता देना जरूरी है!

आप अपने जीवनसाथी के साथ वर्षों से रह रहे हैं तो इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि आप एक खुशनुमा वैवाहिक जीवन का लुत्फ ले रहे हैं। अधिकांशत: वैवाहिक जोड़े बच्चों, सामाजिक प्रतिष्ठा या अन्य कारणों के चलते साथ रहते हैं, लेकिन क्या पति-पत्नी के साथ रहने के लिए ये वजहें काफी हैं? स्टेट यूनिवर्सिटी (न्यूयॉर्क) में साइकोलॉजी के प्रोफेसर और लेखक आर्थर आरन का कहना है कि लंबे वैवाहिक जीवन का राज संप्रेषण कौशल, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक सहयोग और तनाव संबंधी बातों से जुड़ा है। अर्थात विवाह के पश्चात पति-पत्नी दोनों मानसिक रूप से खुश रहें, दोनों के बीच बेहतर संवाद हो, तनाव न हो और दोनों को एक-दूसरे का सपोर्ट मिले, लेकिन यह भी जरूरी नहीं है कि इससे आपको आपकी जिन्दगी अर्थपूर्ण और खुशगवार लगे ही।

कहा जाता है कि सबसे सफल शादियाँ वे होती हैं, जिनमें व्यक्तिगत रूप से दोनों को संतुष्टि हो, जिसमें दोनों की हर स्तर पर तरक्की हो, लेकिन यहाँ एक विरोधाभास है। हम यह भी तो कहते हैं कि विवाह की कामयाबी के लिए अपनी खुशी के ऊपर वैवाहिक रिश्ते को प्रमुखता देना जरूरी है!

गढ़ें एक-दूजे को

शताब्दियों से विवाह का आर्थिक और सामाजिक महत्व रहा है। विवाह को कायम रखने के लिए हमेशा भावनात्मक और बौद्धिक जरूरत को दोयम माना जाता रहा है। बदलते दौर में इस सोच में बदलाव आया है। अब युवक-युवतियाँ विवाह के लिए ऐसा साथी चाहते हैं, जो उनकी जिंदगी को और मनोहर बना सके। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिज (एमस्टर्डम) की शोधकर्ता कैरिल रसबल्ट इसे 'माइकल एंजेलो प्रभाव' का नाम देती हैं। अर्थात विवाह वह है, जिसमें दोनों पार्टनर एक-दूसरे को गढ़ते हैं, बनाते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करते हैं।

यदि आप आत्मविकास चाहते हैं और अपने पार्टनर की मदद से उसे पाते हैं, तो आपके जीवन में आपके पार्टनर का महत्व स्वत: ही बढ़ जाता है, साथ ही पार्टनर की मदद करके आपको भी संतुष्टि होती है। इस प्रकार आपका वैवाहिक संबंध मजबूत होता जाता है।

अगर आपका साथी कुछ रचनात्मक कार्यों से जुड़ा है अथवा वह मजाकिया है तो आप भी निश्चित ही पहले से कुछ बदल जाते हैं, अगर आप कुछ सामाजिक कार्यों से जुड़े हैं तो आपके साथी के लिए भी इस दिशा में कार्य करने के रास्ते खुल जाते हैं। शोधों का यह भी कहना है कि कालांतर में आप अपने साथी की विशेषताओं को ग्रहण करने लगते हैं।

एक शोध में पाया गया कि जब पार्टनर एक-दूसरे के अत्यधिक करीब थे, तो उनके मस्तिष्क ने यह बात पहचानने में अधिक समय लगाया कि उनकी और उनके पार्टनर की अलग-अलग विशेषताएँ क्या हैं, जबकि जो विशेषताएँ दोनों में मौजूद थीं, उन्हें झट पहचान लिया गया। इसका मतलब यह नहीं है कि ये जोड़े अपनी शादी के बाद अपनी व्यक्तिगत विशेषता पूरी तरह खो चुके हैं, अपितु वे आगे बढ़े हैं। अब जो उनके लक्षण हैं, कार्य हैं, व्यवहार है, वह इस रिश्ते से पहले नहीं हुआ करते थे, लेकिन अब वे उनकी जिंदगी का एक अहम हिस्सा हैं। यह उनके भविष्य की खुशियों का परिचायक भी है। अगर आपका पार्टनर आपको एक अच्छा व्यक्ति बनने में मदद कर रहा है तो आप इस रिश्ते से प्रसन्न और संतुष्ट रहते हैं।

आकर्षक फिगर हेतु कुछ टिप्स

- तंदुरूस्त रहने हेतु रोजाना कम से कम 15-20 मिनट व्यायाम अवश्य करें। इससे शरीर हृष्ट-पुष्ट होगा व चेहरे पर भी चमक आएगी।
- तैराकी एक अच्छा व्यायाम है इसलिए तैरना शुरू करें। सप्ताह में 5 दिन तैरने का नियम बनाएं।
- अगर आप शारीरिक रूप से पूरी तरह फिट हैं तो आपको बहुत अधिक खुराक की जरूरत नहीं होती। अपने एक समय के मुख्य भोजन में से अनाज को निकाल दें। इसकी बजाय दूध, सूप, दाल व सब्जियों का सेवन करें।
- अधिक मीठे पदार्थों का सेवन न करें। ये आपके फिगर के लिए ठीक नहीं हैं। इन्हें खाने से आपको मोटापा आ सकता है इसलिए इनका लोभ छोड़ दें।
- अगर आपके पास व्यायाम करने का समय नहीं हो तो कुछ हाथों द्वारा करने वाली एक्सरसाइज करें जिन्हें आप अपने काम के दौरान ही कर सकते हो।
- अधिक तले-भुने पदार्थ आपके फिगर को अनाकर्षक बनाने में सहायक होते हैं। अत: इनका सेवन कम से कम करें।
- बैठने, उठने व खड़े होने का सही ढंग अपनाएं। इससे भी फिगर पर असर पड़ता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंग। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 2029

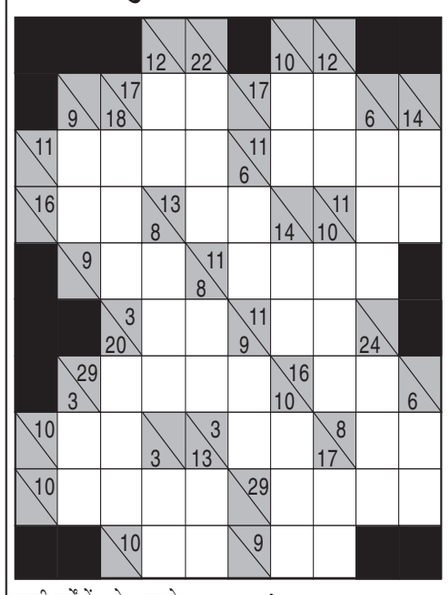

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

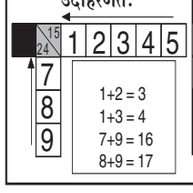

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2028 का हल

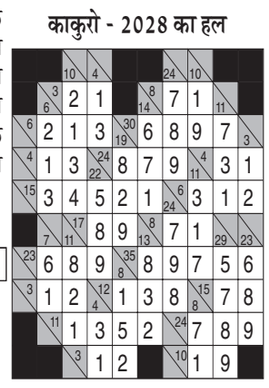

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी पति (पत्नी को खुश करने के लिए बोला)- डार्लिंग! अब झगड़ा बंद भी करो, मैं शांति के साथ रहना चाहता हूँ।

पत्नी- हाँ-हाँ, तो जाओ ना। रहो तुम अपनी शांति के साथ...! मैं भी अब अपने रमन के साथ रहना चाहती हूँ।

□ □ □

प्रेमी (पत्नी से)- आज तुम्हें मेरा बाँसुरी बजाना बुरा लगता है, लेकिन एक दिन मेरे बाँसुरी बजाने पर ही रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।

पत्नी गुस्से से बोली- हाँ... की थी, लेकिन बाँसुरी बजाने पर रीझ कर नहीं, बल्कि यह सोच कर शादी की थी कि जिस तरह तुम बाँसुरी में फूँक मारते हो, उसी तरह मेरे घर का चूल्हा भी अच्छी तरह फूँकोगे।

□ □ □

कवि (पत्नी से), ''तुम्हे पता होना चहिए कि मैं वीर रस का कवि हूं और लोग मेरे बारे कहते हैं कि मैं अपनी कविताओं से संसार में आग लगा सकता हूं।''

पत्नी, अब अपनी प्रशंसा करना बंद करें और प्लीज जरा चूल्हे में आग जला दें।

फिल्म वर्ग पहेली - 2029

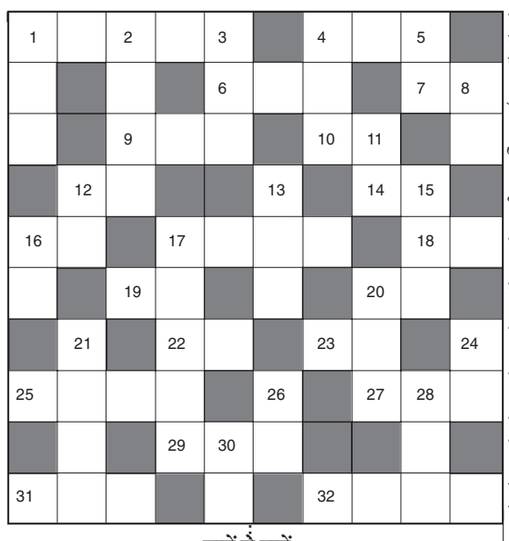

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६.फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०.संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नताल्या सिंह की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली: राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२:
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा: फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 2028

ए	क	रि	श्ता		जा	न	की	बा	जी
क		श्ते		आ	न		र्ति		व
बे	टा		ल		व	ध		कौ	न
चा		अ	व	ता	र		माँ		यु
श	जा	जी		ल		श		यु	द्ध
	नू	त	न		स	नी		गां	
क			म	ह	ल		अ	ध	र्म
वि	ना	श	क		मा	या		र	
ता		मिं		शा		श	ज		धुं
	मे	ला		दी	वा	ना		क्रो	ध

सूडोकु -2029

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 2028 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 2029

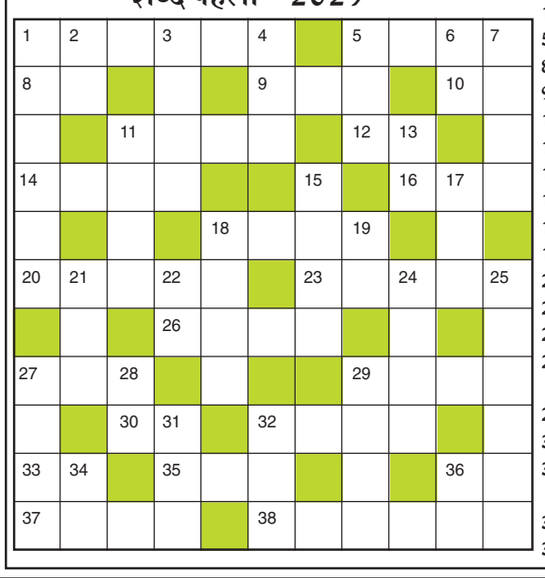

बाएँ से दाएँ

1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खोजना-4
17.उपस्थिती-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली -2028 का हल

उ	प	च्चा	र		नि		खि	रा	स	त
	र		घु		ग	द	र		ही	न
क			व	रा	ह		ह			हा
म	हा	वी	र		बा	ल		क	मा	ई
जो		रा		ना	न		श		ख	
र	म	णी	य	ता		भा	व	ही	न	ता
	न		म		ज	ल		ट		र
अ	का	ल		शू	ल		नी	र	व	ता
प			न		प्र	ख	र			र
स	ल		म	हु	वा		स		मी	
ध	ड़	क	न		ह		ता	र	त	प्य

युवती का आरोप- नेताजी बोले चलो करवा देता हूं काम, अचानक खेत में रोकी गाड़ी और किया? रेप

रायपुर. छत्तीसगढ़ के महेंद्रगढ़-भरतपुर-चिरमिरी जिले में एक युवती के द्वारा भारतीय जनता पार्टी के नेता पर रेप का आरोप लगाया गया है। युवती का आरोप है कि भाजपा नेता के द्वारा उसे बहला फुसलाकर महतारी वंदन योजना के कार्य को करने के लिए पहले लेकर गया, फिर वापस लौट के दौरान उसके साथ बलात्कार किया है। वही इस घटना के बाद आरोपी भाजपा नेता फरार बताया जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर भाजपा ने पल्ला झाड़ते हुए उसे पहले से ही पार्टी से निष्कासित करने की बात कर रही है।

छत्तीसगढ़ के महेंद्रगढ़ में रहने वाली महिला और भाजपा नेता दिनेश यादव पहले से ही एक दूसरे को जानते थे। भाजपा का यह नेता खुद को नागपुर मंडल का मंत्री बताया करता था। बताया जा रहा है कि बुधवार की शाम भाजपा का यह नेता दिनेश महिला के घर पहुंचा था। जिस पर बातचीत करते हुए महिला ने उसे बताया कि महतारी वंदन योजना का पैसा उसके खाते में अब तक नहीं आया है। इसके बाद भाजपा नेता ने उसे शंकरपुर स्थित कंप्यूटर दुकान में जाकर चेक करने की बात कही थी। बताया जा रहा है कि देर शाम वह महिला को लेकर कंप्यूटर दुकान अपनी बाइक में बैठ कर पहुंचा हुआ था। वहां कंप्यूटर में जांच करने के बाद पता चला कि महिला के खाते में पैसे आ चुके हैं।

महिला का आरोप है कि जब वह दोनों कंप्यूटर दुकान से लौट रहे थे इस दौरान आरोपी दिनेश ने अपनी गाड़ी रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित खेत में डाल दी और वहां ले जाकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। महिला के साथ रेप करने के बाद आरोपी महिला को उसके घर छोड़कर भाग गया।

नलकूप से पानी लेने की मनाही, मंदिर जाने पर भी रोक; दलित महिलाओं का दबंगों पर संगीन आरोप

सीहोर. मध्य प्रदेश में दबंगों ने कुछ दलित महिलाओं को नलकूप से पानी भरने पर रोक लगा दी। मामला सीहोर जिले के गांव मुस्करा की है। गांव की कुछ महिलाओं ने आरोप लगाया है कि कुछ दबंगों ने उन्हें सार्वजनिक नलकूप से पानी नहीं भरने दिया। महिलाओं का यह भी आरोप है कि उन्हें मंदिर में जाने से भी रोका गया है। पानी नहीं भरने देने पर महिलाओं ने जबरदस्त हंगामा भी मचाया। मामला गंभीर होता देख पुलिस को भी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। इधर इस मामले की जानकारी जैसे ही एसडीएम को हुई तो उन्होंने भी इस मामले की जांच के आदेश दे दिए।

यह मामला सीहोर जिला मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम मुस्करा का है। इस गांव में दलित समाज से जुड़े 108 परिवार निवास करते हैं। पीने के पानी के संकट से जूझ रही मुस्करा गांव की महिलाएं परेशान हैं। गांव में वाल्मीकि, मालवीय और कुम्हार जाति के परिवार भी निवास करते हैं।

गुरुवार को गांव कि महिलाएं सार्वजनिक नलों से पानी भरने पहुंची थीं लेकिन दबंगों ने उन्हें पानी नहीं भरने दिया। इस पर हंगामा हुआ। गांव की महिलाओं ने गांव के दबंग पर छुआछूत का आरोप लगाया है। पीड़ित महिलाओं का कहना है कि दबंग लोग सार्वजनिक नलों से पानी नहीं भरने दे रहे हैं और मंदिर जाने पर भी रोक लगाई हुई है। पूरा मामला सामने आने के बाद एसडीएम ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

जाटलैंड में बीजेपी-रालोद गठबंधन के गणित की होगी परीक्षा, जयंत के सियासी फैसले का भी इम्तिहान

लोकसभा चुनाव में वेस्ट यूपी जाटलैंड में बीजेपी-रालोद गठबंधन के गणित की परीक्षा होगी। यहीं रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के सियासी फैसले का भी इम्तिहान होगा।

बागपत. सोशल मीडिया, सियासत और सौगात। इन तीनों प्लेटफॉर्म पर रालोद प्रमुख जयंत चौधरी 'लकी' साबित हो रहे हैं। पहले उनके दादा, पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। इस सौगात के साथ ही वर्षों के सूखे के बाद उत्तर प्रदेश सरकार में पार्टी को एंट्री मिली है।

इस बार रालोद प्रमुख खुद चुनाव मैदान में नहीं हैं लेकिन बिजनौर और बागपत का परिणाम उनके सियासी फैसले पर मुहर लगाएगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में चौधरी चरण सिंह परिवार का अपना वर्चस्व है। जयंत चौधरी तीसरी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उनकी छवि युवा किसान नेता की है। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं। पार्टी के फैसले स्वयं लेते हैं। वर्ष 2009 में जयंत मथुरा से चुनाव जीतकर पहली बार लोकसभा में पहुंचे थे। तब भी रालोद का भाजपा के साथ गठबंधन हुआ था। उस समय उनके पिता छोटे चौधरी अजित सिंह ने पार्टी अध्यक्ष रहते हुए ये चुनावी गठबंधन भाजपा के साथ किया था। छोटे चौधरी के निधन के बाद अब पार्टी की जिम्मेदारी जयंत के कंधों पर है और वेस्ट यूपी की जाट बेल्ट में उनके रसूख को देखते हुए भाजपा ने उनके साथ गठजोड़ किया है। भाजपा से अलगाव के बाद 2017 का विधानसभा चुनाव व 2019 का लोकसभा चुनाव रालोद ने सपा के साथ गठबंधन में लड़ा, मगर पार्टी को साख बचाने तक के लाले पड़ गए। विधानसभा चुनाव में जहां केवल

छपरौली सीट पर ही रालोद उम्मीदवार जीत पाया वहीं लोकसभा चुनाव में मुजफ्फरनगर से चौधरी अजित सिंह और बागपत सीट से जयंत चौधरी तक चुनाव हार गए।छपरौली से रालोद का अकेला विधायक भी एक साल बाद भाजपाई हो गया और चार साल 2022 तक ऐसा वक्त भी रहा जब यूपी विधानसभा और लोकसभा में रालोद का प्रतिनिधित्व ही नहीं रहा। छोटे चौधरी के निधन के बाद जयंत चौधरी ने पार्टी को नए सिरे से खड़ा किया।

पिछले विधानसभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन करते हुए पार्टी ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की।

जीत से तवज्जो मिली

2022 के विधानसभा चुनाव के नतीजों के दम पर जयंत को राष्ट्रीय राजनीति में तवज्जो मिलने लगी। 'इंडिया' व सपा ने जहां रालोद को करीब लाने की कोशिश शुरू कर दी, वहीं भाजपा की भी नजरें उन पर पड़ी। भाजपा ने उनके दादा पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर जयंत से चुनावी गठजोड़ का दरवाजा खोल दिया। बरसों की मुराद पूरी होने पर जयंत ने एक्स पर लिखा...दिल जीत लिया। रालोद के भाजपा से गठबंधन का फायदा जहां भाजपा को वेस्ट यूपी में मिलेगा वहीं रालोद को अपनी वह खोई हुई सियासी जमीन मिलने की संभावना है जो भाजपा संग रहते हुए 2009 के आम चुनाव में पांच सांसदों के रूप में मिली थी।

लोकसभा चुनाव 2024: सपा-कांग्रेस यहां लड़ेगी अंतर कम करने की लड़ाई, बाद में जीत की ओर बढ़ेंगे कदम

सपा-कांग्रेस गठबंधन की राह बहुत कठिन है। मार्जिन बड़ी बाधा है। भाजपा जितने वोटों के अंतर से जीतती आई, पहले उसकी भरपाई करनी होगी। तभी लड़ाई दिलचस्प होगी। भले ही ताजनगरी दलितों की राजधानी मानी जाती है।

आगरा. ताजनगरी आगरा में सपा-कांग्रेस गठबंधन की राह बहुत कठिन है। मार्जिन बड़ी बाधा है। यानि भाजपा जितने वोटों के अंतर से जीतती आई है, पहले उसकी भरपाई करनी होगी। तभी लड़ाई दिलचस्प होगी। भले ही ताजनगरी दलितों की राजधानी मानी जाती है। लेकिन यहां वैश्यों की तादाद भी अच्छी खासी है। इनकी आबादी करीब 3.15 लाख मानी जाती है। दूसरे नंबर पर दलित आते हैं। करीब 2.80 लाख मतदाताओं के हिसाब से दलित किसी का भी समीकरण बिगाड़ सकते हैं। करीब 1.30 लाख बघेल और 80 हजार के आसपास मुस्लिम मतदाता भी हैं। दलित-मुस्लिम समीकरण आजमाने के बाद भी यहां बहुजन समाज पार्टी का प्रत्याशी जीत तक नहीं पहुंच पाया। कारण जीत का बड़ा मार्जिन है। 2014 का लोकसभा चुनाव के परिणाम देखे जाएं तो भाजपा ने 54.35 फीसदी वोट लेकर जीत दर्ज की थी। जबकि बसपा को 26.48 और कांग्रेस को 3.25 फीसदी वोट ही मिल पाएं थे। यानि बसपा-कांग्रेस मिलाकर भी 29.73 प्रतिशत मत ही मिल पाए थे। यानि भाजपा की जीत का मार्जिन ही 24.62 प्रतिशत था।

2019 का गठबंधन भी फेल रहा

इस चुनाव में सपा और बसपा का गठबंधन था। भाजपा 56.48 फीसदी मतों के साथ जीती थी। जबकि गठबंधन को 38.01 प्रतिशत वोट मिल पाए थे। यहां भी जीत का अंतर 18.47 फीसदी था। अब सपा-कांग्रेस का गठबंधन है। यानि बसपा और गठबंधन दलों के सामने पहले जीत का मार्जिन भरने की चुनौती है। **प्रत्याशी की लहर बदलती है गणित**

आगरा सीट पर सपा और कांग्रेस हमेशा कमजोर मानी जाती रही हैं। लेकिन जब मजबूत प्रत्याशी आता है तो पार्टी और जातीय गणित बदल जाता है। 1999 में ऐसा ही हुआ था। सपा के टिकट पर सिने स्टार राज बब्बर उतारे गए। जीत हासिल की थी। स्टारडम के सहारे राजबब्बर ने 2004 में इसे फिर दोहराया था।

35 साल से कांग्रेस सीट से दूर

कांग्रेस ने यह सीट 1952 से 1971 तक कब्जाए रखी। जबकि 1977 में हार का सामना करना पड़ा। 1980 से 1988 तक फिर कांग्रेस आई। 1989 के बाद यहां कांग्रेस की वापसी नहीं हो पाई। 1991 से 1998 तक भाजपा का झंडा फहरा। 1999 से 2004 तक सपा ने जीत बोली। भाजपा ने यहां 2009 में कम बैक किया और 15 साल से लगातार सीट पर कायम है।

BJP के लिए आफत बने नए नेताओं के पुराने बयान, उत्तराखंड लोकसभा चुनाव 2024 में वायरल हो रहे 'मीम्स'

देहरादून. उत्तराखंड लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी के लिए कई नए नेताओं के पुराने बयान आफत बन गए हैं। कांग्रेस सहित अन्य तमाम दलों को छोड़कर आए इन नेताओं के पुराने बयान सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं, जिससे लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी को कई बार असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

दरअसल, भाजपा ने पिछले दो महीनों में अभियान चलाकर दूसरे दलों के नेताओं को बड़ी संख्या में शामिल कराया है। प्रदेश से लेकर संसदीय क्षेत्र, विधानसभा क्षेत्र और मंडल स्तर पर ज्वाइनिंग कार्यक्रम आयोजित कराए गए। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का दावा है कि राज्य भर में अभी तक 11 हजार से अधिक नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी में शामिल कराया गया है। लेकिन अब इनमें से कई नेताओं के पुराने बयान पार्टी के लिए सिरदर्द बन रहे हैं।

अकाउंट की सफाई ज्भाजपा में हाल में शामिल हुए अन्य दल के नेताओं को भाजपा की सोशल मीडिया की टीम पुराने बयानों को अपने अकाउंट से हटाने के लिए भी कह रही है। पुराने नेताओं के अकाउंट पेज पार्टी की ओर से चेक भी किए जा रहे हैं। यह टीम भाजपा में शामिल होने वाले इन नेताओं के उन बयानों को हटवा रही है, जो उन्होंने अपने मूल पार्टी में रहते हुए भाजपा नेताओं के खिलाफ दिए थे।

वायरल हो रहे नए और पुराने बयानों के मीम्स

कांग्रेस छोड़ हाल में भाजपा में शामिल हुए कई नेताओं के पुराने और नए बयानों को लोग मीम्स बनाकर वायरल कर रहे हैं। जब ये नेता विपक्ष में थे तो भाजपा, उनके नेताओं, केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ कड़ी बयानबाजी कर रहे थे।

उत्तराखंड में धामी सरकार का ऐक्शन, 85 घरों पर चला बुलडोजर; क्या थी वजह?

उत्तराखंड के हरिद्वार में बुलडोजर कार्रवाई देखने को मिली है। यहां हाईवे के किनारे बने घरों पर बुलडोजर चलाकर तोड़ा गया है। प्रशासन ने इसकी वजह भी बताई है। आइये जानते हैं आखिर क्या है पूरा मामला।

हरिद्वार. उत्तराखंड में प्रशासन का बुलडोजर ऐक्शन देखने को मिला है। हरिद्वारा के सलेमपुर गांव में हाईवे के दोनों तरफ बुलडोजर कार्रवाई की गई है। इस दौरान टीम ने जेसीबी की मदद से सड़क के दोनों किनारों पर बने करीब 85 पक्के निर्माण को ध्वस्त कर दिया। हालांकि, इस दौरान स्थानीय लोगों ने हल्का विरोध किया। लेकिन सिंचाई विभाग की अधिशासी अभियंता मंजू डैनी की सख्ती के चलते जेसीबी अतिक्रमण ध्वस्त करते हुए आगे बढ़ती रही।

गुरुवार को संयुक्त टीम ने सलेमपुर क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। टीम ने सड़क के दोनों तरफ लोगों के अवैध कब्जे को तोड़ दिया। इस दौरान नाले पर बने पक्के निर्माण, लोगों की स्थापित लोहे की सीढ़ियां, सड़क के किनारे लगे फ्लेक्स बोर्ड, साइन बोर्ड, टीन शेड, दुकान आदि को तोड़ दिया गया। साथ ही मौके पर रखा सामान भी जब्त किया गया।अतिक्रमण पर कार्रवाई के बीच छोटे बड़े दुकानदारों, अतिक्रमणकारियों और नेता मौके पर पहुंचे और सिंचाई विभाग की अधिशासी अभियंता के आगे कार्रवाई रोकने की गुहार लगाने लगे। कुछ स्थानों पर टीम को हल्के विरोध का सामना भी करना पड़ा। वही कई स्थानों पर लोग टीम के सामने हाथ जोड़ कर अतिक्रमण को रोकने की गुहार लगाते दिखे। कई लोग फोन करके सिफारिश का दबाव बनाते भी नजर आए। बावजूद इसके टीम की कार्रवाई जारी रही। पीडब्ल्यूडी सहायक अभियंता कीर्ति वर्धन नेगी, डीआरओ सिंचाई, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

सीएम की घोषणा पर हो रहा नाले का निर्माण

इस मामले पर जानकारी देते हुए अधिशासी अभियंता मंजू डैनी ने बताया की मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद सलेमपुर सिडकुल हाईवे के दोनों तरफ 9.94 करोड़ की लागत से नाले का निर्माण किया जा रहा है। नाले निर्माण के बाद क्षेत्र में पानी की निकासी सही होगी।

साथ ही लोगों को जलभराव से मुक्ति मिलेगी। नालें के दोनों तरफ लोगों के करीब 85 पक्के निर्माण को जेसीबी की मदद से ध्वस्त किया गया है। लोगों को पूर्व में अतिक्रमण खुद हटाने के लिए कहा गया था। अतिक्रमण न हटाने पर कार्रवाई की गई है।

अगला नंबर किसका? रडार पर एल्विश के कई दोस्त, फाजिलपुरिया से पूछताछ की तैयारी में नोएडा पुलिस

नोएडा. रेव पार्टी करने और उसमें सांपों का जहर सप्लाई करने के मामले में यूट्यूबर एल्विश यादव के कई और दोस्त पुलिस के रडार पर हैं। पुलिस उनसे भी पूछताछ कर सकती है। पुलिस ने बुधवार को एल्विश के दो दोस्तों ईश्वर और विनय यादव को गिरफ्तार किया था। विनय यूट्यूबर एल्विश यादव का पुराना दोस्त है। विनय गिरफ्त में आए ईश्वर का भी दोस्त है। विनय पहले एल्विश के साथ ही रहता था। ईश्वर का बैंक्वेट हॉल और टेंट हाउस का काम है। ईश्वर की पूर्व में गिरफ्तार हुए राहुल सपेरा से दोस्ती है। विनय के कहने पर राहुल ही बुकिंग पर सांप और उनके जहर के साथ संपेरों की टोली लेकर पहुंचता था। पुलिस ने एनडीपीएस की छह धाराओं को केस में बढ़ाया था। इनमें से दो धाराएं 27 और 27ए कमजोर पड़ गई हैं। अब एनडीपीएस की चार धाराएं एल्विश पर लगी रहेंगी।

एल्विश के पिता ने बेटे का बचाव किया

एल्विश की मां सुषमा यादव और पिता राम अवतार ने बताया कि उनका बेटा अक्सर वीडियो शूट के लिए दोस्तों से कार उधार लेता है। उन्हें वापस करने से पहले वीडियो बनाता था। उन्होंने अपने बेटे के पास प्रॉपर्टी होने की बात को भी खारिज किया है।

गुरुग्राम कोर्ट में 27 मार्च को पेशी

यूट्यूबर एल्विश यादव को मारपीट मामले में 27 मार्च को गुरुग्राम कोर्ट में पेश किया जाएगा। गुरुग्राम न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत ने पुलिस द्वारा दायर प्रोडक्शन वारंट के आवेदन पर एल्विश को उपस्थिति होने को कहा है।

सोशल मीडिया पर फैली अफवाह

नोएडा पुलिस की रडार पर यूट्यूबर एल्विश यादव के कई और दोस्त हैं। पुलिस उनसे भी पूछताछ कर सकती है। सांपों के साथ एल्विश ने जो वीडियो साझा किया था, उसमें दिखने वाले सभी लोगों से पुलिस पूछताछ कर सकती है।

सांपों का जहर सप्लाई करने के मामले में गुरुवार सुबह एक खबर सोशल मीडिया पर वायरल हुई। इसमें कहा गया कि एल्विश से एनडीपीएस ऐक्ट को हटा लिया गया। नोएडा पुलिस ने इसका खंडन किया है। डीसीपी विद्यासागर मिश्र ने कहा कि मामले की जांच चल रही है।

गायक फाजिलपुरिया को नोटिस भेजेंगे

नोएडा पुलिस गायक फाजिलपुरिया से पूछताछ करने की तैयारी कर रही है। अगले सप्ताह फाजिलपुरिया को नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। एल्विश के साथी कटारिया की भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सांपों के साथ एल्विश ने जो वीडियो साझा किया था, उसमें दिखने वाले सभी लोग अब नोएडा पुलिस के निशाने पर हैं।

जमानत याचिका पर आज सुनवाई होगी

जिला न्यायालय में गुरुवार को भी एल्विश यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकी। पुलिस द्वारा धाराएं बढ़ाने की वजह से ऐसा हुआ। न्यायालय ने सुनवाई के लिए शुक्रवार की तिथि निर्धारित की है। एल्विस पक्ष के अधिवक्ता दीपक भाटी ने बताया कि शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई होगी, जिसमें मजबूती से अपना पक्ष रखा जाएगा।

नेताओं को देखे बिना लोकससभा चुनाव में मतदाता कर रहे वोटिंग, इंडिया की आजादी के बाद से नहीं हुआ दीदार

नैनीताल. लोकतंत्र के सच्चे प्रहरी हैं कि गांव में आज तक कोई सांसद उत्तराखंड के दुर्गम गांवों में रहते हैं। नेता जी उनसे मिलने आएं, न आएं वे अपना वोट डाल लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने के लिए मतदान केंद्रों तक जरूर पहुंचते हैं। हैरानी की बात है कि नेताओं के देखे बिना ही मतदाता वोटिंग कर रहे हैं। देश की आजादी के बाद से किसी भी नेता का दीदार नहीं हुआ। दुनिया भर में मशहूर नैनीताल जिले के बड़ौन और लोशज्ञानी गांव के ग्रामीण बताते हैं कि आज तक कोई भी प्रत्याशी वोट मांगने के लिए उनके गांव तक नहीं पहुंच पाया। सड़क से मीलों दूर इन गांवों में करीब 2600 मतदाता हैं। चुनाव के दौरान इन्हें रिझाने के लिए प्रत्याशियों के प्रतिनिधि जरूर आते हैं लेकिन इसके बाद पांच साल तक समस्याओं के समाधान के लिए ज्ञापन लेकर ग्रामीणों को ही जिला मुख्यालय या नेताजी के दरबार तक पहुंचना पड़ता है। ग्रामीणों में नेता जी की इस बेरुखी से नाराजगी तो है, लेकिन मतदान में उनकी भागीदारी हमेशा 60 से 70 फीसदी तक रहती है। इन गांवों के लिए पोलिंग पार्टियों को भी एक दिन पहले रवाना करना पड़ता है। बड़ौन के लोगों को इस बार प्रत्याशी के पहुंचने की उम्मीद ओखलकांडा का सबसे दुर्गम गांव है बड़ौन।पिछले चुनाव तक बड़ौन गांव सड़क से आठ किमी दूर था। पर पांच साल पहले यहां सड़क काटने का काम शुरू हुआ। अब भी यह गांव सड़क से तीन किमी दूर है। बुजुर्ग चंद्र सिंह बताते प्रत्याशी वोट मांगने नहीं आया।

कार्यकर्ता आते हैं हम भी उन्हीं को जानते हैं। गांव से करीब डेढ़ किमी दूर स्कूल में हमारा मतदान केंद्र है। गांव में करीब1400 मतदाता पंजीकृत हैं, पिछले चुनाव में करीब 600 लोगों ने वोट डाला। रोजगार की तलाश में युवा गांव से चले गए हैं पर बचे हुए लोग देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने से पीछे नहीं हटते।

नेकाना गांव ने टीवी पर ही देखे बड़े नेता

नैनीताल लोकसभा क्षेत्र में रामगढ़ ब्लॉक के लोशज्ञानी और नेकाना गांव में भी आज तक कोई सांसद वोट मांगने नहीं पहुंचा। लोशज्ञानी तक पहुंचने के लिए आज भी 5 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। फल उत्पादन के लिए मशहूर इस गांव के बच्चे आज तक पथरीले रास्तों से स्कूल जाते हैं।

नेकाना के ग्रामीणों को 4 किमी पैदल चलकर सड़क तक आना पड़ता है। यहां की वोटर लिस्ट में 1200 मतदाता पंजीकृत हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में गांव में 780 लोगों ने मतदान किया। अंतिम लोकसभा चुनाव में भी यहां मतदान प्रतिशत 66 फीसदी तक था।

इसके बावजूद गांव में आज तक सड़क आने का सपना पूरा नहीं हो पाया। गांव की 80 साल की कलावती देवी बताती हैं कि उन्होंने आज तक हर लोकसभा चुनाव में वोट डाला।

परीकथाओं का देस जैसलमेर...

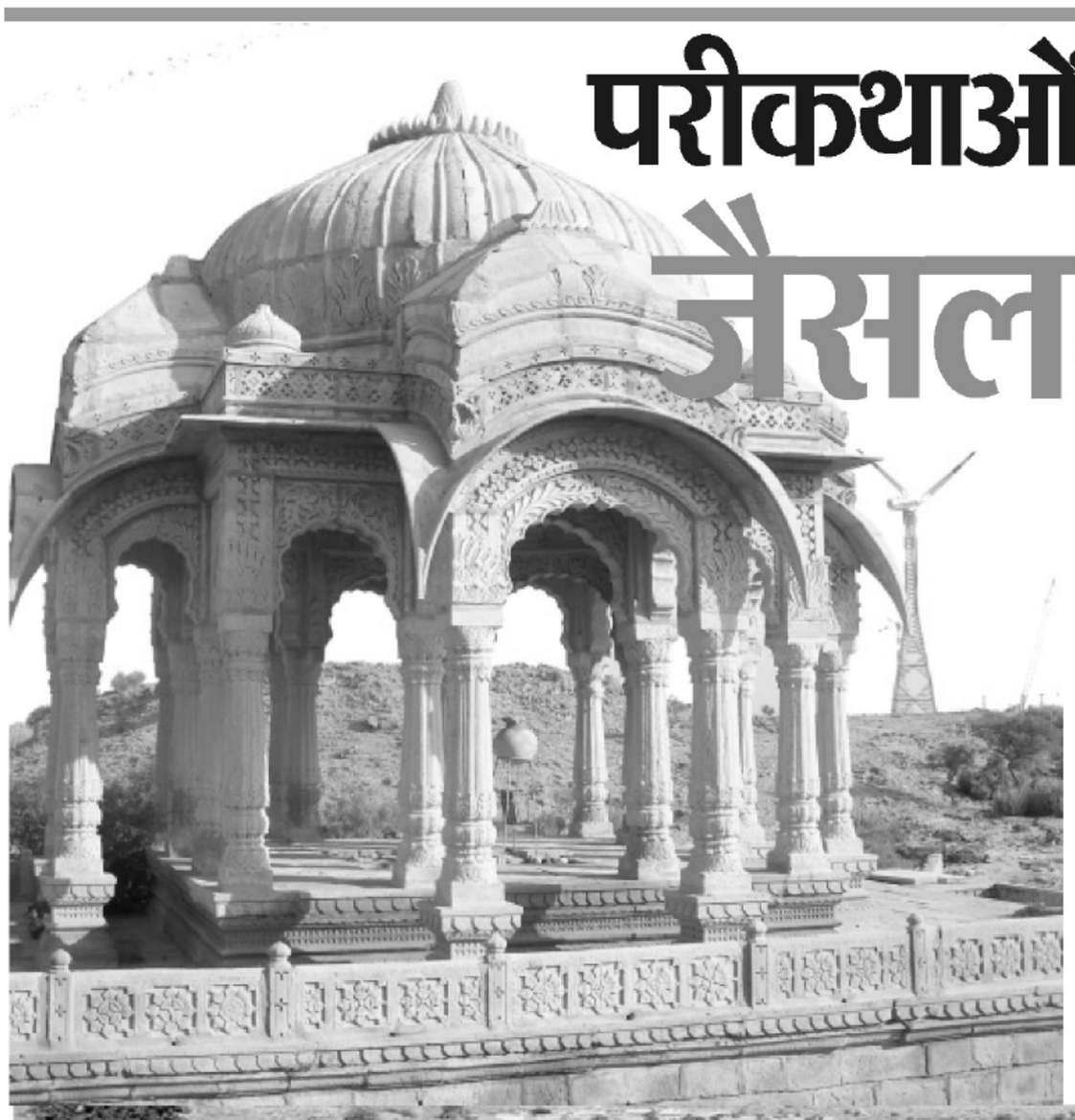

चलिए आज हम आपको राजस्थान लेकर चलते हैं, जहाँ के राजा-महाराजाओं की गौरवगाथा कहते बड़े-बड़े किले, रेगिस्तान की रेत, लोगों का प्यार और जीवन के रंग पर्यटकों को सदैव आकर्षित करते हैं। इस कड़ी में आज हम जैसलमेर की यात्रा करेंगे। बारहवीं शताब्दी में निर्मित जैसलमेर का किला यहाँ का सबसे प्रमुख आकर्षण है। इसके अलावा समय-समय पर जैसलमेर के धनी व्यापारियों ने यहाँ कई सुंदर हवेलियाँ बनवाई हैं। मरुस्थल में बना किलेनुमा शहर एक सुनहरी परिकल्पना है। भाटी राजपूत शासक रावल जैसल के नाम पर ही इस शहर का नाम जैसलमेर रखा गया। 1156 में उन्होंने इस शहर की स्थापना की।

भारत से इजिप्ट और अरब देशों की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर होने की वजह से जैसलमेर की काफी प्रगति हुई। वहाँ से गुजरने वाले मालवाहक काफिलों से कर वसूल कर भाटी राजपूत शासकों ने अपनी तिजोरियाँ खूब भरीं। उन्होंने यहाँ लूटपाट करके भी बहुत धन एकत्रित किया।

14वीं शताब्दी में दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने अपना खजाना वापस लाने के लिए 9 साल तक इस किले को घेरे रखा। जब किले का पतन होने लगा तो महिलाओं ने जौहर किया यानी अपने आपको खत्म कर दिया और पुरुषों ने भगवे वस्त्र पहनकर मौत को गले लगा लिया। ब्रिटिश सरकार के साथ आखिरी समझौता करार करने वाला आखिरी राज्य जैसलमेर ही था।

सदियाँ बीत गईं, लेकिन जैसलमेर के स्मारक रेगिस्तान के तूफानों को झेलते हुए आज तक खड़े हैं। जैसलमेर सुंदर संस्कृति तथा कठोर वातावरण से युक्त जगह है, जो पर्यटकों पर अमिट छाप छोड़ जाते हैं। पुराना शहर पूरी तरह दीवार से घिरा था, लेकिन हाल ही में उसका काफी हिस्सा ढह गया। यहाँ किला, हवेली और गड़ीसर झील पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हैं।

जैसलमेर किला

जैसलमेर के किले को सोनार किला या स्वर्ण किला भी कहते हैं। डूबता सूरज अपनी सुनहरी किरणों से इस किले को परीकथाओं के माहौल में डुबो देता है। यहाँ का महल संकुल, बारीक नक्काशीदार हवेलियाँ, अनगिनत मंदिर तथा सेना और व्यापारियों को कारोबार के मार्ग पर उचित जगह बनाए आवास। इसी रास्ते से प्राचीन काफिले गुजरते थे। यहाँ निर्मित भवनों का निर्माण ज्यादातर मुसलमान कारीगरों ने किया।

पुरानी हवेलियाँ

दीवान नाथमलजी की हवेली का निर्माण 19वीं सदी में हुआ। दो वास्तुकार भाइयों द्वारा इसका निर्माण किया गया। एक ने दाहिनी ओर तथा दूसरे ने बाईं ओर ध्यान दिया। नतीजा यह हुआ कि निर्माण के दौरान एक जैसी बाजू वाली इमारत तैयार हो गई। पीले सेंडस्टोन से तराशे दो हाथी हवेली की निगरानी करते हैं। वर्तमान में यह निजी संपत्ति है। दीवान सलीमसिंह की हवेली 18वीं शताब्दी में बनी, जिसका एक हिस्सा अभी भी आवास के रूप में इस्तेमाल होता है। इमारत पर सुंदर कमानयुक्त छत है और मोर के आकार की महीन नक्काशी है। पटवों की हवेली आवासों का समूह है तथा जैसलमेर की सुंदर हवेलियों में से एक है।

संग्रहालय

पुरातत्व शास्त्र तथा संग्रहालय विभाग द्वारा स्थापित यह स्थान जैसलमेर आने वाले पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण है गड़सिसर तालाब बारिश का पानी इकट्ठा करने के लिए महाराज गड़सी द्वारा 14वीं शताब्दी में इस तालाब का निर्माण किया गया। यहाँ से किसी जमाने में पूरे जैसलमेर को पानी की आपूर्ति होती थी। इसके आसपास अनेक पर्यटक स्थल, मंदिर और स्मारक हैं। सर्दी के मौसम में यहाँ जलपंछी आते हैं।

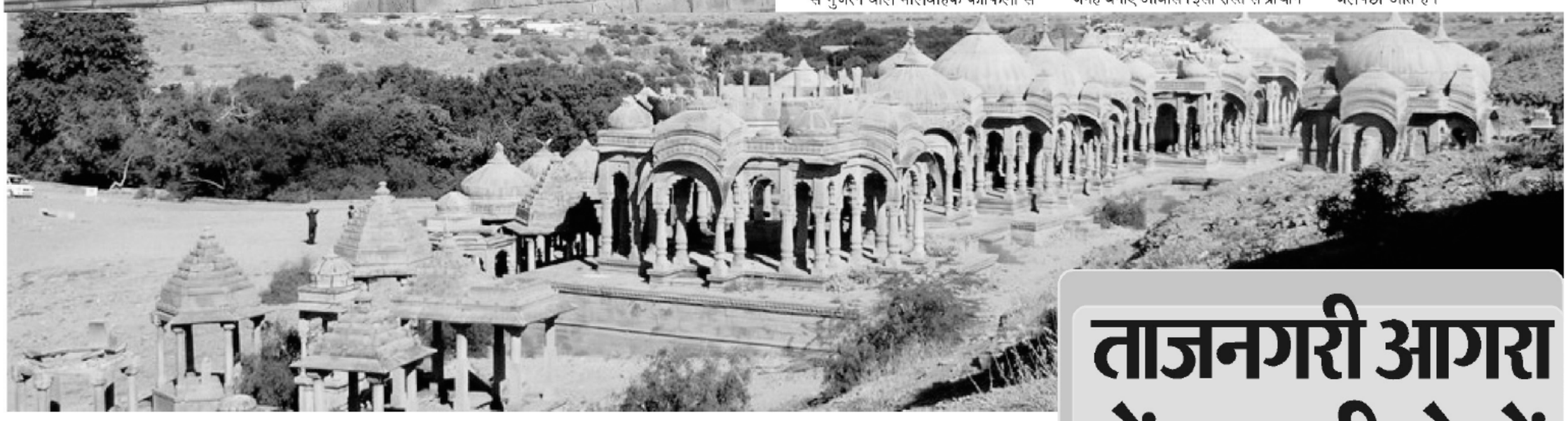

केरल में इन जगहों पर करें ट्रैकिंग

आप प्रकृति प्रेमी हैं और प्रकृति की गोद में समय बिताना चाहते हैं तो आपके लिए केरल सबसे अच्छा जगह है। अगर छुट्टी की योजना बना रहे हैं तो केरल में पर्यटकों के लिए बहुत कुछ है जैसे बीच (समुद्र तट) और जंगल के रंगबिरंगे प्राकृतिक नजारे। केरल में कई आकर्षण है जैसे पर्वत-पहाड़, घास के मैदानों, चाय के बगान और वन्यजीव। केरल में इन जगहों पर यात्रा कर आप जोश और उत्साह से भर जाएंगे। क्योंकि यहां कि प्राकृतिक सुंदरता को देखकर आपको काफी संतुष्टि और आनंद मिलता है। केरल में ट्रैकिंग का आनंद उठाने के इन जगहों पर जाया जा सकता है।

मुन्नार

मुन्नार केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। मुन्नार में दक्षिणी भारत की सबसे ऊंची चोटी अनामुडी है जिसकी ऊंचाई लगभग 2695 मीटर है। यह चोटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण ट्रैकिंग के लिए सही स्थान है। यहां ट्रैकिंग के रास्ते में इराविकुलम नेशनल पार्क है। यह अभयारण्य नीलगिरी की जाति को बचाने के लिए स्थापित किया गया था। मुन्नार में चाय की खेती सर्वाधिक रूप से की जाती है। वनों और हरे घास के मैदानों में नीलकुरंजी नामक फूल पाया जाता है। यह फूल बारह वर्षों में केवल एक बार पूरी पहाड़ी को नीला कर देता है। वन विभाग से अनुमति लेकर अनामुडी पर चढ़ाई की जाती है।

अगस्त्यकूडम

पश्चिमी घाट का शानदार चोटी अगस्त्यकूडम एक तीक्ष्ण शंकु के रूप में 1890 मी. की ऊंचाई पर स्थित है। बोनाकॉड से लगभग 61 किमी की दूरी तक ट्रैकिंग कर सकते हैं। इसके चारों ओर घने वन घिरे हैं। एक मान्यता के अनुसार यह चोटी ऋषि अगस्त्य का निवास स्थल हुआ करता था। इस शिखर यानी चोटी पर महिलाओं को चढ़ने की अनुमति नहीं है। इस चोटी पर दुर्लभ जड़ी-बूटियां तथा वनस्पतियां पाई जाती हैं। इसकी ढालों पर नीलकुरंजी के रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं। नीलकुरंजी एक ऐसा फूल है जो बारह वर्षों में एक बार खिलता है।

चेंब्रा

चेंब्रा चोटी वायनाड जिले में मेप्पड्या शहर के पास स्थित है और यह इस जिले की सबसे ऊंची चोटी है। यह चोटी समुद्र स्तर से 2100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह चोटी पश्चिमी घाटी का एक हिस्सा है। इस चोटी को वायनाड के किसी भी हिस्से से देखा जा सकता है। यह पर्यटकों का पसंदीदा ट्रैकिंग जगह है। कुछ जंगली जानवरों इस शिखर पर होते हैं। ट्रेकर को उन्हें देखने का मौका मिल सकता है।

चिम्मिनी

केरल के त्रिशूर जिले स्थित चेम्मिनी वन्यजीव अभयारण्य पक्षियों पर नजर रखने का सही ठिकाने है। ट्रेकर अभयारण्य के बाहरी इलाके से यात्रा कर सकते हैं। घने जंगलों के माध्यम से यात्रा करना जंगल प्रेमियों के लिए एक अच्छा विकल्प है। यहां पुंडा चोटी उच्चतम बिंदु है। चिम्मिनी में ट्रैकिंग कार्यक्रम वन विभाग द्वारा आयोजित किया जाता है। यहां अक्टूबर-मार्च यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय है।

पयथल माला

केरल के कन्नूर जिले में एक हिल स्टेशन पयथल माला स्थित है जो घने जंगलों से पूरे तरह घिरा हुआ है। यह पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां पशुओं और पेड़-पौधों की कई विविध प्रजातियां पाई जाती हैं। इस क्षेत्र में पर्यटक 6 किमी. की दूरी तक चोटी से पहाड़ी पर ट्रैकिंग कर सकते हैं। पर्यटकों को घाटियों पर दिखने वाले अद्भुत नजारे प्राकृति शांति का अनुभव कराता है। यहां एक प्राचीन महल है जो पुराने जमाने के आदिवासी शासक (वैथलकॉन) के नाम पर है। इसी के नाम पर हिल स्टेशन पर स्थित है। पयथल माला को वैटल माला के नाम से भी जाना जाता है।

ताजनगरी आगरा में यह भी देखें

यमुना नदी के तट पर स्थित आगरा शहर को ताज नगरी भी कहा जाता है। दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल आगरा की पहचान है। आगरा उत्तर प्रदेश का तीसरा सबसे बड़ा शहर है। आगरा एक ऐतिहासिक नगर है। आगरा का इतिहास मुख्य रूप से मुगल काल से जाना जाता है। आगरा शहर को सिकंदर लोदी ने सन् 1506 ई. में बसाया था। आगरा मुगल साम्राजय की चहेती जगह थी। आगरा 1526 से 1658 तक मुगल साम्राज्य की राजधानी रहा। आज भी आगरा मुगलकालीन इमारतों जैसे ताज महल, लाल किला, फतेहपुर सीकरी आदि की वजह से एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है।

ताजमहल

ताजमहल शाहजहां की प्रिय बेगम मुमताज महल का मकबरा है। ताजमहल विश्व के सात अजूबे में से एक है। मुगल बादशाह शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज महल की याद में बनवाया था। इस स्मारक को बनाने में पूरे बाइस साल (1630-1652) लगे। सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा वर्गाकार नींव पर आधारित है। यह खूबसूरत महल प्यार का प्रतीक माना जाता है। हर शुक्रवार को ताजमहल बंद रहता है।

फतेहपुर सीकरी

ताजमहल से लगभग 36 कि.मी दूर स्थित है फतेहपुर सीकरी। मुगल सम्राट अकबर ने फतेहपुर सीकरी बसाई थी। फतेहपुर सीकरी में अकबर ने सबसे ऊंची इमारत बुलंद दरवाजा बनवाया था जिसकी ऊंचाई भूमि से 280 फुट है। 52 सीढ़ियों पर चढ़ने के बाद दरवाजे के अंदर पहुंचा जा सकता है। यह लाल और बलुआ पत्थर से बना है। सूफी संत शेख सलीम चिश्ती की समाधि यहां है। यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल में शामिल फतेहपुर सीकरी मुगल संस्कृति और सभ्यता के प्रतीक है।

आगरा किला

आगरा का एक अन्य विश्व धरोहर स्थल है आगरा का किला। आगरा का किला अकबर द्वारा 1565 में बनवाया गया था। बाद में उनके पौत्र शाहजहां ने इस किले का पुनरोद्धार लाल बलुआ पत्थर से करवाया। इस किले की मुख्य इमारतों में मोती मस्जिद, दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, जहांगीर महल, खास महल, शीश महल एवं मुसम्मन बुर्ज आते हैं। जिसके प्राचीन वास्तुशिल्प को देखने हजारों पर्यटक देश-विदेश से आते हैं।

जामा मस्जिद

आगरा का जामा मस्जिद शाहजंहा की बेटी जहांआरा बेगम को समर्पित है। इस विशाल मस्जिद का निर्माण 1648 में हुआ था। लाल बलुआ पत्थर और छोटे सफेद संगमरमर से बना जामा मस्जिद बहुत सुंदर है। जामा मस्जिद से सूफी शेख सलीम चिश्ती की मजार पर नजर पड़ती है जो कलाकारी का अद्भुत नमूना है। जामा मस्जिद की नक्काशी बेहद खूबसूरत है। बुलंद दरवाजे से होते हुए जामा मस्जिद तक पहुंचा जा सकता है।

बीआर शरथ गुजरात टाइटन्स में और तनुश कोटियन राजस्थान रॉयल टीम में शामिल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 सीजन के लिए राजस्थान रॉयल और गुजरात टाइटन्स की टीम में एक-एक बदलाव देखने को मिला है। गुजरात टाइटन्स ने चोट के चलते आईपीएल से बाहर हुए विकेटकीपर बल्लेबाज रॉबिन मिंज के प्रतिस्थापन के रूप में बीआर शरथ को अपनी टीम में शामिल किया है। इसी तरह राजस्थान रॉयल ने स्पिनर एडम जम्पा के स्थान पर तनुश कोटियन को टीम में शामिल किया है। एडम जम्पा निजी कारणों से आईपीएल 2024 से हट गए हैं। आईपीएल ने शुक्रवार को आधिकारिक रूप से बताया कि बीआर शरथ एक विकेटकीपर बल्लेबाज हैं, वह घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने अब तक 20 प्रथम श्रेणी मैच और 43 लिस्ट ए मैच के अलावा 28 टी20 मैच खेले हैं और उनके नाम 328 टी20 रन दर्ज हैं। वह अपने बेस प्राइस 20 लाख रुपये में जीटी से जुड़ेंगे।

हरफनमौला खिलाड़ी तनुश कोटियन ने हाल ही में मुंबई को 42वां रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाने में योगदान दिया। वह 20 लाख रुपये के आधार मूल्य पर राजस्थान रॉयल में शामिल हुए। उन्होंने 23 टी-20, 26 प्रथम श्रेणी और 19 लिस्ट ए मैचों में मुंबई का प्रतिनिधित्व किया है। आईपीएल 2024 सीजन की शुरुआत आज से हो रही है। पहला मैच चेन्नई के एम चिदंबरम स्टेडियम में चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के बीच खेला जाएगा।

अखनूर प्रीमियर लीग के पहले मैच में शिवा क्रिकेट क्लब ने सिंह चैलेंजर को 5 विकेट से हराया

अखनूर। अखनूर क्षेत्र के बरदाल खेल मैदान में गुरुवार को भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सद्भावना के अंतर्गत अखनूर प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में डीएसपी केडी भगत मौजूद रहे जिन्होंने सर्वप्रथम दीप प्रजलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया और इसके बाद रिबन काटकर पहले मैच को प्रारंभ किया गया। टूर्नामेंट का आयोजन भारतीय सेना की 50 आर्म्ड रेजिमेंट द्वारा किया जा रहा है जिसमें कर्नल रजत सांगवान के नेतृत्व में मेजर अनीश आनंद, सूबेदार एसपी पांडे, आयोजन सचिव शाम सिंह लंगेह व रवि कुमार अहम भूमिका निभा रहे हैं। टूर्नामेंट का पहला मैच शिवा क्रिकेट क्लब और सिंह चैलेंजर के बीच खेला गया जिसमें शिवा क्रिकेट क्लब ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

सिंह चैलेंजर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 171 रन बनाए जिसमें सोनू मल्होत्रा ने सर्वाधिक 63, मानव ने 24 और स्टीफेन ने 19 रन बनाए। शिवा क्रिकेट क्लब की तरफ से साहिल सूदन ने 4 विकेट और आरुष चन्दन ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शिवा क्रिकेट क्लब ने 18वें ओवर ने मैच को 5 विकेट से जीत लिया जिसमें राहुल शर्मा ने सर्वाधिक 80 रनों के योगदान दिया और सुरेन नागपाल ने 38 रन बनाए। शिवा क्रिकेट क्लब के राहुल को शानदार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

गले में भगवा गमछा, राम भक्ति में लीन; IPL 2024 से पहले सनातन रंग में रंगे दिखे David Warner

नई दिल्ली। भारत में फटाफट क्रिकेट का महाकुंभ यानी आईपीएल 2024 का आगाज 22 मार्च से होने जा रहा है। फैंस भी क्रिकेट के इस महाकुंभ के लिए तैयार हैं। फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखने के लिए बेताब हैं। इससे पहले सोशल मीडिया पर दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस में वह फैंस के साथ जय श्री राम बोलते हुए दिखाई दे रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर अपने रील्स को लेकर हमेशा से चर्चा में रहते हैं। भारत के साथ उनका प्रेम जग जाहिर है। वह अक्सर हिंदी गानों पर रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करते रहते हैं। वहीं, आईपीएल से पहले कुछ फैंस के साथ डेविड वॉर्नर का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ फैंस डेविड को राम नाम का भगवा गमछा भेंट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में यह भी दिख रहा है कि फैंस उन्हें अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की मोमेंटो गिफ्ट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। जब फैंस ने जय श्रीराम का नारा लगाया तो डेविड वॉर्नर ने भी जय श्रीराम का नारा लगाकर फैंस का साथ दिया। सोशल मीडिया पर डेविड वॉर्नर की यह अदा देख फैंस का वीडियो खूब पंसद किया जा रहा है। वीडियो को खूब शेयर किया जा रहा है।

आईपीएल के दो मैच गुवाहाटी में खेलेगा राजस्थान रॉयल्स

गुवाहाटी। असम के खेल प्रेमियों के लिए खुशखबरी है। अगले मई माह में गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल के दो मैच खेले जाएंगे। राजस्थान रॉयल्स के चेयरमैन (असम निवासी) रंजीत बरठाकुर ने आज इसकी घोषणा की। गौरतलब है कि कल से देश में 17वां आईपीएल शुरू होगा।

इस बीच बोर्ड के सचिव जय शाह ने कहा है कि 17वें आईपीएल के सभी मैच भारत में ही होंगे। दूसरी ओर, आज रंजीत बरठाकुर ने भी पुष्टि की है कि राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में दो-दो मैच खेलेगा। हालांकि, 5 और 16 मई को गुवाहाटी में मैच होना था लेकिन 7 मई को मतदान का दिन होने के कारण 5 मई के मैच को बदल दिया गया है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम जारी नहीं हुआ

है फिर भी गुवाहाटी में होने वाले दोनों मैच मई में होंगे। असम के क्रिकेट प्रेमी चुनाव को लेकर चिंतित हैं कि इस बार गुवाहाटी में आईपीएल मैच होगा या नहीं। राजस्थान रॉयल्स असम की प्रिय टीम है। उन्होंने कहा कि हम किसी भी कारण से असम और पूर्वोत्तर के क्रिकेट प्रेमियों को आईपीएल मैचों के रोमांच से वंचित नहीं करेंगे। पिछली बार की तरह इस बार भी राजस्थान रॉयल्स एसीए के बरसापारा स्टेडियम में दो मैच खेलेगा। उल्लेखनीय है कि असम और पूर्वोत्तर को सबसे पहले आईपीएल के साथ जोड़ा गया, जो पिछले साल विश्व क्रिकेट की सबसे पेशेवर लीग थी। राजस्थान रॉयल्स ने बरसापारा स्टेडियम में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ दो घरेलू मैच खेले।

बरठाकुर ने कहा हम पैसे कमाने के लिए असम में आईपीएल मैचों की मेजबानी नहीं करेंगे। हमें पिछले साल दो मैचों की मेजबानी के लिए आए खर्च से भी कम पैसा मिला। फिर भी एक असमिया के रूप में, मैंने हर साल गुवाहाटी में मैचों की मेजबानी करने का फैसला किया है। आईपीएल दो देशों का खेल नहीं है। गुवाहाटी में तीन टीमें खेलेंगी। हर टीम में विश्व क्रिकेट के सितारे हैं। पूरी दुनिया गुवाहाटी में आईपीएल का लुत्फ उठाएगी। बाद में इसका सभी मोर्चों पर अच्छा असर पड़ेगा। गौरतलब है कि इस बार राजस्थान रॉयल्स अपने अभियान की शुरुआत 24 मार्च को जयपुर में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच खेलकर करेगा।

राष्ट्रपति से मिले अशोक कुमार, हॉकी के जादूगर ध्यानचंद को भारत रत्न देने की लगाई गुहार

नई दिल्ली। 1975 का हॉकी विश्वकप जीतने वाली टीम के सदस्य, अर्जुन अवॉर्डी अशोक कुमार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

1972 के म्यूनिख ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य अशोक कुमार ने राष्ट्रपति को हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले अपने पिता दद्दा ध्यानचंद को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने के लिए ज्ञापन भी दिया।

अशोक कुमार के अनुसार राष्ट्रपति ने उनसे देश में खेल गतिविधियों के बारे में बातचीत की। उन्होंने राष्ट्रपति को हॉकी स्टिक और ध्यानचंद के नाम पर जारी डाक टिकट भेंट किया।

पाकिस्तानी महिला टीम की पूर्व कप्तान जावेरिया खान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

नई दिल्ली। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान जावेरिया खान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि वह लीग क्रिकेट के लिए उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने अपने पूरे करियर में मिले अटूट समर्थन के प्रति सभी का आभार जताया है।जावेरिया खान ने सभी प्रारूपों के 228 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया और कुल 4903 रन बनाए, जिसमें दो शतक और 25 अर्धशतक शामिल हैं। जावेरिया खान सफेद गेंद के दोनों प्रारूपों (वनडे और टी20) में पाकिस्तान के लिए दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। वह बिस्माह मारूफ के अलावा एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्होंने प्रत्येक प्रारूप में 2000 से अधिक रन बनाए हैं।

जावेरिया खान ने क्रिकेट के करियर में हर कदम साथ देने के लिए सभी शुभचिंतकों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि मैं अपने परिवार, साथियों, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड, अपने विभाग जेडटीबीएल को हर कदम पर उनके समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देती हूं। साथ ही अपने सभी प्रशंसकों को धन्यवाद

देना चाहती हूं, जिनके समर्थन ने मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पाकिस्तान महिला क्रिकेट की प्रमुख तानिया मलिक ने जावेरिया के शानदार करियर की सराहना करते हुए कहा, ÷पीसीबी और सभी क्रिकेट प्रशंसकों की ओर से मैं पाकिस्तान में महिला क्रिकेट में उनके अमूल्य योगदान के लिए जावेरिया खान का हार्दिक आभार व्यक्त करती हूं।' उन्होंने आगे कहा कि हम उनकी अथक प्रतिबद्धता के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना करते हैं।

12 आईसीसी टूर्नामेंट का रहीं हिस्सा

वर्ष 2008 में पदार्पण करने के बाद जावेरिया चार 50 ओवर के आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप (2009, 2013, 2017 और 2022) और आठ आईसीसी महिला टी20 विश्व कप (2009, 2010, 2012, 2014, 2016, 2018, 2020 और 2023) का हिस्सा रही हैं।

हर कोई केएल राहुल को मैदान पर देखने के लिए बेताब है: जस्टिन लैंगर

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का कहना है कि हर कोई केएल राहुल को मैदान पर देखने के लिए बेताब है। राहुल ने वापसी के लिए बहुत मेहनत की है।

एलएसजी कोच लैंगर ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 सीजन की शुरुआत से पहले आईपीएल में राहुल के अच्छे प्रदर्शन के महत्व को रेखांकित किया। लैंगर ने कहा, ''हर कोई केएल राहुल को देखने के लिए बेताब है। हम जानते हैं कि उन्होंने अपने सभी रिटर्न-टू-प्ले प्रोटोकॉल को पूरा करने के लिए बहुत मेहनत की है। वह अभ्यास कर रहा है, वह बहुत सारी गेंदों को हिट कर रहा है। उम्मीद है कि वह तैयार है। कप्तान का हमारे साथ रहना अच्छा रहेगा।'' लैंगर ने कहा कि यदि टीम अच्छा प्रदर्शन करती है तो सभी को पुरस्कृत किया जाता है। इसलिए, केएल के दृष्टिकोण से, यदि वह लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी करके आईपीएल जीतता है, इसका मतलब है कि उसने खुद अच्छा खेला और उसने बहुत अच्छी कप्तानी और

बहुत अच्छी विकेटकीपिंग की।

लैंगर ने कहा कि आईपीएल 2024 में खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन उन्हें आगामी टी20 विश्व कप स्क्वॉड में जगह दिला सकता है। यह बिशी (रवि बिश्नोई) और केएल (राहुल) सहित सभी खिलाड़ियों के लिए संदेश होगा, जो टी20 विश्व कप में अपने स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

उल्लेखनीय है कि केएल राहुल पिछले साल आईपीएल के दौरान चोटिल हो गए थे और सीजन के बीच हॉफ से बाहर हो गए थे। राहुल को इस चोट से उबरने में काफी समय लगा और उन्होंने पिछले साल एशिया कप से भारतीय टीम में वापसी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान राहुल एकबार फिर चोटिल हो गए, जिस कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ शेष चार टेस्ट नहीं खेल पाए थे। अब वह आईपीएल में वापसी कर रहे हैं।

स्टार ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत की वापसी पर खुशी जताई

चंडीगढ़। दिल्ली कैपिटल्स के स्टार ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने टीम के कप्तान ऋषभ पंत की वापसी पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा है कि ऋषभ पंत के वापस आने से खेल को लेकर गंभीर बातचीत के साथ-साथ हंसी-मजाक भी शुरू हो गया है। मैं इस सीजन में उसके साथ और अधिक आनंद लेने की उम्मीद कर रहा हूं। दिल्ली कैपिटल्स की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने शुरुआती मैच के लिए चंडीगढ़ पहुंची है। टीम अपने पहले मैच में 23 मार्च को चंडीगढ़ में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी।

मैच से पहले ऋषभ पंत की पेशेवर क्रिकेट में वापसी पर स्टार ऑलराउंडर ने कहा कि मुझे यकीन है कि हर किसी ने कहा होगा कि टीम में उसका वापस आना बहुत अच्छा है, लेकिन व्यक्तिगत रूप से मैंने उसे बहुत याद किया, पिछले साल मैदान के अंदर और बाहर हमारी हंसी-मजाक को मिस किया। 30 वर्षीय खिलाड़ी पटेल ने आईपीएल 2024 में टीम के दृष्टिकोण के बारे में बात करते हुए कहा कि यह एक नया सीजन है। हम नए सिरे से शुरुआत कर रहे हैं। मुख्य रूप से कोचों के साथ बातचीत, योजनाओं के क्रियान्वयन और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि टूर्नामेंट में चीजों को कैसे सरल रखा जाए। ऋषभ पंत आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करते दिखेंगे। विकेटकीपर-बल्लेबाज 14 महीने के बाद पेशेवर क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। साल 2022 के अंत में ऋषभ पंत एक भयावह कार हादसे का शिकार होकर गंभीर चोटों के चलते लंबे समय के लिए क्रिकेट से दूर हो गए थे।

कोलकाता नाइटराइडर्स में इस खिलाड़ी की तरह भूमिका निभाना चाहते हैं इंग्लिश बैटर फिल सॉल्ट

नई दिल्ली। जेसन रॉय की जगह केकेआर टीम में शामिल किए गए विकेटकीपर बल्लेबाज फिल सॉल्ट का कहना है कि उन्हें ब्रेंडन मैकुलम का खेल बहुत पसंद है और वह भी इस वर्ष उनकी तरह ही टीम की सफलता में योगदान देना चाहते हैं। सॉल्ट के अनुसार सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती केकेआर के लिए अहम साबित होंगे।

बिल्कुल मुझे पूरी उम्मीद है। अगर मुझे अवसर मिलता है तो मेरा प्रयास होगा कि मैं टीम को तेज शुरुआत दिलाऊं। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा। सच कहूं तो अभी मैंने इस बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं, मेरा ध्यान अपने नैसर्गिक खेल खेलने पर है। बिल्कुल यहां की पिच काफी अच्छी है। अभ्यास मैचों में मैंने अपनी बल्लेबाजी का काफी आनंद लिया। आशा है कि पूरे टूर्नामेंट के दौरान पिच इस तरह का व्यवहार करेगी। बल्लेबाजों के साथ ही यहां स्पिन के लिए भी मदद है और हमारी टीम में सुनील नरेन व वरुण चक्रवर्ती हमारे लिए काफी अहम साबित होंगे।

'भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार', अनुराग ठाकुर ने फिर भरी हुंकार

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ी भले ही इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटे हों, लेकिन भारत सरकार ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की तैयारियां शुरू कर दी है। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि भारत 2030 में यूथ ओलंपिक और 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

बोली शुरू होने का इंतजार

अनुराग ठाकुर ने एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में कहा कि जिस पल इसके लिए बोली शुरू होगी, भारत ओलंपिक की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार रहेगा। उन्होंने कहा, हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी

आर्थिक शक्ति हैं और हम उन देशों में हैं जहां युवाओं की ताकत काफी है। खेल के लिए भारत से बड़ा बाजार और कोई नहीं है। भारत 2030 यूथ ओलंपिक और 2026 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेजबानी करने के लिए तैयार है।

'विदेशी प्रशंसकों ने की थी धर्मशाला स्टेडियम की तारीफ'= खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हाल ही में भारत और इंग्लैंड के बीच धर्मशाला में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच को देखने के लिए इंग्लैंड से चार हजार से ज्यादा विदेशी प्रशंसक आए थे और उन्होंने यहां मौजूद इस खूबसूरत स्टेडियम की सराहना की थी।

पेरिस के बाद लॉस एंजिल्स और ब्रिसबेन में होंगे ओलंपिक

इस साल जुलाई-अगस्त में ओलंपिक का आयोजन फ्रांस के पेरिस शहर में आयोजित होगा। इसके लिए वहां तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इसके बाद इन खेलों की मेजबानी 2028 में लॉस एंजिल्स और 2032 में ब्रिसबेन को करनी है।

पेरिस ओलंपिक में शरत कमल होंगे भारत के ध्वजवाहक, दल की अगुवाई करेंगी मुक्केबाज मैरीकॉम

नई दिल्ली। अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन शरत कमल इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक होंगे। वहीं, दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम को देश के दल का प्रमुख (शेफ डी मिशन) नियुक्त किया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने यह घोषणा करते हुए कहा कि यह 41 वर्षीय टेबल टेनिस खिलाड़ी ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करते समय हमारे दल की एकता और भावना का प्रतीक है। छह बार की विश्व चैंपियन और 2012 लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मैरीकॉम के साथ शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले शिवा केशवन को भारतीय दल का उप प्रमुख नियुक्त किया गया। आईओए ने कहा, 'मैरीकॉम का खेलों के प्रति

समर्पण और प्रेरणादायी यात्रा ओलंपिक में हमारे खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने के लिए स्वाभाविक पसंद बनाती है। केशवन के पास अपार अनुभव तथा टीम प्रबंधन के साथ काम करने का ज्ञान है।'

निशानेबाजी रेंज में भारतीय टीम का संचालन करेंगे गगन नारंग

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग निशानेबाजी रेंज में भारतीय टीम का संचालन करेंगे। ओलंपिक में निशानेबाजी रेंज मुख्य स्थल से काफी दूर है। भारत पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी में अपनी सबसे बड़ी टीम भेजेगा क्योंकि देश अभी तक 19 कोटा स्थान हासिल कर चुका है। आईओए ने बयान में कहा, 'ये नियुक्तियां अनुभव, विशेषज्ञता और नेतृत्व कौशल को देखकर की गई हैं जो वैश्विक मंच पर हमारे खिलाड़ियों की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देगी।'

पीटी उषा का बयान

आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा ने इन नियुक्तियों के संबंध में कहा, 'हम पेरिस ओलंपिक खेलों में हमारे दल का नेतृत्व करने के लिए अधिकारियों की इतनी प्रतिष्ठित और क्षमतावान टीम पाकर बहुत खुश हैं। खेलों में उनकी विशेषज्ञता, समर्पण और जुनून निश्चित तौर पर हमारे खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और देश का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा।'

ओलंपिक क्वालिफायर में महिला पहलवानों के साथ जाएंगी दो महिला कोच, 27 मार्च से लगेगा शिविर

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से बहाली के बाद भारतीय कुश्ती महासंघ ने 11 अप्रैल से होने जा रही एशियाई चैंपियनशिप और 19 अप्रैल से शुरू हो रहे एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर के लिए महिला पहलवानों की टीम के साथ दो महिला प्रशिक्षकों को भेजने का फैसला लिया है। यही नहीं महासंघ ने तदर्थ समिति की ओर से नियुक्त प्रशिक्षकों की जगह पुराने प्रशिक्षकों को भी वापस बुला लिया है। इन दोनों टूर्नामेंट में पुरुष फ्रीस्टाइल टीम के चीफ कोच ओलंपियन जगमिंदर सिंह, महिला टीम के विरेंदर कुमार और ग्रीको रोमन टीम के मुख्य प्रशिक्षक हरगोविंद सिंह होंगे। टूर्नामेंट की तैयारियों के लिए 27 मार्च से पुरुष पहलवानों का शिविर सोनीपत और महिला पहलवानों का गांधीनगर या एनआईएस पटियाला में लगाया जाएगा।

विनेश समेत ट्रायल में जीते पहलवानों की एंट्री भेजी

कुश्ती महासंघ ने पुरुष फ्रीस्टाइल टीम के साथ द्रोणाचार्य अवार्डी जगमिंदर, विनोद कुमार और अनिल मान, ग्रीको रोमन टीम के साथ हरगोविंद, अनिल कुमार, विक्रम शर्मा और महिला टीम के साथ विरेंदर कुमार के अलावा महिला कोच मंजीत रानी और सोनिया मोर को नियुक्त किया है।

महिला पहलवानों के शिविर के लिए साई को गांधीनगर या एनआईएस पटियाला का प्रस्ताव दिया गया है। इन दोनों स्थानों पर शिविर नहीं लगने की स्थिति में साई सेंटर भोपाल के लिए प्रयास किया जाएगा। कुश्ती महासंघ ने हाल ही में इन दोनों टूर्नामेंट के लिए हुए चयन ट्रायल के विजेताओं की एंट्री भेज दी है। इनमें 50 भार वर्ग में विनेश फोगाट का नाम भी शामिल है।

एथलीट कमीशन के चुनाव 24 अप्रैल से

आईओए के कहने पर महासंघ एथलीट कमीशन का चुनाव फेडरेशन कप के दौरान छत्तीसगढ़ में 24-25 अप्रैल को कराने जा रहा है। प्रत्येक राज्य संघ से दो एथलीट सात पदों के लिए नामांकन भरेंगे। सात पदों में दो महिलाओं का होना अनिवार्य है। अभी तक लंदन ओलंपिक के पदक विजेता योगेश्वर दत्त एथलीट कमीशन के चेयरमैन थे, लेकिन यूडब्ल्यूडब्ल्यू के नियम के अनुसार कमीशन का चुनाव मौजूदा या फिर बीते चार वर्ष में खेलने वाला पहलवान ही लड़ सकता है। ऐसे में वह चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। महासंघ ने यह भी साफ कर दिया है कि राज्य संघों के चुनाव खेल संहिता के अनुसार कराए जाएंगे।

दिशा पाटनी

की बहन के कपड़ों को देखकर चिढ़े यूजर्स, Viral Video देख बोले- आप आर्मी ऑफिसर हैं कम से कम..

सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म योद्धा में नजर आईं दिशा पाटनी (Disha Patani) अपने अभिनय के साथ-साथ अपने बोल्ड फैशन को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरती हैं। उनका फैशन सेंस देखकर कभी-कभी यूजर्स का माथा बिल्कुल ही ठनक जाता है और वह एक्ट्रेस को उनके ड्रेसिंग सेंस के लिए बुरी तरह से ट्रोल कर देते हैं।हालांकि, इस बार ट्रोल्स के निशाने पर दिशा पाटनी नहीं, बल्कि उनकी बड़ी बहन खुशबू पाटनी आई हैं, जो पेशे से एक आर्मी ऑफिसर हैं। खुशबू का एक वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उनका डांस तो लोगों को पसंद आ रहा है, लेकिन उनके ड्रेसिंग सेंस को देखकर कुछ यूजर्स बुरी तरह से उन्हें ट्रोल कर रहे हैं।

दिशा पाटनी की बहन बनी यूजर्स का निशाना

दिशा पाटनी एक तरफ जहां ग्लैमर इंडस्ट्री से जुड़े होने की वजह से आए दिन चर्चा में आ जाती हैं, तो वहीं उनकी बड़ी बहन खुशबू खुद को मीडिया लाइमलाइट से दूर ही रखने की कोशिश करती हैं। हालांकि, इस बार बहन दिशा की तरह खुशबू भी यूजर्स का निशाना बन गयी हैं।

खुशबू का हाल ही में एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे इंस्टेंट बॉलीवुड ने भी अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में खुशबू आम इंसान की तरह ही अपने कुछ पलों को एन्जॉय करती दिख रही हैं। वह पंजाबी गाने पर झूम के डांस कर रही हैं।इस दौरान उन्होंने ग्रीन रंग की टी-शर्ट और ब्लैक शॉर्ट्स पहने हुए हैं।

रकुल प्रीत सिंह

और Jackky Bhagnani सेलिब्रेट कर रहे वन मंथ एनिवर्सरी, एक्ट्रेस ने शेयर की शादी अनदेखी तस्वीर

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी शादी ने फरवरी में सात फेरे लिए थे। इनकी शादी के फंक्शन तीन दिन तक गोवा में चले थे।, जिसमें कई सेलेब्स भी शामिल हुए थे।वहीं आज इस कपल की शादी को पूरा एक महीना हो चुका है। ऐसे में रकुल ने अपनी फर्स्ट मंथ एनिवर्सरी के मौके पर सोशल मीडिया पर पति संग शादी की अनदेखी फोटो शेयर करते हुए जैकी को विश किया है।

रकुल प्रीत सिंह का पोस्ट

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने 21 फरवरी को शादी की थी। वहीं आज 21 दोनों ने अपने-अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो और फोटो शेयर करते हुए एक-दूजे को विश किया है। एक्ट्रेस ने अपनी शादी के बाद की एक फोटो शेयर की है, जिसमें वह जैकी का हाथ दामे नजर आ रही हैं और कैप्शन में लिखा- और एक महीना हो गया है ?? समय भी बीत गया और जिंदगी भी. चांद और वापसी के लिए तुम्हें प्यार। यहां हमारे पूरे जीवन को नाचने के लिए है।

जैकी भगनानी का पोस्ट

रकुल प्रीत सिंह के बाद जैकी ने भी अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें शादी की झलक के साथ-साथ कुछ अन्य फोटोज भी नजर आ रही हैं और कैप्शन में लिखा- %उस पल से जब आप गलियारे से नीचे चले थे, जब हमने मिस्टर और मिसेज के रूप में गर्व से एक दूसरे का हाथ थामा था, उस दिन तक जब हमने मैचिंग हुडी पहनी थी।

इनमें से हर पल मेरे दिल में एक स्पेशल जगह रखता है। जैसे हर दिन जागना और मेरा दिन शुरू होने से पहले सबसे पहले तुम्हें देखना, तुम्हारे साथ एक महीना एक सेकंड की तरह बीत गया। आपके छोटे से हाव-भाव से लेकर जिस तरह से आप मुझे भीड़ भरे कमरे में पाते हैं, हमारे बारे में सब कुछ अलग है। आई लव यू वन मंथ एनिवर्सरी मुबारक हो रकुल।

ऑडियंस के कंधे पर रखकर बंदूक... इन सितारों ने समझाया OTT के बाद का गणित

कुणाल खेमू ने 'मडगांव एक्सप्रेस' का निर्देशन किया है. इस फिल्म के लिए उन्होंने दिव्येंदु शर्मा, प्रतीक गांधी और अविनाश तिवारी की कास्टिंग की है. आमतौर पर कोई भी निर्देशक जब अपनी पहली फिल्म बनाता है, तब उसकी कोशिश ये रहती है कि वो किसी बड़े सुपरस्टार को अपनी फिल्म में कास्ट करें. परिवार में करीना कपूर, सैफ अली खान और सारा अली खान जैसे बड़े नाम शामिल होने के बावजूद कुणाल ने अपनी फिल्म के लिए ओटीटी से मशहूर हुए तीन टैलेंटेड कलाकारों का चयन किया. और अपनी कास्टिंग से वो बेहद खुश भी हैं. टीवी9 हिंदी डिजिटल से की एक्सक्लूसिव बातचीत में 'मडगांव एक्सप्रेस' फेम दिव्येंदु शर्मा, प्रतीक गांधी और अविनाश तिवारी ने बताया कि किस तरह से ओटीटी प्लेटफॉर्म की वजह से अब एक्टर्स का टाइपकास्ट होना बंद हो गया है और उनकी मेरिट पर ही उन्हें काम मिलने लगा है.

प्रतीक गांधी

'स्कैम' के बाद मैं खुद को खुशनसीब मानता हूं कि मुझे सिर्फ उसी तरह के किरदार नहीं ऑफर हुए. इसके कई कारण हो सकते हैं. सबसे पहले तो 'स्कैम' की शूटिंग होने के बाद लॉकडाउन लग गया था. उस दौरान मैंने अपना लुक पूरी तरह से बदल दिया. इंटरव्यू के समय मैं बिल्कुल अलग दिख रहा था. और दूसरी बात ये है, ओटीटी की वजह से अब टाइपकास्ट होने का डर नहीं रहा. और टाइपकास्ट मतलब क्या होता था? ऑडियंस के कंधे पर बंदूक रखकर चला दी जाती थी, और एक्टर्स को बताया जाता था कि ऑडियंस आपको इस रूप में नहीं देखना चाहती. लेकिन अब ओटीटी की वजह से ये साबित हुआ कि ऐसी कोई बात नहीं है. दर्शकों ने खुद बता दिया है कि वो पूरी तरह से तैयार हैं.

दिव्येंदु शर्मा

दरअसल ओटीटी का सबसे बड़ा फायदा ये रहा है कि इस प्लेटफॉर्म ने लोगों को हिम्मत दी. क्योंकि आमतौर पर फिल्मों में एक्टर को, उनका निभाया हुआ आखिरी किरदार कौन-सा था, इस लिहाज से ही कास्ट किया जाता था. लेकिन ओटीटी में ऐसा नहीं होता. ओटीटी में आपको अलग-अलग किरदार करने का मौका मिल जाता है. और आपको कई तरह के किरदार परफॉर्म करते हुए देख अब कास्टिंग करने वालों की हिम्मत भी बढ़ रही है. मेरे साथ भी कुछ ऐसे ही हुआ. मिर्जापुर में 'मुन्ना भैया' करने के बाद मुझे वैसा एक भी किरदार ऑफर नहीं हुआ. और ये बदलाव अच्छा है. कम से कम अब एक्टर्स को कास्ट करने के पीछे की सोच बदलने लगी है.

देश के पहले दलित क्रिकेटर, जो आंबेडकर के खिलाफ लड़े चुनाव, अजय देवगन उन पर बनाएंगे फिल्म

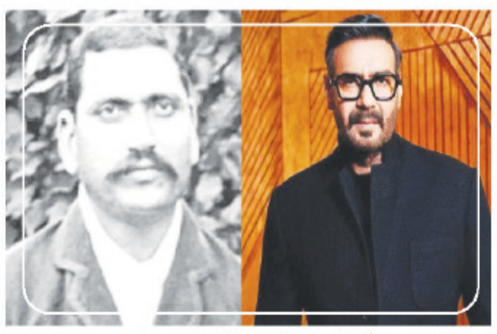

इस वक्त अजय देवगन की पांचों उंगलियां घी में हैं. उनकी फिल्म 'शैतान' अभी किनेमघरों में लगी हुई है. 'सिंघम अगेन' 15 अगस्त को रिलीज के लिए तैयार है. 'मैदान' भी इसके कुछ दिनों बाद आने की संभावना है. इसका ट्रेलर जनता पसंद कर रही है. 'औरो में कहां दम था' भी संभवत: इसी साल रिलीज होगी. 'रेड 2' भी आने वाले प्रोजेक्ट्स में शामिल है. अब इस लिस्ट में एक और नाम शामिल हो गया है.अजय देवगन भारत के पहले दलित क्रिकेटर पलवंकर बालू की बायोपिक बनाने जा रहे हैं. इसे वो तिग्मांशु धूलिया के साथ बनाएंगे. अजय देवगन इस फिल्म से बतौर अभिनेता नहीं, बल्कि बतौर प्रोड्यूसर जुड़ेंगे. तिग्मांशु कोई अच्छा प्रोड्यूसर काफी समय से ढूंढ़ रहे थे. अब अजय देवगन ने उनका हाथ थाम लिया है. तिशू ने 2017 में ही हिंट किया था कि वो बालू को बायोपिक बनाना चाहते हैं. हालांकि वो यहां बतौर प्रोड्यूसर ही रहेंगे. उन्होंने रामचंद्र गुहा की किताब A Corner of a Foreign Field: The Indian History of a British Sport के राइट्स भी ले लिए हैं. साथ ही बालू के परिवार से भी फिल्म बनाने की सहमति ले ली है. फिल्म की कास्ट और डायरेक्टर को लेकर अभी कोई अपडेट नहीं है. अब जब अजय देवगन फिल्म से जुड़ गए हैं, तब फिल्म की कास्टिंग प्रोसेस में तेजी आने की संभावना है.

कौन थे पलवंकर बालू ?

19 मार्च 1876 को पलवंकर बालू का जन्म हुआ. 17 की उम्र में वो पुणे के एक इंग्लिश क्रिकेट क्लब में काम करने लगे. उनका काम ग्राउंड स्टाफ का था. इसके तहत पिच रोल करना, मैदान की साारसंभाल और नेट्स लगाना उनकी जिम्मेदारी थी. यहीं उन्होंने गेंदबाजी करनी शुरू की. फिर बॉम्बे में हिन्दू जिमखाना के लिए खेलना शुरू किया. 1911 में ऑल इंडियन क्रिकेट टीम का हिस्सा बने. ये टीम इंग्लैंड गई. यहां इस लेफ्ट आर्म स्पिनर ने 23 मैचों में कुल 114 विकेट अपने नाम किए.चूंकि पलवंकर बालू भारत के पहले दलित क्रिकेटर थे. दलित होने की वजह से उन्होंने अपने करियर के दौरान कई तरह के भेदभाव का भी सामना किया. ऐसा कहा जाता है कि उनका लंच अलग रखा जाता था. जब बालू मैदान में विकेट लेते, तो टीम के खिलाड़ी उनके साथ जश्न नहीं मनाते थे. मैदान के बाहर उनके खाने-पीने के बर्तन अलग थे. मैदान में जाने से पहले उन्हें अपने बर्तन खुद ही साफ करने होते.